राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरूवार 02 अक्टूबर 2025 वर्ष-8,अंक-223 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

करूर भगदड़ के बाद एक्टर विजय ने राज्य का दौरा रद्द किया

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु में TVK प्रमुख एक्टर विजय ने करूर भगदड़ के कारण राज्य का अपना दौरा रद्द कर दिया है। उधर, राज्य सरकार ने 27 सितंबर को एक्टर विजय की रैली से जुड़े वीडियो जारी किए हैं। सरकार का दावा है कि रैली के दौरान नियमों का उल्लंघन किया गया। रैली में अनुमान से दोगुनी भीड़ पहुंची, जिससे भारी अव्यवस्था और परेशानियां हुईं। करूर में एक्टर विजय की रैली में मची भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी। 51 लोग अब भी ICU में हैं। इधर, भगदड़ के बाद डिप्रेशन में गए टीवीके के कार्यकर्ता अयप्पन ने फंदे से लटक कर जान दे दी है। विल्लुपुरम जिले के TVK पदाधिकारी ने आत्महत्या कर ली। अय्यप्पन के पास से सुसाइड नोट भी मिला है। 51 साल के अय्यपन ने लिखा, "जब विजय करूर आए थे, तब पर्याप्त पुलिस नहीं थी। विजय के प्रशंसकों ने अच्छा काम किया। यह हादसा सेंथिल बालाजी की वजह से हुआ। पुलिस भी इसमें शामिल है। उन्हें जल्द से जल्द गिरफ्तार करके जेल भेजा जाना चाहिए।" भगदड़ के 2 दिन बाद एक्टर विजय थलपति ने मंगलवार को एक वीडियो जारी किया।

केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3 परसेंट बढ़ा

49 लाख कर्मचारी, 68 लाख पेंशनर्स को फायदा; 1 जुलाई से लागू, 3 महीने का एरियर मिलेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार में लगभग एक करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनरों के महंगाई भत्ते 'डीए' एवं महंगाई राहत 'डीआर' में तीन फीसदी वृद्धि की सौगात मिली है। बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट ने डीए की दरों में बढ़ोतरी के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। एक जुलाई से देय महंगाई भत्ते की दर अब 55 प्रतिशत से बढ़कर 58 प्रतिशत हो गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट की बैठक के बाद हुई प्रेस ब्रीफिंग में यह जानकारी दी है। गत वर्ष केंद्र सरकार ने दीवाली पर कर्मचारियों के महंगाई भत्ते एवं पेंशनरों की महंगाई राहत में तीन फीसदी की बढ़ोतरी की थी, जबकि इस साल पहली जनवरी से केंद्रीय कर्मियों के डीए में दो फीसदी की बढ़ोतरी की गई थी। बता दें कि डीए/डीआर की दरों में बढ़ोतरी की घोषणा, होली और दीवाली पर की जाती है।

हालांकि डीए/डीआर की दरों में वृद्धि हर साल एक जनवरी और एक जुलाई से किए जाने का प्रावधान है। अगर तय समय से कुछ माह बाद डीए की घोषणा होती है तो सरकारी कर्मचारियों के खाते में उतने ही माह का एरियर आ जाता है। केंद्र सरकार के कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों का कहना है कि इन भत्तों को तय समय पर जारी न कर केंद्र सरकार, खुद लाभ कमा रही है। कॉन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लाइज एंड वर्कर्स के

महासचिव एसबी यादव ने बताया, केंद्रीय कर्मियों के लिए महंगाई भत्ते 'डीए' की दरों में बढ़ोतरी की घोषणा जानबूझकर कई माह देरी से की जाती है। इससे सरकार को फायदा होता है। चूंकि डीए/डीआर की दरों में हुई वृद्धि से सरकार पर हजारों करोड़ रुपये का भार पड़ता है। ऐसे में सरकार, डीए/डीआर की घोषणा, 3-4 माह देरी से करती है। इस अवधि के दौरान सरकार का पैसा निवेश होता है, जिस पर उसे अच्छा खासा ब्याज मिलता है। नियमानुसार, पहली जनवरी और पहली जुलाई से महंगाई भत्ते एवं महंगाई राहत में बढ़ोतरी करने का प्रावधान है, लेकिन केंद्र सरकार हर दफा यह घोषणा करने में तीन चार माह की देरी कर देती है। अखिल भारतीय रक्षा कर्मचारी महासंघ (एआईडीईएफ) के महासचिव और राष्ट्रीय परिषद (जेसीएम) स्टाफ साइड के वरिष्ठ सदस्य सी.श्रीकुमार के अनुसार, सरकार को इस मामले में देरी नहीं करनी चाहिए। जब पहली जनवरी और पहली जुलाई से डीए बढ़ोतरी का नियम है तो इसमें कई माह की देरी क्यों हो रही है। अगर ये भत्ते देने में तीन चार माह की देरी होती है तो सरकार हजारों करोड़ रुपये बचा लेती है।

पीएम मोदी बोले: घुसपैठियों से चुनौती मिल रही, सतर्क रहना है

संघ के पास डेमोग्राफी में बदलाव रोकने का रोडमैप, डाक टिकट-सिक्का जारी किया

(एजेंसी)

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह में बुधवार को कहा, "संघ के स्वयंसेवकों ने कभी कटुता नहीं दिखाई। चाहे प्रतिबंध लगे, या साजिश हुई हो। सभी का मंत्र रहा है कि जो अच्छा है, जो कम अच्छा, सब हमारा है। उन्होंने इस मौके पर फ्रर के योगदान को दशार्ने वाला स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया। उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवक जो लगातार देश सेवा में जुटे हैं। समाज को सशक्त कर रहे हैं, इसकी भी झलक इस डाक टिकट में है। मैं इसके लिए देश को बधाई देता हूं। पीएम ने कहा, अन्याय पर न्याय, अंधकार पर प्रकाश की जीत... यह भारतीय संस्कृति के विचार और विश्वास का कालजयी उद्घोष है। ऐसे महान पर्व पर 100 साल पहले फ्रर की स्थापना संयोग नहीं था। ये हजारों साल की परंपरा का

पुनरुत्थान था, जिसमें राष्ट्र चेतना समय-समय पर उस युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए नए अवतारों में प्रकट होती है। संघ उसी अनादि राष्ट्र चेतना का पुण्य अवतार है।समाज के कई क्षेत्रों में संघ लगातार काम कर रहा है। संघ की एक धारा, बंटती तो गई, लेकिन उनमें कभी विरोधाभास पैदा नहीं हुआ, क्योंकि हर धारा का उद्देश्य, भाव एक ही है, राष्ट्र प्रथम। अपने गठन के बाद से ही फ्रर विराट उद्देश्य लेकर चला राष्ट्र निर्माण, इसके लिए जो रास्ता चुना। व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण, जो पद्धति चुनी वह थी शाखा। दूसरे देशों पर आर्थिक निर्भरता, डेमोग्राफी में बदलाव के षड्यंत्र जैसी चुनौतियों से हमारी सरकार तेजी से निपट रही है। स्वयंसेवक होने के नाते मुझे खुशी है कि संघ ने इसके लिए ठोस रोडमैप भी बनाया है। घुसपैठियों से बड़ी चुनौती मिल रही है। हमें इससे सतर्क रहना है।फ्रर दशहरा से अपना शताब्दी वर्ष कार्यक्रम शुरू कर रहा है। इसके तहत 2 अक्टूबर 2025 से 20 अक्टूबर 2026 तक देशभर में सात बड़े कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके अलावा संघ प्रमुख मोहन भागवत अमेरिका और यूरोप के कुछ देशों में कार्यक्रमों में शामिल हो सकते हैं। पीएम ने कहा, देशों पर आर्थिक निर्भरता,डेमोग्राफी में बदलाव के षड्यंत्र जैसी चुनौतियों से हमारी सरकार तेजी से निपट रही है। स्वयंसेवक होने के नाते मुझे खुशी है कि संघ ने इसके लिए ठोस रोडमैप भी बनाया है। घुसपैठियों से बड़ी चुनौती मिल रही है। हमें इससे सतर्क रहना है। पीएम ने कहा," विभाजन की पीड़ा ने लाखों परिवारों को बेघर किया। स्वयं सेवक सबसे आगे खड़े थे। यह केवल राहत नहीं राष्ट्र की आत्मा को संबल देने का काम था। 1956 में अंजार के भूकंप में भी स्वयं सेवक राहत बचाव में जुटे थे। गुरुजी ने लिखा था, "किसी दूसरे के दुख को दूर करने खुद कष्ट उठाना निस्वार्थ हृदय का परिचायक है।" उन्होंने कहा, 1962 के युद्ध के समय स्वयं सेवकों ने सीमा पर जवानों की मदद की। 1971 के युद्ध के बाद में देश में आए लोगों को सहायता दी।

75 साल के दूल्हे की 12 घंटे बाद मौत

जौनपुर। एक 75 साल के बुजुर्ग ने 35 साल की महिला से मंदिर में शादी की। शादी के 12 घंटे बाद ही बुजुर्ग की मौत हो गई। पत्नी का कहना है कि रात तक पति एकदम सही थे। सुबह अचानक उनकी गर्दन झुक गई। पत्नी ने बताया कि सोमवार को हमने पहले मंदिर में शादी की, फिर कोर्ट मैरिज की थी। रात में 1 बजे तक हमारे बीच बातचीत हुई। पति ने मुझे अपनी जायदाद देने की बात भी कही थी। मामला गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कुछमुछ गांव का है। सोमवार को सगरू राम (75) ने मनभारती (35) के साथ शादी की थी। दोनों ने मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से शादी की। दोनों ने पंडितजी का आशीर्वाद लिया और घर लौट आए। इसके बाद शादी को कोर्ट में भी रजिस्टर करा दिया। रात में पत्नी और उसके 3 बच्चों को लेकर सगरू राम अपने गांव पहुंचा। बुजुर्ग की मंदिर में शादी का वीडियो भी सामने आया है।

महबूबा बोलीं: कश्मीरियों को बंदूक का डर दिखा रही भाजपा

कहा: लोगों को जबरन राष्ट्रगान के लिए खड़ा किया जा रहा, 15 युवक पुलिस हिरासत में हैं

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने श्रीनगर में राष्ट्रगान के दौरान खड़े न होने के आरोप में 15 युवाओं को हिरासत में लिए जाने की निंदा की। उन्होंने कहा, 'कश्मीर में लोगों को जबरन, यहां तक कि बंदूक की नोक पर राष्ट्रगान के लिए खड़ा किया जा रहा है।' पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (PDP) की अध्यक्ष मुफ्ती ने कहा- यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा ने हालात ऐसे बना दिए हैं कि लोगों को राष्ट्रगान के लिए मजबूर किया जा रहा है। जब मैं स्टूडेंट थी तो हम अपनी इच्छा से राष्ट्रगान के सम्मान में खड़े होते थे, लेकिन अब यह दबाव डालकर करवाया जा रहा है। यह सरकार की विफलता है। दरअसल, 30 सितंबर की शाम श्रीनगर के ळपक्ष फुटबॉल मैदान राष्ट्रगान हुआ। इस दौरान वहां मौजूद 15 युवक खड़े नहीं हुए। मामला सामने आने पर पुलिस ने सभी को हिरासत में लिया था।

मुफ्ती ने मुस्लिम एजुकेशनल ट्रस्ट स्कूल के मैदान का दौरा करने के बाद कहा कि पुलिस इस जमीन पर शहीद स्मारक बनाने की योजना बना रही है, जिससे स्थानीय लोगों और युवाओं को खेल का मैदान खोना पड़ सकता है। हमारे खेल मैदान छीने जा रहे हैं। उन्होंने अपील की- मैं DGP से आग्रह करती हूं कि इस मैदान को बचाया जाए। इसके अलावा उन्होंने चट्टाबल इलाके के डेयरी फार्म मैदान का भी दौरा किया। यहां स्थानीय लोग लंबे समय से इसे सार्वजनिक खेल मैदान के रूप में बचाए रखने की मांग कर रहे हैं। महबूबा ने कहा- 'यह मैदान दशकों से खेलों के लिए इस्तेमाल हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी मन की बात में पुलवामा की नाइट क्रिकेट प्रतियोगिता की सराहना की थी। इसलिए सेना को भी चाहिए कि यह मैदान युवाओं से न छीना जाए।' महबूबा मुफ्ती ने चेतावनी दी कि अगर युवाओं से ये सार्वजनिक स्थान छीन लिए गए तो असंतोष बढ़ेगा। उन्होंने कहा- 'पुलिस हमारी रक्षक हैं। शहीदों का स्मारक कहीं और भी बनाया जा सकता है। जम्मू-कश्मीर में ऐसी जगहों की कमी नहीं है।' PDP प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत पर दुख जताया था। 28 सितंबर 2024 को पर अपनी पोस्ट में महबूबा ने कहा था- लेबनान और गाजा के शहीदों, खासतौर से हसन नसरल्लाह के समर्थन में रविवार का चुनावी दौरा रद्द कर रही हूं।इस गहरे दुख और विद्रोह की घड़ी में हम फिलिस्तीन और लेबनान के लोगों के साथ खड़े हैं।

अस्थियां लेकर जा रहे मां-बेटे समेत 6 की मौत

पिता की 8 दिन पहले जान गई, मुजफ्फरनगर में अर्टिगा की टक्कर का सीसीटीवी सामने आया

एजेंसी

मुजफ्फरनगर। सड़क हादसे में एक परिवार के 5 लोगों समेत 6 की मौत हो गई। इनमें 3 महिलाएं और 3 पुरुष शामिल हैं। तेज रफ्तार अर्टिगा कार हाईवे किनारे खड़े ट्रक में घुस गई। कार में 7 लोग सवार थे, जिसमें 5 की मौके पर मौत हो गई। एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। एक की हालत गंभीर है। दरअसल, हरियाणा के रहने वाले महेंद्र जुनेजा की कैंसर से मौत हो गई थी। उन्हीं की अस्थियों को गंगा में विसर्जित करने के लिए सभी करनाल से हरिद्वार जा रहे थे। हादसे में महेंद्र की पत्नी, एक बेटा, दो बहनें, एक जीजा और ड्राइवर की मौत हो गई। हादसा बुधवार सुबह 5.30 से 6 बजे के बीच पानीपत-खटीमा हाइवे पर तितावी इलाके में हुआ। हादसा इतना भीषण था कि 14 फीट की अर्टिगा 8 फीट की रह गई। टक्कर के बाद चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से जैसे-तैसे सभी कार सवारों को बाहर निकाला। ज्यादातर की मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस ने एक घायल को अस्पताल भेजा है। उसकी हालत गंभीर है। सभी मृतक करनाल के फरीदपुर के रहने वाले थे। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। फुटेज में

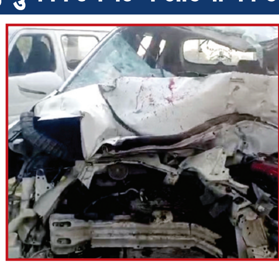

ट्रक हाईवे के किनारे खड़ा दिखाई दे रहा है। तभी एक तेज रफ्तार कार पीछे से आकर ट्रक में घुस जाती है। रफ्तार का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि टक्कर के बाद कार का अगला हिस्सा ड्राइवर की सीट तक पिचक गया। करनाल के फरीदपुर गांव के रहने वाले महेंद्र जुनेजा (51) की सोमवार (22 सितंबर) की रात 11 बजे हार्ट फेल होने से मौत हो गई थी। उन्हें 6 साल से कैंसर था। आज बुधवार को उनकी देसाई थी। बुधवार सुबह पौने पांच बजे परिवार के लोग 2 गाड़ियों में महेंद्र की अस्थि विसर्जन के लिए हरिद्वार के लिए निकले। महेंद्र के भाई सुरेंद्र ने बताया कि अर्टिगा कार में महेंद्र की पत्नी मोहिनी (45), बड़ा बेटा पीयूष (22), छोटा बेटा हार्दिक (17), जीजा राजेंद्र (60), बहन विम्मी (50), छोटी बहन अंजू (46) और ड्राइवर शिवा (24) थे। दूसरी गाड़ी ब्रेजा को ड्राइवर संदीप चला रहा था। इस गाड़ी में महेंद्र का भाई आत्मप्रकाश, सुरेंद्र, बहन मंजू और उसका साला बाबू था। सुरेंद्र ने आगे बताया कि सुबह 6 बजे के आसपास दोनों गाड़ियां मुजफ्फरनगर पहुंची तो तितावी एरिया में जयदेव होटल के पास आगे चल रही अर्टिगा कार ट्रक से टकरा गई। ब्रेजा कार में परिवार के दूसरे लोग पीछे ही चल रहे थे। उन्होंने तुरंत कार रोकी और नीचे उतरे। मंजू शव से लिपटकर बिलख पड़ी। वह शव को हिलाकर उठाने की कोशिश करने लगी। आसपास मौजूद लोगों ने उसे समझाया और वहां से दूर हटाया। उन्होंने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि अर्टिगा का अगला हिस्सा ट्रक में फंस गया। घटना देख आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। बड़ी मुश्किल से कार की गेट काटकर सभी को बाहर निकाला गया। मोहिनी, पीयूष, राजेंद्र, विम्मी और ड्राइवर शिवा की मौके पर मौत हो चुकी थी। अंजू और हार्दिक गंभीर रूप से घायल थे। सुरेंद्र के मुताबिक, एम्बुलेंस बुलाकर दोनों को तुरंत बघरा कम्युनिटी हेल्थ सेंटर (CHC) ले जाया गया। यहां अंजू ने दम तोड़ दिया। हार्दिक की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया।

पिता ने 2 बेटियों और पत्नी संग आग लगाई

एजेंसी

गांव के दो लड़कों की भी हत्या की; बहराइच में घर से मिलीं 6 लाशें

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच में एक घर से 6 लोगों की लाशें मिली हैं। किसान ने पहले घर पर गांव के दो लड़कों की हत्या की। फिर अपनी दो बेटियों और पत्नी के साथ खुद को कमरे में बंद कर आग लगा दी। घर को आग लगाने से पहले वह मवेशियों को भी अंदर ले आया था। घटना रामगांव इलाके के निंदुरपुरवा गांव में सुबह 9 बजे के आसपास हुई। आग की लपटें देखकर आसपास के लोग मौके की ओर भागे। देखते ही देखते वहां भीड़ जमा हो गई। चीख-पुकार मच गई। पुलिस और फायर ब्रिगेड को

सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे दमकल के अमले ने तुरंत ही आग पर काबू किया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। घटना के बाद मौके पर डीआईजी अमित पाठक समेत बहराइच के डीएम अक्षय त्रिपाठी, एसपी राम नयन सिंह पहुंचे। मृतकों में विजय मौर्य (40), उसकी पत्नी धीरज कुमारी (35), बड़ी बेटी टेड़वा (8) और छुटकी (6) के अलावा गांव के सूरज यादव (14), सनी वर्मा (14) शामिल हैं। गांव के लोगों ने बताया- विजय के एक बेटे की दो महीने पहले बीमारी की वजह से मौत हो चुकी है। जबकि, बड़ी बेटी कंचना मौर्य की शादी बिछिया ब्लॉक मुकेरिया गांव में हुई है। विजय के दो बड़े भाई भी हैं। लेकिन, उनकी विजय से कुछ खास नहीं बनती। इसलिए वे मां के साथ अलग रहते हैं। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो घर से धुआं निकल रहा था। पुलिस ने दरवाजा तोड़ा और आग बुझाई। इसके बाद अंदर देखा तो जमीन पर लड़कों की लाशें पड़ी थीं। दोनों का गला कटा था। हाथ की तीन अंगुलिया कटी थीं। गर्दन को किसी धारदार हथियार से रेता गया था।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे बेंगलुरु के अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे (83 साल) को मंगलवार को बेंगलुरु के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनके बेटे और कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने बुधवार को पर इसकी जानकारी दी। प्रियांक ने लिखा- मल्लिकार्जुन खड़गे को पेसमेकर लगाने की सलाह दी गई है और उन्हें पहले से प्लानिंग के तहत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर है और वे बेहतर महसूस कर रहे हैं। आपकी चिंता और शुभकामनाओं के लिए आभारी हूं। प्रियांक से पहले पार्टी सूत्रों ने बताया कि खड़गे को

मंगलवार को बुखार और पैर में दर्द की शिकायत के बाद बेंगलुरु के एमएस रमैया अस्पताल ले जाया गया। वहां के डॉक्टर उनकी देखभाल कर रहे हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को खड़गे से अस्पताल जाकर मुलाकात की। बाद में पत्रकारों को बताया- उन्हें थोड़ी बेचैनी हो रही थी। वे अब ठीक हैं। बात कर रहे हैं। उन्हें कल छुट्टी दे दी जाएगी।

जीएसआई रिपोर्ट में दावा: उत्तराखंड के पहाड़ खतरे में

राज्य का 22% हिस्सा हाई लैंडस्लाइड जोन में, केदारनाथ मार्ग पर 51 डेंजर जोन

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के पहाड़ अब गंभीर खतरे में हैं। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार राज्य का लगभग 22% हिस्सा हाई लैंडस्लाइड जोन में है। इसमें चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी और उत्तरकाशी जिले हैं, जहां करीब 15 लाख लोग रहते हैं। यहां हर साल नई-नई दरारें, टूटती सड़कें व उफान मारती नदियां आपदा का संकेत देती रहती हैं। रिपोर्ट बताती है कि राज्य का 32% हिस्सा मीडियम और 46% हिस्सा कम खतरे में है। यानी करीब पूरा राज्य भूस्खलन की जद में है। भूस्खलन पर संसद में पेश रिपोर्ट में GSI ने 91,000 भूस्खलनों का डेटा जुटाया है। केदारनाथ धाम तक का सफर भी अब बेहद खतरनाक हो गया है। रुद्रप्रयाग जिले में हाईवे पर 51 डेंजर जोन बन चुके हैं, जिनमें से 13 इस साल मानसून में बने हैं। इस मानसून में प्रदेश को तीन हजार करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ, 120 से ज्यादा लोगों की मौत हुई और 150 लोग लापता हैं। पांच हजार से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इन इलाकों में ऑल वेदर रोड, हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट और बेकाबू

निर्माण से खतरा और बढ़ रहा है। भूगर्भ वैज्ञानिक डॉ. एसपी सती कहते हैं- विकास योजनाओं का वैज्ञानिक आकलन जरूरी है। हिमाचल का 29% क्षेत्र भी उच्च भूस्खलन खतरे में है। लद्दाख और नागालैंड के 21-21% हिस्से पर भी यही संकट मंडरा रहा है। रिपोर्ट में सुझाव है कि संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर उन्हें जोनिंग नियमों के तहत विकसित करें और ढलानों को स्थिर बनाने के उपाय किए जाएं। 1. पहाड़ों की चट्टानें कमजोर और टूटी-फूटी हैं, इसलिए बहुत जल्दी खिसक जाती हैं। 2. बहुत तेज या लंबी बारिश होने के कारण मिट्टी पानी से भरकर फिसल जाती है। 3. बादल फटना और थोड़े समय में ही भारी बरसात ढलानों को तोड़ देती है। 4. सड़क बनाने के लिए पहाड़ को खड़ा काटने से ढलान अस्थिर हो जाती है। 5. नदियां नीचे से किनारा काटती हैं, तो ऊपर की जमीन ढह जाती है। 6. निर्माण का मलबा ढलान पर फेंकने से वजन बढ़ता है। पानी का रास्ता रुक जाता है। 7. जंगल कटने से पेड़ों की जड़ें नहीं बचतीं, मिट्टी की पकड़ कमजोर हो जाती है। 8. बार-बार छोटे भूकंप या से ढलान ढीली पड़ जाती है। 9. ऊंचाई पर बर्फ जमना-पिघलना चट्टानों में दरारें बढ़ा देता है। 10. ढलानों का पानी सही तरह बह न पाए तो मिट्टी गीली होकर बह जाती है। 11. बिना योजना के भारी इमारतें, होटल और पार्किंग से ढलानों पर ज्यादा बोझ। 12. खनन, ब्लास्टिंग और सुरंग खोद जाने से जमीन हिलती और टूटती रहती है। 13. जलविद्युत परियोजनाएं स्थानीय भू-जल व ढलान की स्थिति को बदलती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्र साधना के 100 वर्ष

लेखक- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

(लेखक- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी)

100 वर्ष पूर्व विजयदशमी के महापर्व पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना हुई थी। ये हजारों वर्षों से चली आ रही उस परंपरा का पुनर्स्थापन था,जिसमें राष्ट्र चेतना समय-समय पर उस युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए,नए-नए अवतारों में प्रकट होती है। इस युग में संघ उसी अनादि राष्ट्र चेतना का पुण्य अवतार है। ये हमारी पीढ़ी के स्वयंसेवकों का सौभाग्य है कि हमें संघ के शताब्दी वर्ष जैसा महान अवसर देखने मिल रहा है। मैं इस अवसर पर राष्ट्रसेवा के संकल्प को समर्पित कोटि-कोटि स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं देता हूं। मैं संघ के संस्थापक, हम सभी के आदर्शज्परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार जी के चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। संघ की 100 वर्षों की इस गौरवमयी यात्रा की स्मृति में भारत सरकार ने विशेष डाक टिकट और स्मृति सिक्के भी जारी किए हैं।

जिस तरह विशाल नदियों के किनारे मानव सभ्यताएं पनपती हैं, उसी तरह संघ के किनारे भी सैकड़ों जीवन पुष्पित-पल्लवित हुए हैं। जैसे एक नदी जिन रास्तों से बहती हैं, उन क्षेत्रों को अपने जल से समृद्ध करती हैं, वैसे ही संघ ने इस देश के हर क्षेत्र, समाज के हर आयाम को स्पर्श किया है। जिस तरह एक नदी कई धाराओं में खुद को प्रकट करती है, संघ की यात्रा भी ऐसी ही है। संघ के अलग-अलग संगठन भी जीवन के हर पक्ष से जुड़कर राष्ट्र की सेवा करते हैं। शिक्षा, कृषि, समाज कल्याण, आदिवासी कल्याण,महिला सशक्तिकरण, समाज जीवन के ऐसे कई क्षेत्रों में संघ निरंतर कार्य करता रहा है। विविध क्षेत्र में काम करने वाले हर संगठन का उद्देश्य एक ही है, भाव एक ही है....राष्ट्र प्रथम

अपने गठन के बाद से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राष्ट्र निर्माण का विराट उद्देश्य लेकर चला। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए संघ ने व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण रास्ता चुना और इस चलने के लिए जो कार्यपद्धति चुनी वो थी नित्य-नियमित चलने वाली शाखाएं। संघ शाखा का मैदान, एक ऐसी प्रेरणा भूमि है, जहां से स्वयंसेवक की अहम् से वयं की यात्रा शुरू होती है। संघ की शाखाएंज्व्यक्ति निर्माण की यज्ञवेदी हैं।

राष्ट्र निर्माण का महान उद्देश्य, व्यक्ति निर्माण का स्पष्ट पथ और शाखा जैसी सरल, जीवंत कार्यपद्धति यही संघ की सौ वर्षों की यात्रा का आधार बने। इन्हीं स्तंभों पर खड़े होकर संघ ने लाखों स्वयंसेवकों को गढ़ा, जो विभिन्न क्षेत्रों में देश को आगे बढ़ा रहे हैं।

संघ जब से अस्तित्व में आयाज्संघ के लिए देश की प्राथमिकता ही उसकी अपनी प्राथमिकता रही। आज़ादी की लड़ाई के समय परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार जी समेत अनेक कार्यकर्ताओं ने स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लिया, डॉक्टर साहब कई बार जेल तक गए। आजादी की लड़ाई में कितने ही स्वतन्त्रता सेनानियों को संघ संरक्षण देता रहाज्उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करता रहा। आजादी के बाद भी संघ निरंतर राष्ट्र साधना में लगा रहा। इस यात्रा में संघ के खिलाफ साजिशें भी हुईं, संघ को कुचलने का प्रयास भी हुआ। ऋषितुल्य परम पूज्य गुरु जी को झूठे केस में फंसाया गया। लेकिन संघ के स्वयंसेवकों ने कभी कटुता को स्थान नहीं दिया। क्योंकि वो जानते है, हम समाज से अलग नहीं हैं, समाज हमसे ही तो बना है। समाज के साथ एकात्मता और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति आस्था ने संघ के स्वयंसेवकों को हर संकट में स्थित प्रज्ञ रखा हैज्समाज के प्रति संवेदनशील बनाए रखा है। प्रारंभ से संघ राष्ट्रभक्ति और सेवा का पर्याय रहा है। जब विभाजन की पीड़ा ने लाखों परिवारों को बेघर कर दिया, तब स्वयंसेवकों ने शरणार्थियों की सेवा की। हर आपदा में संघ के स्वयंसेवक अपने सीमित संसाधनों के साथ सबसे आगे खड़े रहते रहे। यह केवल राहत नहीं थी, यह राष्ट्र की आत्मा को संबल देने का कार्य था। खुद कष्ट उठाकर दूसरों के दुख हरना...ये हर स्वयंसेवक की पहचान है। आज भी प्राकृतिक आपदा में हर जगह स्वयंसेवक सबसे पहले पहुंचने वालों में से एक रहते हैं। अपनी 100 वर्षों की इस यात्रा में, संघ ने समाज के अलग-अलग वर्गों में आत्मबोध जगायाज्स्वाभिमान जगाया। संघ देश के उन क्षेत्रों में भी कार्य करता रहा है..जो दुर्गम हैंज्जहाँ पहुँचना सबसे कठिन है। संघ...दशकों से आदिवासी परंपराओं, आदिवासी रीति-रिवाज, आदिवासी मूल्यों को सहेजने-संवारने में अपना सहयोग देता रहा है...अपना कर्तव्य निभा रहा है। आज सेवा भारती...विद्या भारती, एकल विद्यालय...वनवासी कल्याण आश्रम...आदिवासी समाज के सशक्तिकरण का स्तंभ बनकर उभरे हैं। समाज में सदियों से घर कर चुकी जो बीमारियाँ हैं, जो ऊंच-नीच की भावना है, जो कुप्रथाएं हैं, ये हिन्दू समाज की बहुत बड़ी चुनौती रही हैं। ये एक ऐसी गंभीर चिंता है, जिस पर संघ लगातार काम करता रहा है। डॉक्टर साहब से लेकर आज तक, संघ की हर महान विभूति ने, हर सर-संघचालक ने भेदभाव और छुआछूत के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। परम पूज्य गुरु जी ने निरंतर 'न हिन्दू पतितो भवेत' की भावना को आगे बढ़ाया। पूज्य बाला साहब देवरस जी कहते थे- छुआछूत अगर पाप नहीं, तो दुनिया में कोई पाप नहीं! सरसंघचालक रहते हुए पूज्य रज्जू भैया जी और पूज्य सुदर्शन जी ने भी इसी भावना को आगे बढ़ाया। वर्तमान सरसंघचालक आदरणीय मोहन भागवत जी ने भी समरसता के लिए समाज के सामने एक कुआं, एक मंदिर और एक श्मशान का स्पष्ट लक्ष्य रखा है।

अपनी 100 वर्षों की इस यात्रा में, संघ ने समाज के अलग-अलग वर्गों में आत्मबोध जगायाज्स्वाभिमान जगाया। संघ देश के उन क्षेत्रों में भी कार्य करता रहा है..जो दुर्गम हैंज्जहाँ पहुँचना सबसे कठिन है। संघ...दशकों से आदिवासी परंपराओं, आदिवासी रीति-रिवाज, आदिवासी मूल्यों को सहेजने-संवारने में अपना सहयोग देता रहा है...अपना कर्तव्य निभा रहा है। आज सेवा भारती...विद्या भारती, एकल विद्यालय...वनवासी कल्याण आश्रम...आदिवासी समाज के सशक्तिकरण का स्तंभ बनकर उभरे हैं।

जब 100 साल पहले संघ अस्तित्व में आया था तो उस समय की आवश्यकताएं, उस समय के संघर्ष कुछ और थे। लेकिन आज 100 वर्षों बाद जब भारत विकसित

होने की तरफ बढ़ रहा है तब आज के समय की चुनौतियां अलग हैं, संघर्ष अलग हैं। दूसरे देशों पर आर्थिक निर्भरता, हमारी एकता को तोड़ने की साजिशें, डेमोग्राफी में बदलाव के षड़यंत्र, हमारी सरकार इन चुनौतियों से तेजी से निपट रही है। मुझे ये खुशी है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी इन चुनौतियों से निपटने के लिए ठोस रोडमैप भी बनाया है।

संघ के पंच परिवर्तन, स्व बोध, सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, नागरिक शिष्टाचार और पर्यावरण ये संकल्प हर स्वयंसेवक के लिए देश के समक्ष उपस्थित चुनौतियों को परास्त करने की बहुत बड़ी प्रेरणा हैं।

स्व बोध की भावना का उद्देश्य गुलामी की मानसिकता से मुक्त होकर अपनी विरासत पर गर्व और स्वदेशी के मूल संकल्प को आगे बढ़ाना है। सामाजिक समरसता के जरिए वंचित को वरीयता देकर सामाजिक न्याय की स्थापना का प्रण है। आज हमारी सामाजिक समरसता को घुसपैठियों के कारण डेमोग्राफी में आ रहे बदलाव से भी बड़ी चुनौती मिल रही है। देश ने भी इससे निपटने के लिए डेमोग्राफी मिशन की घोषणा की है। हमें कुटुम्ब प्रबोधन यानी परिवार संस्कृति और मूल्यों को भी मजबूत बनाना है। नागरिक शिष्टाचार के जरिए नागरिक कर्तव्य का बोध हर देशवासी में भरना है। इन सबके साथ अपने पर्यावरण की रक्षा करते हुये आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करना है।

अपने इन संकल्पों को लेकर संघ अब अगली शताब्दी की यात्रा शुरू कर रहा है। 2047 के विकसित भारत में संघ का हर योगदान, देश की ऊर्जा बढ़ाएगा, देश को प्रेरित करेगा। पुन- प्रत्येक स्वयंसेवक को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

(आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने पर राष्ट्र साधना के 100 वर्ष शीर्षक से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिखित आलेख)

संपादकीय

असुरक्षा का माहौल

भारत और विदेशों में भय और असुरक्षा का माहौल बनाने वाले बिश्नोई गिरोह को कनाडा द्वारा आतंकवादी संगठन की सूची में डालने के कारण समझना कठिन नहीं है। यह कदम इस अंतर्राष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट के बारे में भारत की चिंताओं को सही साबित करने वाला ही है। वहीं दूसरी ओर यह गैंगस्टर व आतंकवादी गठजोड़ पर कार्रवाई करने का एक स्वागत योग्य प्रयास भी है। जिसने दोनों देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सतर्क भी किया है। दरअसल, यह गिरोह लॉरेंस बिश्नोई के नेतृत्व में भय व आतंक का पर्याय बना हुआ है। जिसने अनेक हाई-प्रोफाइल अपराधों को समय-समय पर अंजाम दिया है। यह विडंबना है और तंत्र की विफलता भी है कि गैंग का मुखिया पिछले एक दशक से अधिक समय से जेल में बंद है, इसके बावजूद गंभीर अपराधों की योजना बनाता रहा है। बिश्नोई गिरोह पर हाल के वर्षों में कई हाई-प्रोफाइल हत्याओं को अंजाम देने का आरोप है। इन हाई-प्रोफाइल हत्याओं में प्रसिद्ध पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला, करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दिकी भी शामिल हैं। अपराधियों के गठबंधन ने बार-बार बॉलीवुड स्टार सलमान खान को हत्या की धमकी दी है। इस सिंडिकेट ने सलमान खान के मुंबई स्थित घर के बाहर भी हमले करवाए हैं। इसी तरह कनाडा में पंजाबी कलाकार ए.पी. ढिल्लों और गिप्पी ग्रेवाल के घरों के बाहर गोलाबारी में भी इस गिरोह की भूमिका बतायी गई है। दरअसल, भारत सरकार व कनाडा सरकार ने इस आपराधिक सिंडिकेट के खिलाफ कार्रवाई के लिये इसलिए भी सहयोग बढ़ाया है क्योंकि बिश्नोई गिरोह पर कनाडा में सक्रिय गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के साथ मिलकर जबरन वसूली का कारोबार चलाने का आरोप बराबर लगता रहा है। बताया जाता है कि गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के खालिस्तान समर्थक आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से करीबी संबंध रहे हैं। जो दोनों देशों की कानून व्यवस्था के लिये एक बड़ी चुनौती बना रहा है। हाल के दिनों में खबरें आती रही हैं कि बिश्नोई गैंग अपने भीतरी टकराव से जूझ रहा है। गिरोह में लगातार जारी आपसी झड़पों और विश्वासघात की निरंतर बढ़ती घटनाओं ने बिश्नोई गैंग को भीतर से भी कमजोर कर दिया है। इस स्थिति को भारत तथा कनाडा की सरकारों की कानूनी प्रवर्तन एजेंसियों ने इन कुख्यात अपराधियों पर चारों ओर से शिकंजा कसने के अवसर के रूप में देखा है। दरअसल, कनाडा सरकार के द्वारा बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन की सूची में शामिल करने के बाद अधिकारियों को उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में सुविधा रहेगी। वहां के कानून के अनुसार बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित करने के बाद अब कनाडाई अधिकारियों को आतंकवादी मामलों में इन अपराधियों के खिलाफ अपराध साबित करने के लिये अतिरिक्त साधन व सुविधा मिल सकेगी। सरल शब्दों में कहें तो आतंकवादी संगठन घोषित करने के बाद कनाडाई अधिकारियों को बिश्नोई गिरोह की संपत्ति, वाहन और धन जब्त करने का अधिकार मिल जाएगा। इसमें वित्त पोषण से संबंधित मामलों में की जाने वाली कार्रवाई भी शामिल है। जिसके जरिये भारत में अपराध व हिंसा फैलाने की साजिश रची जाती रही है। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सार्वजनिक सुरक्षा कनाडा सरकार की प्राथमिकता रही है। जो यह भी दर्शाता है कि कनाडा सरकार ने अपने नागरिकों के लिए कुख्यात गैंगस्टरों, आतंकवादियों और अलगाववादियों द्वारा उत्पन्न गंभीर खतरे को पहचाना है।

आरएसएस : सेवा, त्याग और राष्ट्र निर्माण की शताब्दी यात्रा

(लेखक- राजनाथ सिंह / ईएमएस)

27 सितंबर 1925 को जब डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना की थी, तब शायद ही किसी ने ऐसा सोचा होगा कि आगामी सौ वर्षों में यह संगठन इतना विशाल और प्रभावशाली बन जाएगा। बीते दस दशकों में आरएसएस ने भारत की सामाजिक बुनियाद को मजबूत किया है, उसकी संप्रभुता की रक्षा की है, कमजोर वर्गों को सशक्त बनाया है और भारतीय सभ्यता के मूल्यों को संजोए रखा है। वर्तमान में आरएसएस नि:स्वार्थ सेवा का जीवंत प्रतीक बन गया है। आरएसएस के शताब्दी उत्सव के अवसर पर, उसकी यात्रा को पुन: याद करना उचित भी है और आवश्यक भी।

हाल ही में दिल्ली में हुए एक कार्यक्रम में सरसंघचालक श्री मोहन भागवत ने संघ के समावेशी विचारों पर चर्चा करते हुए कहा 'धर्म व्यक्तिगत पसंद का विषय है; इसमें किसी तरह का प्रलोभन या जोर-जबरदस्ती नहीं होनी चाहिए।' यह वक्तव्य संघ की मूल विचारधारा को प्रतिबिंबित करता है कि समाज में टकराव नहीं, सामंजस्य हो ; बिखराव नहीं, एकता हो और केवल भौतिक वस्तुओं की प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि जीवन की सार्थकता पर बल हो। आज भी संघ की दैनिक शाखाएँ और स्वयंसेवकों द्वारा चलाए गए कार्यक्रम; अनुशासन, आत्मबल और भारतीय संस्कृति पर गर्व करने की प्रेरणा देते हैं जिससे श्रेष्ठ भारत के निर्माण का मार्ग सुगम होता हैं।

इसलिए यह अत्यंत स्वाभाविक बात है कि संघ के अनुकरणीय योगदान के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से संघ को 卐दुनिया का सबसे बड़ा गैर-सरकारी संगठन卐 बताया और देशवासियों को संघ की सौ साल की भव्य, प्रेरणादायक और समर्पित यात्रा के बारे में याद दिलाया।

वर्ष 1947 में जब भारत स्वतंत्रता का उत्सव माना रहा था तब विभाजन की त्रासदी की वजह से बहुत जनहानि हुई थी और लाखों लोगों को अपने घरों से विस्थापित होना पड़ा था। ऐसी भीषण परिस्थिति में आरएसएस के स्वयंसेवक एक अनुशासित, संगठित और नि:स्वार्थ सेवकों के रूप में सामने आए। उन्होंने हिंसा से प्रभावित लोगों को सुरक्षा प्रदान करने और चिकित्सा उपलब्ध कराने के साथ विस्थापित लोगों के पुनर्वास में अनन्य योगदान दिया। विभाजन से पहले भी आरएसएस के दूसरे सरसंघचालक श्री गुरुजी (एम.एस. गोलवलकर) और संघ के कई वरिष्ठ नेताओं ने पंजाब के विभिन्न हिंसाग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया था और उन्होंने वहाँ के लोगों को आत्मरक्षा और राहत कार्यों के लिए संगठित किया था। इस दौरान संघ की भूमिका का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि तत्कालीन हालात से घबराये कांग्रेसी नेताओं को भी अपने परिवारों और समुदाय की रक्षा के लिए संघ की मदद लेनी पड़ी थी। स्वयंसेवकों की सेवा के कारण ही द ट्रिब्यून अख़बार ने अपनी एक रिपोर्ट में आरएसएस को **"The sword arm of Punjab"** कहा था। संघ द्वारा समाज-सेवा का कार्य विभाजन के बाद भी अनवरत जारी रहा । 1984 में जब सिख विरोधी दंगे भड़काए गए और हजारों सिखों की हत्या की गई, तब भी संघ स्वयंसेवक सिखों की रक्षा और राहत कार्यों के लिए सबसे आगे थे। लेखक खुशवंत सिंह ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा है कि श्रीमति इंदिरा गांधी की हत्या के बाद में हिंदू-सिख एकता बनाए रखने में आरएसएस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संघ के कार्यों को देखकर यह बात आसानी से कही जा सकती है कि कुछ लोगों द्वारा आरएसएस पर बहुसंख्यकवादी संगठन होने का आरोप लगाना बिल्कुल निराधार और गलत है। स्वतंत्रता के समय भी संघ ने भारत के अल्पसंख्यकों और उनके पूजा स्थलों की रक्षा में मदद की थी। मार्च 1947 में, जब मुस्लिम लीग द्वारा उकसाई गई भीड़ श्री हरमंदिर साहिब की ओर बढ़ी, तो तलवारों और लाठियों से लैस आरएसएस के स्वयंसेवकों ने न केवल उसका सामना किया बल्कि उसे पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था। तीन दिन बाद, जब एक और सुनियोजित हमला श्री हरमंदिर साहिब पर करने का प्रयास किया गया था, तब आरएसएस के स्वयंसेवकों ने एक मानव घेरा बनाकर गुरुद्वारे की रक्षा की थी और हमलावरों को सफलतापूर्वक खदेड़ भगाया था।

भारत के एकीकरण में संघ के योगदान से भी बहुत लोग अवगत नहीं हैं। कश्मीर से गोवा और दादरा नगर हवेली तक, संघ ने भारत की अखंडता को बनाए रखने में निर्णायक भूमिका निभाई है। जब पाकिस्तान समर्थित कबायली हमलावरों ने जम्मू-कश्मीर पर आक्रमण किया, तो सरदार वल्लभभाई पटेल ने महाराजा हरि सिंह को विलय के लिए राजी करने हेतु श्री गुरुजी की मदद मांगी थी। इसके बाद श्री गुरुजी श्रीनगर गए और उन्होंने हरि सिंह को तत्काल विलय करने के लिए मनाने का प्रयास किया था। आरएसएस स्वयंसेवकों ने 1947-48 के युद्ध के दौरान सेना की सहायता भी की थी। साथ ही मीरपुर और मुजफ्फराबाद जैसे क्षेत्रों से भाग रहे शरणार्थियों के लिए राहत कार्यों की व्यवस्था भी संभाली थी।

1954 में स्वयंसेवकों ने दादरा और नगर हवेली को पुर्तगाली शासन से मु कराने में अग्रणी भूमिका निभाई। के.आर. मलकानी की पुस्तक ''दी आरएसएस स्टोरी' के अनुसार— ' 2 अगस्त 1954 को लगभग 200 आरएसएस स्वयंसेवकों ने, नाना काजरेकर और सुधीर फड़के के नेतृत्व में, दादरा और नगर हवेली को आज़ाद कराया। उन्होंने राइफ़ल, ब्रेन गन और स्टेन गन से लैस 175 पुर्तगाली सैनिकों को खदेड़ दिया।' इसी तरह, गोवा की आज़ादी के लिए आरएसएस ने भूमिगत स्वतंत्रता आंदोलनों में भाग लिया था। पुर्तगाली सैनिकों की गोलीबारी में कई स्वयंसेवकों ने अपने प्राण न्योछावर भी किए। उनका बलिदान गोवा के भारत-विलय में निर्णायक साबित हुआ। इस प्रकार, आरएसएस ने हमेशा भारत को मजबूत करने के लिए कार्य किया है। 1975 के दौरान, संघ ने आपातकाल का मज़बूती से विरोध किया था। इसके खिलाफ लाखों स्वयंसेवक संगठित होकर भारत के संविधान की रक्षा के लिए खड़े हो गए। जनवरी 1976 में द इकोनॉमिस्ट ने अपनी एक रिपोर्ट में लिखा था —'इस आंदोलन की मुख्य ताक़त जनसंघ और उससे जुड़ा संगठन आरएसएस है।' यह वह समय था, जब लोगों और संस्थाओ को केवल झुकने को कहा जाता था तो वे रेंगने के लिए तैयार थे। इन परिस्थितियों में आरएसएस ने अपने दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। उसके असंख्य कार्यकर्ता तानाशाही के ख़िलाफ़ बिना डरे खड़े हुए और लोगों को एक लोकतांत्रिक विकल्प प्रदान करने के लिए काम किया। यह संघ के लोकतंत्र के प्रति संकल्प का प्रमाण है।

आरएसएस संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध है। वनवासी और हाशिए के समुदायों के उत्थान के लिए, आरएसएस के द्वारा किए जा रहे कार्यों से यह बात पूर्णतया सिद्ध होती है। वर्ष 1952 में स्थापित, अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम, आज देश का सबसे बड़ा आदिवासी कल्याण संगठन है। वर्तमान में यह संगठन देश के 323 ज़िलों की लगभग 52,000 बस्तियों और गाँवों में 20,000 से अधिक परियोजनाएँ चला रहा है। इन परियोजनाओं में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं। आरएसएस का दृष्टिकोण हमेशा वनवासी समाज को उनकी पहचान के साथ राष्ट्रीय मुख्यधारा से जोड़ने और उनका आत्मगौरव बढ़ाने का रहा है।

आरएसएस को महात्मा गांधी जी के नाम पर भी अक्सर निशाना बनाया जाता है। हालांकि महात्मा गांधी और आरएसएस के बीच कुछ वैचारिक मतभेद अवश्य रहे, लेकिन कभी मनभेद या वैमनस्य का भाव नहीं रहा।। महात्मा गाँधी ने कई अवसरों पर संघ के अनुशासन और राष्ट्र सेवा की प्रशंसा की है। वर्ष 1934 में गांधीजी ने वर्धा में आरएसएस के एक शिविर का दौरा भी किया था जहां उन्होंने संघ के 卐अनुशासन, अस्पृश्यता के पूर्ण अभाव और उच्च सादगी卐 की सराहना की थी। विभाजन की त्रासदी के दौरान, 16 सितंबर 1947 को, गांधीजी ने दिल्ली में आरएसएस की एक सभा को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने संघ की सेवा एवं बलिदान की भावना की प्रशंसा की थी। 30 जनवरी 1948 को गांधीजी की हत्या के बाद, आरएसएस ने श्रद्धांजलि स्वरूप अपनी सभी शाखाएँ 13 दिनों के लिए स्थगित कर दीं थी। ऐसा संघ के इतिहास में सिर्फ एक बार हुआ है। यह बातें दोनों की ओर से एक दूसरे के प्रति पारस्परिक सम्मान होने की गवाही देती हैं।

इस प्रकार, आरएसएस ने विचारों की विविधता का हमेशा सम्मान किया है। यह बात संघ के देशव्यापी और खासकर पूर्वोत्तर भारत में किए जा रहे कार्यों से भी प्रदर्शित होती है। उपनिवेशवाद के दौरान हुए कुशासन और आजादी के बाद नीतिगत उपेक्षा के कारण पूर्वोत्तर भारत और वहाँ के लोग अलगाववाद और उग्रवाद से जूझते रहे। लेकिन आरएसएस ने 1946 में गुवाहाटी में पहली शाखा स्थापित की और तब से इस क्षेत्र को राष्ट्रीय धारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बहुत सी चुनौतियों के बीच, यहाँ संघ ने विद्यालयों, स्वास्थ्य शिविरों, आपदा राहत कार्यों और सामुदायिक निर्माण जैसे कार्यों के ज़रिए सामाजिक पूंजी को बढ़ाया है और लोगों के बीच विश्वास कायम किया है। आज जब आरएसएस एक सदी की सफल यात्रा पूर्ण कर रहा है, यह बात कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि राष्ट्र निर्माण में उसका योगदान अप्रतिम और अतुलनीय है। कोविड-19 महामारी के दौरान भी संघ और उसके स्वयंसेवकों ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उदाहरण के लिए मई 2021 में लगभग 300 स्वयंसेवकों ने कोलार में लंबे समय से बंद पड़े एक अस्पताल को मात्र दो सप्ताह में फिर से शुरू किया जिससे अनेकों लोगों को अत्यंत आवश्यक राहत मिली।

विचार मंथन

बिहार की मतदाता सूची में 69 लाख नाम कटे, चुनाव आयोग की फजीहत शुरू

(विचार-मंथन) (लेखक- सनत जैन / ईएमएस)

केंद्रीय चुनाव आयोग ने बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया है। इसमें 69 लाख मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। इसके पहले एसआईआर का जो मसौदा केंद्रीय चुनाव आयोग ने प्रस्तुत किया था, उसमें 65 लाख, 64 हजार नाम काटे गए थे, जिसको लेकर काफी बवाल हुआ। लोग सुप्रीम कोर्ट तक गए, सुप्रीम कोर्ट में कई बार सुनवाई हुई। सुनवाई मे आधार कार्ड को दस्तावेज के रूप में मान्यता देने तथा जिस तरह से एसआईआर की जा रही थी, उसकी विसंगतियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। यह मामला अभी भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। ऐसा लगता है, केंद्रीय चुनाव आयोग ने पिछले तीन-चार महीने में सुप्रीम कोर्ट मे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा सप्रमाण जो गड़बड़ियों को उजागर किया, जो आरोप लगाए गए थे उनसे कोई सबक नहीं लिया। जिस तरह से जिंदा लोगों के नाम मृत बताकर मतदाता सूची से काट दिए गए। बिहार के विभिन्न विधान सभा क्षेत्र से चुन-चुनकर अल्पसंख्यक मतदाताओं के नाम थोक के भाव में काटे गए हैं। भाजपा विधायकों और संगठन द्वारा की गई अनुशंसा के अनुसार नाम काटने का काम किया गया है। उसको लेकर अब चुनाव आयोग की आलोचना हर तरह से हो रही है। जैसे ही मतदाता सूची का प्रकाशन हुआ, उसके बाद से राजनीतिक दल, पत्रकार तथा स्वयंसेवी संगठनों द्वारा मतदाता सूची के पोस्टमार्टम का काम शुरू कर दिया गया है। उसमें कौन-कौन सी विसंगतियां हैं, इसको निकलना शुरू कर दिया है। कैसे हर जिले में 50 से कम उम्र वाले लोगों की मौतें हुई हैं। कोरोना की महामारी के समय से कई गुना ज्यादा मौतें इस मतदाता सूची में हो गई है। बिहार में अभी कोई महामारी भी नहीं फैली है, इसके बाद भी 50 साल से कम उम्र के लाखों लोगों की मृत्यु हो जाने को लेकर तरह-तरह के सवाल उठने लगे हैं। एसआईआर के पहले लोकसभा चुनाव के समय बिहार की मतदाता सूची में 7।89 करोड़ मतदाता पंजीकृत थे। जो अब घटकर 7।42 करोड़ रह गए हैं। जब चुनाव आयोग से इस तरह की घोषणा होती थी। तब यह परंपरा रही है, केंद्रीय चुनाव आयोग के आयुक्त पत्रकार वार्ता में सारी जानकारी देते थे। पत्रकारों के सवालों के जवाब भी देते थे। इस बार ऐसा कुछ नहीं हुआ। पिछले 4 महीने से एसआईआर का यह मामला देशभर मे तूल पकड़ रहा है। चुनाव आयोग ने इसे सभी राज्यों में कराने की घोषणा की है। बिहार में जिस तरह से एसआईआर की जा रही है, उसको लेकर तरह-तरह की आलोचना हो रही है। विधानसभाओँ में एसआईआर के विरोध में प्रस्ताव पारित किए जा रहे हैं। इससे देश की संघीय व्यवस्था को लेकर चिंता व्यक्त की जाने लगी है। उसके बाद भी केंद्रीय चुनाव आयोग ने कोई सतर्कता नहीं बरती। जिस मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया है। उसके बाद से चुनाव आयोग की आलोचना बड़े पैमाने पर हो रही है। लोग तथ्यों के साथ त्रुटियां बता रहे हैं। चुनाव आयोग किसी भी तरह की आपत्तियां और शिकायतों को गंभीरता से लेता ही नहीं है। ऐसा लगता है, उसकी जवाबदेही संवैधानिक संस्था और निष्पक्ष चुनाव कराने के स्थान पर मनमानी करने की है। सुप्रीम कोर्ट, राजनीतिक दलों, पत्रकारों और चुनाव से जुड़े हुए स्वयंसेवी संगठनों द्वारा जिस तरह से चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली को समय-समय पर कठघरे में खड़ा किया गया है, उसका जवाब चुनाव आयोग ने कभी दिया ही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने भी आधार की मान्यता को लेकर जब चौथी बार लिखित में आदेश दिया, उसके बाद चुनाव आयोग ने माना। अब जो मतदाता सूची सामने आई है उसको देखते हुए यह लगता है, केंद्रीय चुनाव आयोग को ना तो सुप्रीम कोर्ट की चिंता है, नाही देश भर में जो आलोचना हो रही हैं, उसकी चिंता है। चुनाव आयोग को अपनी निष्पक्षता और अपने संवैधानिक अधिकारों को लेकर भी जिम्मेदारी का एहसास शायद नहीं है। निश्चित रूप से चुनाव आयोग को कोई ना कोई ऐसा वरदान

मिला हुआ है, जिसके कारण वह किसी की भी परवाह नहीं कर रहा हैं। बांग्लादेश में शेख हसीना के समय जो चुनाव हुए थे। तब इसी तरह की स्थितियां देखने को मिली थीं। चुनाव जीतने के बाद उनका क्या हश्र हुआ। यह सभी जानते हैं। कुछ इसी तरह की गलती भारतीय चुनाव आयोग भी करता हुआ दिख रहा है। आगे क्या होगा भगवान ही मालिक है।

रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में नहीं किया कोई बदलाव, 5.5 फीसदी पर बरकरार

- उपभोक्ताओं को और सस्ते कर्ज के लिए अभी आगे इंतजार करना होगा

नई दिल्ली ।
रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है और इसे 5.5 फीसदी पर बरकरार रखा है। तीन दिन तक चली मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) की बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने यह जानकारी दी। पिछली एमपीसी बैठक में भी ब्याज दरों को यथावत रखा गया था। एमपीसी ने मौद्रिक नीति की के रुख को भी 'तटस्थ' बनाए रखने का फैसला किया। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि जीएसटी तर्कसंगतीकरण का महंगाई पर संयमित असर रहेगा और यह खपत और विकास को बढ़ावा देगा। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि कुल मिलाकर महंगाई का परिदृश्य अधिक अनुकूल हो गया है और खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेजी से गिरावट आई है. इस वजह से ही केंद्रीय बैंक ने इस वर्ष के लिए औसत हेडलाइन महंगाई दर अनुमान को 3.1 फीसदी से घटाकर 2.6 फीसदी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पहले से लागू की गई नीतिगत कार्रवाईयों के प्रभाव दिखाई देने लगे हैं। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 6.8 फीसदी कर दिया है। भारतीय रिज़र्व बैंक ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक में महंगाई के नए अनुमान जारी किए हैं। ताजा अनुमान के अनुसार, पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में औसत खुदरा महंगाई दर घटकर 2.6 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि पहले इसे 3.1 फीसदी आंका गया था। आरबीआई का कहना है कि हाल के महीनों में खाद्य पदार्थों की कीमतों में आई तेज गिरावट ने महंगाई को काबू में करने में बड़ी भूमिका निभाई है।

2025 की पहली छमाही में रिटेल लीजिंग का 60 प्रतिशत हिस्सा फैशन और अपैरल ब्रांड के रहा नाम - रिपोर्ट

नई दिल्ली। इस वर्ष की पहली छमाही में डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर (डीटूसी) ब्रांड्स द्वारा रिटेल लीजिंग में फैशन और अपैरल ब्रांड्स की लगभग 60 प्रतिशत हिस्सेदारी दर्ज की गई है। यह जानकारी बुधवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई। इसके बाद 12 प्रतिशत के साथ होमवेयर और फर्निशिंग, 12 प्रतिशत के साथ ज्वेलरी और 6 प्रतिशत के साथ हेल्थ और पर्सनल केयर की हिस्सेदारी रही। 2020 और 2022 के बीच कई डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स ने बढ़त दर्ज की, जो मुख्य रूप से कोरोना के दौरान ऑनलाइन शॉपिंग में बढ़ोतरी के कारण थी। वे अब ओमनीचैनल हो रहे हैं। सीबीआरई की लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार,इन न्यू-एज ब्रांड द्वारा रिटेल लीजिंग का हिस्सा 2024 की पहली छमाही में 8 प्रतिशत था, जो कि इस वर्ष की पहली छमाही में बढ़कर 18 प्रतिशत हो गया है। यह बढ़त न्यू-एज ब्रांड्स के पॉप-अप, फ्लैगशिप आउटलेट्स और फ्रैंचाइज स्टोर का अधिक इस्तेमाल करने के साथ देखा गया है। सीबीआरई के इंडिया, साउथ-ईस्ट एशिया, मिडल ईस्ट अफ्रिका के चेयरमैन और सीईओ अंशुमन मैगजीन ने कहा, ऑनलाइन शॉपिंग बढ़ने के बावजूद भी फिजिकल खरीदारी लेनदेन का अधिकांश हिस्सा है, जिससे ओमनीचैनल ग्रोथ महत्वपूर्ण हो जाती है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि पहले केवल मॉल की तुलना में, डीटूसी ब्रांड अपने आउटलेट्स के लोकेशन को भी डावर्सिफाई कर रहे हैं। 2025 की पहली छमाही में इन ब्रांड का कुल लीजिंग का 46 प्रतिशत हिस्सा हाई स्ट्रीट पर था। रिपोर्ट में कहा गया, इसके बाद मॉल में 40 प्रतिशत और स्टैंडअलोन आउटलेट्स में 14 प्रतिशत हिस्सा था। जनवरी से जून के बीच सभी प्रमुख शहरों में दिल्ली-एनसीआर में रिटेल लीजिंग का सबसे अधिक 26 प्रतिशत हिस्सा था। इसके बाद बेंगलुरु में 22 प्रतिशत और हैदराबाद में 18 प्रतिशत था। सीबीआरई इंडिया के लीजिंग सर्विसेज मैनेजिंग डायरेक्टर राम चंदनानी ने कहा कि ऑफलाइन मौजूदगी ब्रांड को पारंपरिक ग्राहकों तक पहुंचने और निचले स्तर के शहरों में अपनी पहुंच बढ़ाने में मदद करती है।

भारत में तेजी से बढ़ रही अरबपतियों की संख्या, 2025 में हर हफ्ते मिला नया बिलेनियर - हुरुन रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में अरबपति लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और इस साल अब तक हर हफ्ते एक नया बिलेनियर देश को मिला है। यह जानकारी बुधवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। एम3एम हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 के मुताबिक, भारत में अब 350 अरबपति हैं, जो 13 साल पहले जब यह सूची पहली बार जारी की गई थी, तब की तुलना में छह गुना अधिक है। हुरुन लिस्ट के 14वें संस्करण में 1,687 ऐसे कारोबारियों के नाम शामिल हैं जिनकी संपत्ति 1,000 करोड़ रुपए से अधिक है। इस लिस्ट में 284 नए लोगों को शामिल किया गया है, जिससे पिछले साल के मुकाबले इस सूची में मौजूद कारोबारियों की संख्या में 148 का इजाफा हुआ है। वहीं, बीते पांच वर्षों में यह संख्या 859 बढ़ी है। रिपोर्ट में बताया गया कि इस सूची में शामिल लोगों की संयुक्त संपत्ति बढ़कर 167 लाख करोड़ रुपए हो गई है, जो कि पिछले साल के मुकाबले 5 प्रतिशत अधिक है। यह आंकड़ा स्पेन की जीडीपी से अधिक और भारत की जीडीपी के बराबर है। रिपोर्ट में बताया गया कि वैश्विक उतार-चढ़ाव और तनाव के कारण लिस्ट में शामिल लोगों की औसत संपत्ति गिरकर 9,850 करोड़ रुपए रह गई है, जो कि पिछले साल 10,320 करोड़ रुपए थी। भारत के शीर्ष 10 सबसे अमीर लोग और भी अधिक अमीर और युवा होते जा रहे हैं। शीर्ष 10 अमीरों की सूची में प्रवेश के लिए सीमा पिछले साल के 1.63 लाख करोड़ रुपए की तुलना में बढ़कर 1.83 लाख करोड़ रुपए हो गई है, जबकि उनकी औसत आयु घटकर 69 वर्ष हो गई है, जो पहले से तीन साल कम है। स्टार्टअप वेल्थ क्रिएशन में अहम भूमिका निभा रहे हैं और 2025 में कुल 97 स्टार्टअप फाउंडर्स ने इस लिस्ट में जगह बनाई है। लिस्ट में शामिल अरबपतियों में से 137 फार्मा सेक्टर से, 132 इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स से और 125 केमिकल एवं पेट्रोकेमिकल्स से हैं।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की सितंबर बिक्री में 16 प्रतिशत का शानदार उछाल, जीएसटी रेट कट का दिखा प्रभाव

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि सितंबर में कंपनी की बिक्री में उछाल दर्ज किया गया है। कंपनी ने कुल 31,091 यूनिट की बिक्री की, जो कि पिछले वर्ष के इसी महीने की 26,847 यूनिट की तुलना में 16 प्रतिशत की वृद्धि है। कार निर्माता कंपनी ने कहा कि इनमें से 27,089 यूनिट घरेलू बाजार में और 4,002 यूनिट को निर्यात किया गया। चालू वित्त वर्ष के पहले 6 महीनों में कंपनी की कुल बिक्री 1,84,959 यूनिट रही, जो वित्त वर्ष 2024 की समान अवधि में 1,62,623 यूनिट की तुलना में 14 प्रतिशत की वृद्धि है। टीकेएम में सेल्स, सर्विस और यूज्ड कार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट वरिंदर वाधवा ने कंपनी के प्रदर्शन को लेकर कहा कि जीएसटी सुधार और फेस्टिव सीजन ने ग्राहकों का भरोसा बढ़ाने में मदद की। वाधवा ने कहा, जीएसटी सुधार और फेस्टिव सीजन की वजह से मार्केट सेंटीमेंट बेहतर बना हुआ है। उन्होंने कहा, हमने जीएसटी के फायदों को ग्राहकों को दिया है, जिसने हमारे पोर्टफोलियो में मांग को बढ़ावा दिया है।

1 अक्टूबर से महंगा हुआ कमर्शियल गैस सिलेंडर और एटीएफ

नई दिल्ली । तेल विपणन कंपनियों ने 1 अक्टूबर से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में बढ़ोतरी की है। हालांकि, घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिससे आम उपभोक्ताओं को राहत मिली है। नई दरों के अनुसार दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब 1,595.50 रुपए हो गई है, जो पहले 1,580 रुपए थी। यानी 15.50 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। अन्य महानगरों में भी दाम बढ़े हैं। कोलकाता में यह 1,700.50, मुंबई में 1,547 और चेन्नई में 1,754.50 रुपए हो गया है। वहीं एविएशन टरबाइन फ्यूल की कीमतों में भी तेज उछाल देखा गया है। दिल्ली में अब एटीएफ 93,766.02 रुपए प्रति किलोलीटर मिल रहा है, जबकि पहले यह 90,713.52 रुपए था। कोलकाता में यह 96,816.58, मुंबई में 87,714.39 और चेन्नई में 97,302.14 रुपए प्रति किलोलीटर हो गया है। तेल कंपनियां हर महीने अंतरराष्ट्रीय बाजार और कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर ईंधन की दरों की समीक्षा करती हैं। इस बार की समीक्षा में जहां कमर्शियल उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ा है, वहीं घरेलू उपयोगकर्ताओं को राहत दी गई है, जिससे त्योहारों के मौसम में महंगाई का असर सीमित रहेगा।

आरबीआई एमपीसी का असर, शेयर बाजार लगातार आठ दिनों की गिरावट के बाद हरे निशान में बंद

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में बड़ी तेजी के साथ बंद हुआ। आरबीआई एमपीसी के फैसलों के ऐलान के बाद सभी सूचकांकों में खरीदारी देखी गई।

कारोबार के अंत में सेंसेक्स 715.69 अंक या 0.89 प्रतिशत की तेजी के साथ 80,983.31 और निफ्टी 225.20 अंक या 0.92 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,836.30 पर बंद हुआ।

बैंकिंग शेयरों ने बाजार का नेतृत्व किया। निफ्टी बैंक 712.10 अंक या 1.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 55,347.95 पर बंद हुआ। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस (1.38 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (1.30 प्रतिशत), निफ्टी एफएमसीजी (0.72 प्रतिशत), निफ्टी ऑटो (0.85 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (0.74 प्रतिशत) और निफ्टी मेटल (0.55 प्रतिशत) की तेजी के साथ बंद हुआ। केवल निफ्टी पीएसयू बैंक (0.37 प्रतिशत) की गिरावट के साथ बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में टाटा मोटर्स, कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, सन फार्मा, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एमएंडएम, टेक महिंद्रा, इटरनल (जोमैटो), टाइटन, एचयूएल और बीईएल टॉप गेनर्स थे। बजाज फाइनेंस, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल और मारुति सुजुकी टॉप लूजर्स थे। एसबीआई सिक्योरिटीज की ओर से कहा गया कि आरबीआई ने अक्टूबर की मौद्रिक नीति में ब्याज को स्थिर रखा है, लेकिन दिसंबर की पॉलिसी में ब्याज दरों में कटौती की संभावना ने सेंटीमेंट को बूस्ट किया है। इस कारण से निजी क्षेत्र के बैंकों में मजबूत खरीदारी देखने को मिली। हालांकि, पीएसयू बैंकिंग शेयर में मुनाफावसूली हुई।

केंद्रीय बैंक ने रेपो रेटो को 5.50 प्रतिशत पर स्थिर रखा है। साथ ही, मौद्रिक नीति के रुख को न्यूट्रल रखा है।

रेपो रेट के अलावा, केंद्रीय बैंक ने स्टैंडिग डिपॉजिट फैसिलिटी (एसडीएफ) 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा है, जबकि मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (एमएसएफ) को 5.75 प्रतिशत पर स्थिर रखा है।

भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई थी। सुबह 9ः23 पर सेंसेक्स 51 अंक या 0.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 80,319 और निफ्टी 23 अंक या 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,635 पर था।

कैबिनेट ने दालों में आत्मनिर्भरता के लिए 11,440 करोड़ रुपए के प्लान को दी मंजूरी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 11,440 करोड़ रुपए के वित्तीय परिव्यय के साथ दालों में आत्मनिर्भरता मिशन को मंजूरी दे दी।

घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और दालों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के उद्देश्य से इस ऐतिहासिक पहल को 2025-26 से 2030-31 तक छह वर्षों की अवधि में क्रियान्वित किया जाएगा।

सरकार के आधिकारिक बयान के अनुसार, दलहन मिशन के तहत अगले 4 वर्षों के दौरान लगभग 2 करोड़ किसानों को बेहतर बीजों की आपूर्ति की जाएगी और कटाई के बाद फसल के प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे तैयार किया जाएगा। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उत्पादकों से तुअर, उड़द और मसूर दालों की 100 प्रतिशत खरीद सुनिश्चित की जाएगी।

भारत की फसल प्रणालियों और आहार में दालों का विशेष महत्व है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दाल उत्पादक और उपभोक्ता देश है। बढ़ती आय और जीवन स्तर के साथ, दालों की खपत में भी वृद्धि हुई है। हालांकि, घरेलू उत्पादन मांग के अनुरूप नहीं रहा है, जिसके कारण दालों के आयात में 15-20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

उन्नत किस्मों को व्यापक रूप से उपलब्ध कराने के लिए, दलहन उत्पादक किसानों को 126 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित किए जाएंगे, जो 2030-31 तक 370 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करेंगे।

इस मिशन का उद्देश्य चावल की फसल केंद्रित भूमि और अन्य विविधीकरण योग्य भूमि

को लक्षित करके दलहनों के क्षेत्रफल को 35 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाना है, जिसमें अंतर-फसलीय खेती और फसल विविधीकरण को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए किसानों को 88 लाख बीज किट निःशुल्क वितरित की जाएंगी। इस मिशन से 2030-31 तक दलहनों का क्षेत्रफल 310 लाख हेक्टेयर तक बढ़ने, उत्पादन 350 लाख टन तक बढ़ने और उपज 1130 किलोग्राम/हेक्टेयर तक पहुचने की उम्मीद है। उत्पादकता में वृद्धि के साथ-साथ, इस मिशन से रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर भी पैदा होंगे।

भारत के जॉब मार्केट में सितंबर में हुई 10 प्रतिशत की वृद्धि : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत के जॉब मार्केट में सितंबर में सालाना आधार पर दोहरे अंक में वृद्धि हुई है, जिसमें फ्रेशर्स के साथ अनुभवी पेशेवरों की भर्तियां शामिल हैं। यह जानकारी बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। जॉब पोर्टल नौकरी की रिपोर्ट से पता चला है कि फ्रेशर्स की भर्ती में सालाना आधार पर 15 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जबकि 16 वर्ष से अधिक अनुभव वाले पेशेवरों की मांग सालाना आधार पर 13 प्रतिशत से अधिक बढ़ी है। महानगरों में भर्तियों को मुख्य रूप से हैदराबाद ने लीड किया, जहां सालाना आधार पर 15 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई, इसके बाद पुणे का स्थान रहा, जहां 13 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई। सितंबर के महीने में भर्तियों में नॉन-आईटी सेक्टर का बोलवाला रहा। इंश्योरेंस 28 प्रतिशत, रियल एस्टेट 26 प्रतिशत, बीपीओ/आईटीईएस 24 प्रतिशत, एजुकेशन 22 प्रतिशत, हॉस्पिटैलिटी 19 प्रतिशत की वृद्धि के साथ शीर्ष पर थे। आईटी सेक्टर एक प्रतिशत की वृद्धि के साथ स्थिर था। नौकरी के मुख्य व्यवसाय अधिकारी डॉ. पवन गोयल ने कहा, सितंबर में 10 प्रतिशत की वृद्धि वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के लिए एक ठोस उपलब्धि है, और इस तिमाही के दौरान व्हाइट-कॉलर नियुक्तियों में कुल मिलाकर 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इंश्योरेंस और हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों ने पिछली तीन तिमाहियों में अपनी गति बनाए रखी है।

नई काइलक ने बिक्री में बड़ी उपलब्धि हासिल की

नईदिल्ली ।

कार निर्माता कंपनी स्कोडा की नई काइलक ने बिक्री में बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है।

इस कार ने अपने सभी मॉडल को पीछे छोड़ते हुए बिक्री के मामले में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। साल 2024 के अंत में लॉन्च होने के बाद से काइलक की 30,000 यूनिट बेची गईं, जबकि जनवरी 2025 से अगस्त 2025 के बीच कुल 46,000 कारों की बिक्री दर्ज की गई। इस दौरान काइलक का मार्केट शेयर 65 प्रतिशत रहा। जीएसटी 2.0 के लागू होने के बाद काइलक 1,19,295 रुपए सस्ती हो गई और इसकी कीमत घटकर 7,54,651 रुपए रह गई। काइलक को स्कोडा के लिए बिक्री बढ़ाने वाला वाहन माना जा रहा है। यह 10 लाख रुपए से कम कीमत वाले सेगमेंट में कंपनी की वापसी का प्रतीक भी है। पिछले दशक में फेबिया के बंद होने के बाद स्कोडा की उपस्थिति इस सेगमेंट में नहीं थी। स्कोडा काइलक के लिए सीएनजी ऑपरेटेड मॉडल पर भी विचार कर रही है और टियर-2 तथा टियर-3 शहरों में इसके विस्तार की संभावनाएं देख रही है। काइलक के विभिन्न ट्रिम विकल्प ग्राहकों की जरूरतों के हिसाब से पेश किए गए हैं। क्लासिक ट्रिम में 16-इंच स्टील व्हील, 6 एयरबैग, ट्रैक्शन कंट्रोल और मैनुअल एसी जैसी सुविधाएं मिलती हैं। सिग्नेचर ट्रिम में एलॉय व्हील, 5-इंच टचस्क्रीन और यूएसबी टाइप-सी स्लॉट शामिल हैं। सिग्नेचर+ और प्रेस्टीज ट्रिम में

10-इंच टचस्क्रीन, ऑटो एसी, पावर्ड सनरूफ, वेंटिलेटिड सीटें और लेदर अपहोल्स्ट्री जैसी प्रीमियम सुविधाएं दी गई हैं। 7.89 लाख रुपए की शुरुआती कीमत पर लॉन्च हुई इस कार का मुकाबला मारुति ब्रेजा, टाटा नेक्सन, हुंडई वेन्यू, महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सह और किआ सोनेट जैसी कारों से है।

केंद्रीय कर्मचारियों को सरकार ने दिया दिवाली का तोहफा, 3 प्रतिशत बढ़ा डीए

नई दिल्ली।
नए महीने की शुरुआत के साथ ही फेस्टिव सीजन में केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों और पेंशनधारकों को दिवाली का तोहफा दे दिया है। कैबिनेट की बैठक में लिए फैसले के तहत केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनधारकों के लिए महंगाई भत्ता बढ़ा दिया गया है। महंगाई भत्ते को लेकर 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी की घोषणा की गई है, जिसके बाद महगांई भत्ता कर्मचारियों की बेसिक सैलरी का 58 प्रतिशत हो गया है। केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनधारकों के लिए यह बढ़ा हुए डीए इस वर्ष के 1 जुलाई से प्रभावी होगा। केंद्र सरकार के इस फैसले से करीब 48 लाख कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनभोगियों को लाभ मिलेगा। अमूमन सरकार की ओर से महंगाई भत्ते को लेकर बढ़ोतरी का एलान फेस्टिव सीजन के दौरान ही होता है। केंद्र की ओर से सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को महंगाई से राहत देने के लिए महंगाई भत्ता और महंगाई राहत दी जाती है। केंद्रीय कैबिनेट की ओर से इससे पहले इस वर्ष की शुरुआत 1 जनवरी 2025 को महंगाई भत्ते और महंगाई राहत (डीआर) में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी। इस बढ़ोतरी का करीब 1.15 करोड़ केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगी को फायदा मिला था। सरकार द्वारा इस बढ़ोतरी के बाद महंगाई भत्ता बैसिक सैलरी के 55 प्रतिशत हो गया था। यह बढ़ोतरी 7वें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों पर तय फॉर्मूले के तहत की गई थी। डीए 58 प्रतिशत होने के बाद केंद्रीय कर्मचारियों को भत्ते के तौर पर कितने रुपए मिलेंगे इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है। मान लीजिए किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी 50 हजार रुपए है तो उन्हें महंगाई भत्ते के रूप में अभी तक 27,500 रुपए मिलते होंगे।

नए रंग और डिज़ाइन के साथ सुज़ुकी वी-स्ट्रॉम एसएक्स लांच

नई दिल्ली ।

अपनी लोकप्रिय एडवेंचर टूरर बाइक वी-स्ट्रॉम एसएक्स को सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया ने नए रंग और डिज़ाइन के साथ लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इस मौके पर दिल्ली से लद्दाख तक अपनी पहली ग्राहक यात्रा, वी-स्ट्रॉम एक्सपेडिशन, की शुरुआत की है, जो 26 सितंबर से 5 अक्टूबर 2025 तक चलेगी। यात्रा के दौरान विशेषज्ञ उच्च-उंचाई पर राइडिंग, बाधा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा और एडवेंचर फोटोग्राफी पर प्रशिक्षण सत्र देंगे। यह 10 दिवसीय एडवेंचर राइडिंग यात्रा बाइक की क्षमता को चुनौती देने के साथ-साथ राइडर्स को ऊंचे पहाड़ी दर्रों, घुमावदार रास्तों और कठिन भूभागों से गुजरने का रोमांच देगी।

शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए राइडर्स की सहभागिता और एडवेंचर भावना को बढ़ावा दिया जाएगा। सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया के उपाध्यक्ष (सेल्स और मार्केटिंग) दीपक मुतरेजा ने कहा कि वी-स्ट्रॉम एसएक्स का नया रूप ग्राहकों को अधिक विकल्प देता है और बाइक की भरोसेमंद परफॉर्मेंस बरकरार रहती है। उन्होंने कहा कि यह पहलावी-स्ट्रॉम एक्सपीडिशन एडवेंचर राइडिंग समुदाय को सशक्त करेगा और भविष्य में और

भी अनुभव प्रदान करने का प्रयास रहेगा। डिज़ाइन में डीआर-झेड डेजर्ट रेसर और डीआर-बीआईजी से प्रेरणा मिलती है, जो बाइक के एडवेंचर स्टाइल और बीक डिज़ाइन को दर्शाता है।

नई वी-स्ट्रॉम एसएक्स की कीमत रुपए 1,98,018 (एक्स-शोरूम, दिल्ली) तय की गई है और यह देशभर के सुजुकी डीलरशिप पर उपलब्ध है। कंपनी ने लॉन्च पर ग्राहकों को एक्सचेंज ऑफर, बढ़ी हुई वारंटी, इंश्योरेंस लाभ और 100 प्रतिशत लोन जैसी सुविधाएं भी प्रदान की हैं। वी-स्ट्रॉम एसएक्स 249 सीसी के सिंगल सिलेंडर, 4-स्ट्रोक, ऑयल-कूल्ड एसओएचसी इंजन से लैस है, जो 9,300 आरपीएम पर 26.5 बीएचपी और 7,300 आरपीएम पर 22.2 एनएम टॉर्क देता है। इसमें सुजुकी ईको परफॉर्मेंस टेक्नोलॉजी और सुजुकी ऑयल कूलिंग सिस्टम का उपयोग किया गया है।

कैबिनेट ने कलियाबोर-नुमालीगढ़ सेक्शन को 4-लेन में बदलने के लिए 6,957 करोड़ रुपए की योजना को दी मंजूरी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने बुधवार को असम में एनएच-715 के कलियाबोर-नुमालीगढ़ सेक्शन के मौजूदा सड़क मार्ग को चार लेन में चौड़ा करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसमें काजीरंगा नेशनल पार्क (केएनपी) क्षेत्र में वन्यजीवों के अनुकूल उपायों को लागू करना भी शामिल है।

कैबिनेट के बयान के अनुसार, 85.675 किलोमीटर लंबी इस परियोजना को 6,957 करोड़ रुपए की लागत से इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) मोड में डेवलप किया जाएगा। इस परियोजना से लगभग 15.42 लाख व्यक्ति/प्रतिदिन का प्रत्यक्ष और 19.19 लाखव्यक्ति/प्रतिदिन का अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होगा। साथ ही, इससे आस-पास के क्षेत्रों में विकास और समृद्धि के नए अवसर खुलेंगे।

एनएच-715 का मौजूदा कलियाबोर-नुमालीगढ़ सेक्शन दो लेन का है, जिसमें कुछ जगहों पर पक्के किनारे हैं। यह जाखलाबंधा (नागांव) और बोकाखात (गोलगाट) शहरों के घने बसे इलाकों से होकर गुजरता है।

मौजूदा राजमार्ग का एक बड़ा हिस्सा काजीरंगा नेशनल पार्क से या पार्क की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ गुजरता है, जिसका रिस्ट्रिक्टेड राइट-ऑफ-वे 16 से 32 मीटर का है, जो खराब सड़क की स्थिति के कारण और बेकार हो जाता है।

मानसून के दौरान पार्क के अंदर का क्षेत्र बाढ़ में डूब जाता है, जिससे वन्यजीव मौजूदा राजमार्ग को पार कर कार्बी-आंगलोंग पहाड़ियों की ओर जाते हैं। राजमार्ग पर दिन-रात भारी यातायात के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं और जंगली जानवरों की मौत हो जाती है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए इस परियोजना में वन्यजीवों के आवागमन के लिए काजीरंगा नेशनल पार्क से कार्बी-अंगलोंग पहाड़ियों तक लगभग 34.5 किलोमीटर का एक ऊंचा मार्ग बनाया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

अहमदाबाद (एजेंसी)। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम गुरुवार से यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में बुलंद हौसले से उतरेगी। भारतीय टीम ने जहां रविवार को एशिया कप जीता है। वहीं वेस्टइंडीज को नेपाल के खिलाफ टी20 सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। जिससे अंदाजा होता है कि वह कितनी कमजोर हो गयी है। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य वेस्टइंडीज पर बड़ी जीत दर्ज करना रहेगा। ये सीरीज जीतकर भारतीय टीम के पास विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के लिए अंक हासिल करने का अच्छा अवसर है। इससे पहले भारतीय टीम ने इंग्लैंड दौरे पर पर भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराने के सफलता हासिल की थी। भारतीय टीम को इस सीरीज में घरेलू हालातों का भी लाभ मिलेगा। दूसरी ओर, वेस्टइंडीज 2025-27 डब्ल्यूटीसी चक्र में तीन टेस्ट हार चुकी है और बेहद खराब दौर से गुजर रही है। उसके तेज गेंदबाज शमार जोसेफ और अलजारी जोसेफ चोट के कारण बाहर हैं, जिससे गेंदबाजी की कमजोर हुई है। ऐसे में टीम में शामिल बाएं हाथ के दो स्पिनरों जोमेल वारिकन और तेज गेंदबाज जेडेन सील्स पर बड़ी जिम्मेदारी होगी।

वहीं इस सीरीज के लिए भारतीय टीम में कई बदलावों के साथ उतरेगी। अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, और युवा बल्लेबाज बी साई सुदर्शन टीम में शामिल रहेंगे। स्पिन की कमान अनुभवी रविंद्र जडेजा और कुलदीप यादव के पास रहेगी। इसके अलावा वॉशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल को भी अवसर मिल सकता है।

आंकडों पर नजर डालें तो साल 2002 के बाद से भारतीय टीम कोई मैच नहीं हारी है। इस दौरान हुई कुल 8 सीरीज हुई जो सभी भारतीय टीम ने जीतीं।

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, एन जगदीशन, देवदत्त पडिक्कल, बी साई सुदर्शन, रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा

वेस्टइंडीज: रोस्टन चेस (कप्तान), केवलॉन एंडरसन, एलिक अथानाजे, जॉन कैंपबेल, तेजनारायण चंद्रपॉल, शाई होप, टेविन इमलाच, ब्रेंडन किंग, जस्टिन ग्रीव्स, जोहान लेन, खारी पियरे, जोमेल वारिकन, जेडेन सील्स, एंडरसन फिलिप, जेडिया ब्लेड्स।

जूनियर निशानेबाजी विश्व कप: अंतिम दिन मुकेश ने स्वर्ण और तेजस्विनी ने रजत जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुकेश नेलावल्ली ने बुधवार को यहां ISSF जूनियर विश्व कप के अंतिम दिन पुरुषों की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि तेजस्विनी सिंह ने इसी स्पर्धा में महिला वर्ग में रजत पदक हासिल किया जिससे भारत पदक तालिका में शीर्ष पर रहा। जूनियर विश्व चैंपियन मुकेश ने गैर ओलंपिक स्पर्धा में कुल 585 का स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक जीता।

व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट (एआईएन) अलेक्सांद्र कोवालेव ने 577 अंक से रजत पदक जबकि साहिल चौधरी ने 573 अंक से भारत के लिए कांस्य पदक सुनिश्चित किया। भारत ओलंपिक स्पर्धाओं में छह स्वर्ण, आठ रजत और पांच कांस्य सहित 19 पदकों से तालिका में शीर्ष पर रहा। एआईएन निशानेबाज 10 पदकों (चार स्वर्ण, दो रजत, चार कांस्य) से दूसरे स्थान पर रहे जबकि इटली ने पांच पदकों (दो स्वर्ण, दो रजत, एक कांस्य) से तीसरा स्थान प्राप्त किया।

भारत ने गैर ओलंपिक स्पर्धा 50 मीटर राइफल प्रोन (पुरुष और महिला) और 25 मीटर पिस्टल पुरुष जूनियर व्यक्तिगत में दो स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक जीते। इस साल के शुरू में जूनियर विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली तेजस्विनी ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में 30 अंक बनाकर रजत पदक जीता। तटस्थ एथलीट एलेक्जेंड्रा तिखोनोवा ने 33 अंक से स्वर्ण पदक जीता जबकि इटली की एलेसांद्रा फेट ने 28 अंक से तीसरा स्थान हासिल किया। अन्य भारतीयों में नाम्या कपूर चौथे और रिया शिरीष थट्टे पांचवें स्थान पर रहीं।

अभिषेक शर्मा ने रचा इतिहास, एशिया कपमें रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के साथ सर्वकालिक सर्वोच्च रेटिंग पर पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में एक नया सितारा उभरकर सामने आया है। अभिषेक शर्मा, भारत के बाएँ हाथ के सलामी बल्लेबाज, ने बुधवार को टी20। बल्लेबाजी रैंकिंग में सर्वकालिक सर्वोच्च रेटिंग (931 अंक) हासिल कर इतिहास रच दिया। इस रिकॉर्ड ने पिछले पांच साल से कायम इंग्लैंड के डेविड मलान के 919 अंकों का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

एशिया कप में धमाकेदार प्रदर्शन

एशिया कप 2025 में अभिषेक का प्रदर्शन यादगार रहा। श्रीलंका के खिलाफ अहम मैच में उन्होंने अर्धशतक बनाकर भारत को जीत दिलाई। इस टूर्नामेंट में उन्होंने कुल 314 रन बनाए और औसत 44.85 रही। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट का पुरस्कार भी मिला।

टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव और अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहली की पिछली सर्वोच्च रेटिंग को भी अभिषेक ने पीछे छोड़ दिया। इस समय वह इंग्लैंड के फिल साल्ट से 82 अंक आगे हैं और बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर कायम हैं। टीम साथी तिलक वर्मा ने भी 213 रन बनाए, लेकिन शीर्ष स्थान पर अभिषेक की पकड़ शानदार रही।

युवा लेकिन अनुभवी अंदाज

हालांकि अभिषेक ने पिछले साल ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था, लेकिन उनका क्रिकेट बुद्धिमानी और साहस पहले ही मैचों में दिख गया। उनकी बैटिंग शैली में संयम, आक्रामकता और मैच के दबाव को संभालने की क्षमता साफ़ झलकती है।

टी20 क्रिकेट में भारतीय भविष्य

अभिषेक शर्मा का यह रिकॉर्ड यह साबित करता है कि भारत की नई पीढ़ी के बल्लेबाज विश्व मंच पर अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। उनका प्रदर्शन टीम इंडिया के लिए न केवल शानदार शुरुआत है, बल्कि टी20 क्रिकेट में भारतीय क्रिकेट की बढ़ती ताकत का भी प्रतीक है।

दिल्ली रणजी टीम की चयन बैठक में हंगामा, बैठक स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार शाम दिल्ली की रणजी ट्रॉफी और अंडर-23 टीमों के लिए हुई चयन बैठक बिना पूरा हुए हंगामे के बीच अचानक समाप्त हो गई, जिसमें DDCA के कोषाध्यक्ष हरीश सिंगला और निदेशक मंजीत सिंह व आनंद वर्मा ने इसकी प्रक्रिया का विरोध किया। इस बैठक में DDCA के सचिव अशोक शर्मा, संयुक्त सचिव अमित ग्रोवर, दिल्ली सीनियर चयन समिति के सदस्य यशपाल सिंह, केपी भास्कर और मनु नायर के साथ-साथ दिल्ली सीनियर टीम के मुख्य कोच शरनदीप सिंह और अंडर-13 मुख्य कोच शंकर सैनी मौजूद थे।

कोषाध्यक्ष और दोनों निदेशकों ने DDCA के लोकपाल द्वारा 2023 में दिए गए एक आदेश का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि चयन समिति की बैठक में DDCA से जुड़ा कोई भी अधिकारी नहीं शामिल हो सकता है। वहीं सचिव शर्मा का कहना है कि यह परंपरा है कि हर साल जब भी चयन समिति की बैठक होती है तो उसे सचिव ही बुलाता और संचालित करता है। बैठक स्थगित होने के बाद सचिव ने DDCA अध्यक्ष रोहन जेटली को एक पत्र भी लिखा है।

उन्होंने अपने ई-मेल पत्र में लिखा, 'हाल ही में हुई चयन प्रक्रिया ने DDCA चयन समिति के कामकाज को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा की हैं। स्थापित परंपराओं और बीसीसीआई के दिशानिर्देशों के विपरीत एपेक्स काउंसिल के सदस्यों ने अपनी भूमिका के दायरे से आगे बढ़कर कुछ ऐसा किया है, जिससे चयन समिति की स्वायत्तता और विश्वसनीयता कमज़ोर हुई है। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि चयन प्रक्रिया पर पुनर्विचार करें और यह सुनिश्चित करें कि यह BCCI द्वारा अपनाए गए नियमों और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का पालन करे।

हाल ही में हुई चयन समिति की बैठक में पिछली परंपराओं से हटकर काम हुआ। पहले सिर्फ़ सचिव और संयुक्त सचिव ही बैठक में उपस्थित रहते थे, लेकिन इस बार कुछ निदेशक भी बैठक में मौजूद थे। इससे पक्षपात और अनुचित प्रभाव की संभावना को लेकर चिंता बढ़ गई है। ख़ासतौर पर जब एक निदेशक की मौजूदगी इसलिए भी सवाल उठाती है क्योंकि उनके परिवार का एक सदस्य चयनित होने का उम्मीदवार है।'

वहीं निदेशक मंजीत ने इन आरोपों को ख़ारिज करते हुए कहा कि वे बैठक में सिर्फ़ इसलिए पहुंचे थे क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि बैठक में चयन समिति और कोचों के अलावा कोई पदाधिकारी भी इसमें शामिल हो, क्योंकि यह DDCA के नियमों के विरूद्ध है। उन्होंने कहा, 'बीसीसीआई और अन्य राज्यों का नियम अलग हो सकता है और वहां की चयन समिति की बैठकों में सचिव भाग भी लेते होंगे या उसे बुलाते होंगे। लेकिन DDCA के लोकपाल ने 2023 के आदेश में यह स्पष्ट कहा है कि चयन समिति की बैठक में कोचों और चयन समिति के सदस्यों के अलावा कोई भी भागीदार नहीं हो सकता है। अगर ऐसा हो रहा है तो इसका अर्थ यह है कि वह चयन प्रक्रिया को प्रभावित कर रहा है या करना चाहता है।'

एक क्रिकेटर के चयन के लिए परिवारवाद का आरोप लगने पर मंजीत ने कहा, 'यह चयन बैठक रणजी संभावितों के चयन के लिए थी, ना कि मुख्य टीम के लिए। अगर मुख्य टीम के लिए यह चयन बैठक होती और मैं उसमें हस्तक्षेप करता, तब इन आरोपों में कोई दम नहीं होता। हम तो उस बैठक में सिर्फ़ इसलिए पहुंचे थे ताकि DDCA के नियमों के अनुसार उस बैठक में चयन समिति के सदस्यों और कोचों के अलावा कोई भी हिस्सा ना ले।'

वहीं लोकपाल के 2023 के आदेश के सवाल पर सचिव अशोक ने कहा, 'यह आदेश सिर्फ़ तत्कालीन सचिव सिद्धार्थ साहिब सिंह के लिए थे क्योंकि उन पर उस समय हितों के टकराव, भ्रष्टाचार, अधिकारों के दुरुपयोग और चयन प्रक्रिया में अनुचित प्रभाव डालने के आरोप लगाए गए थे। यह अन्य आगे आने वाले सचिवों पर लागू नहीं होता है।'

उन्होंने इस संबंध में एक और पत्र अध्यक्ष जेटली को लिखा है, जिसमें उन्होंने अपना स्पष्टीकरण देते हुए कहा है कि वह ना तो कोई क्रिकेट एकेडमी चलाते हैं और ना उससे जुड़े हुए हैं। इसके अलावा ना ही उनका DDCA या बीसीसीआई के नियमों से कोई अन्य हितों का टकराव है। उन पर कोई अन्य शिकायत भी नहीं है, इसलिए उन पर वह अंतरिम आदेश लागू भी नहीं होता। रणजी ट्रॉफी 15 अक्तूबर से शुरू हो रही है।

चाइना ओपन : जैनिक सिनर का दबदबा कायम, दूसरी बार किया चाइना ओपन पर कब्जा

बीजिंग। इटली के जैनिक सिनर ने बुधवार को पुरुष एकल फाइनल में अमेरिकी युवा खिलाड़ी लर्नर टिएन को 6-2, 6-2 से हराकर दूसरी बार चाइना ओपन का खिताब अपने नाम किया। दुनिया के नंबर-2 और शीर्ष वरीयता प्राप्त सिनर ने सिर्फ 34 मिनट में पहला सेट जीत लिया और फिर दूसरे सेट में भी दबदबा बनाए रखा। 19 वर्षीय टिएन, जो अपने पहले एटीपी फाइनल में उतरे थे, शुरुआती चार गेम तक टक्कर देते रहे लेकिन सिनर ने पांचवें और सातवें गेम में उनकी सर्विस तोड़कर मैच पर कब्जा कर लिया। 24 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी ने 1 घंटे 12 मिनट में सीधी सेटों में जीत हासिल की। यह सिनर का लगातार तीसरा बीजिंग फाइनल था। 2023 में उन्होंने कार्लोस अल्काराज और दानिल मेदवेदेव को हराकर खिताब जीता था, जबकि पिछले साल वह उपविजेता रहे थे। दूसरी ओर, टिएन ने लोरेंजो मुसेट्टी और मेदवेदेव जैसे खिलाड़ियों को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया और उभरते सितारे के रूप में अपनी पहचान बनाई।

जिम्बाब्वे के बल्लेबाज ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, सभी प्रारूपों में शतक लगाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बने

हरारे (जिम्बाब्वे)। तंजानिया के खिलाफ अपने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक के साथ जिम्बाब्वे के बल्लेबाज ब्रायन बेनेट तीनों प्रारूपों में शतक लगाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बन गए। दाएं हाथ के इस 21 वर्षीय बल्लेबाज ने हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की, जहां उनकी टीम ने अपने प्रतिद्वंद्वी तंजानिया पर 113 रनों से जीत दर्ज की। दोनों टीमों के बीच हुए मैच की बात करें तो तंजानिया के कप्तान कासिम नासाओरो ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे ने 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 221 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जिम्बाब्वे के लिए इस पारी में रन बनाने वाले खिलाड़ी बेनेट (60 गेंदों पर 111 रन), तदिवानाशे मारुमानी (34 गेंदों पर 49 रन), रयान बर्ल (11 गेंदों पर 22 रन) और सिकंदर रज़ा (नौ गेंदों पर 19 रन) थे। तंजानिया के लिए खालिद जुमा (4 ओवर में 2/39), एली किमोटे (4 ओवर में 2/42) और लक्ष्य बक्रानिया (2 ओवर में 1/35) ने अपने-अपने गेंदबाजी स्पेल में विकेट लिए। 222 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए तंजानिया क्रिकेट टीम मैच में 18.4 ओवर बल्लेबाजी करते हुए केवल 108 रनों पर ढेर हो गई। दूसरी पारी में टीम के लिए रन बनाने वाले खिलाड़ी अभिक पटवा (22 गेंदों पर 32 रन), कासिम नासोरो (27 गेंदों पर 25 रन) और शिवराज सेल्वाराज (18 गेंदों पर 20 रन) थे। जिम्बाब्वे की ओर से, गेंदबाजों में ब्रैड इवांस (4 ओवर में 4/16), रिचर्ड नगारवा (3 ओवर में 2/13), सिकंदर रज़ा (20 ओवर में 2/6), टिनोटेंडा मापोसा (3 ओवर में 1/17) और रयान बर्ल (2.4 ओवर में 1/24) शामिल थे।

मिचेल मार्श की विस्फोटक बल्लेबाजी, पहले टी20 में ऑस्ट्रेलिया की न्यूजीलैंड पर शानदार जीत

माउंट मॉन्गानुई (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। कप्तान मिचेल मार्श (85) की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को पहले टी-20 मुकाबले में 21 गेंदें शेष रहते न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं।

मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया ने 182 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 67 रन जोड़े। छठे ओवर में मैट हेनरी ने ट्रैविस हेड (18 गेंदों में 31 रन) को आउटकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई।

ऑस्ट्रेलिया का दूसरा विकेट 12वें ओवर की पहली गेंद पर मैथ्यू शॉर्ट (18 गेंदों में 29 रन) के रूप में गिरा। उन्हें काइल जेमीसन ने पगबाधा आउट किया। 15वें ओवर में मैट हेनरी ने शतक की ओर बढ़ रहे मिचेल मार्श को टिम रॉबिंसन के हाथों कैच आउट करा दिया।

मिचेल मार्श ने 43 गेंदों में पांच छक्के और नौ चौके लगाते हुए 85 रनों की पारी खेली। एलेक्स कैरी सात रन बनाकर आउट हुये। उन्हें जैकरी फॉक्स ने आउट किया।

ऑस्ट्रेलिया ने 16.2 ओवर में चार विकेट पर 185 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया। इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने टिम रॉबिंसन (नाबाद 106) रनों की आतिशी शतकीय पारी की बदौलत निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 181 रन का चुनौती पूर्ण स्कोर खड़ा किया।

पारी की शुरुआत में न्यूजीलैंड की टीम एक समय छह रन पर तीन विकेट गंवाकर संकट में आई थी। बेन ड्वारश्विस ने डेवन कॉन्वे (एक) और मार्च चैपमैन (शून्य) के विकेट झटके। जॉश हेजलवुड ने टिम सीफर्ट (चार) को आउट किया। ऐसे संकट के समय डैरिल मिचेल ने टिम रॉबिंसन के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 92 रन जोड़े। 11वें ओवर में मैथ्यू शॉर्ट ने डैरिल मिचेल को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। मिचेल ने 23 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए 34 रनों की पारी खेली। बेवन जैकब्स (20) और कप्तान माइकल ब्रेसवेल (सात) रन आउट हुए। टिम रॉबिंसन ने 66 गेंदों में पांच छक्के और छह चौके लगाते हुए नाबाद 106 रन बनाए।

कैथरीन डेब्रनर ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की

नई दिल्ली (ऑस्ट्रेलिया)। विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की 5000 मीटर टी54 और 800 मीटर टी53 स्पर्धाओं में पहले ही स्वर्ण पदक जीत चुकीं कैथरीन डेब्रनर ने बुधवार सुबह 3:16.81 मिनट के चैंपियनशिप रिकॉर्ड समय के साथ 1500 मीटर टी54 का खिताब भी अपने नाम किया। इसी के साथ वह इस चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली एथलीट बनीं। गत चैंपियन झोउ झाओकियान (चीन) 800 मीटर के बाद दूसरी बार दूसरे स्थान पर खिसक गईं। चीनी खिलाड़ी अगले कुछ दिनों में 100 मीटर और 400 मीटर स्प्रिंट में डेब्रनर को मात देने की उम्मीद कर रही होंगी, लेकिन डेब्रनर के पास पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में चार स्वर्ण पदक जीतने का अनुभव है और वह इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगी। पुरुषों की शॉट पुट एफ36 स्पर्धा में व्लादिमीर स्विरिडोव (न्यूट्रल पैरा एथलीट) ने अपने अंतिम प्रयास में 17.01 मीटर का शानदार थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता। पिछली बार सकर्ल में प्रवेश करने पर, रूस में जन्मे इस एथलीट ने 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर गत चैंपियन यासीन गुएनिची (ट्यूनीशिया) से बढ़त हासिल की थी, लेकिन आखिरी प्रयास में गुएनिची उनसे आगे निकल गए। गुएनिची पहले दो राउंड के बाद 16.57 मीटर और 16.74 मीटर के थ्रो के साथ आठ एथलीटों के समूह में सबसे आगे थे, लेकिन पाँचवें राउंड में स्विरिडोव के आगे निकलने के बाद, ट्यूनीशियाई एथलीट ने अपने छठे प्रयास में 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर काउंटबैक में बढ़त बना ली और रूस में जन्मे दो बार के पैरालंपिक खेलों के चैंपियन पर अपनी पहली जीत दर्ज की। आखिरकार, लोहे की गेंद को उठाने के लिए लंबे इंतज़ार के बाद, 35 वर्षीय स्विरिडोव ने उसे काफी दूर तक फेंका। उन्होंने साँस रोककर – और अपने हाथों को सिर के पीछे बाँधकर – माप आने का इंतज़ार किया। जब यह घोषणा की गई कि उन्होंने 17.01 मीटर की दूरी तय कर ली है, तो उन्होंने राहत की सांस ली। ट्यूनीशियाई खिलाड़ी ने आगे बढ़कर स्विरिडोव को गले लगाया और उनकी सराहना की। 2023 और 2024 में स्विरिडोव की अनुपस्थिति में विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले गुएनिची, रूसी मूल के इस एथलीट की वैश्विक प्रतियोगिताओं में पकड़ ढीली करना चाहते थे। उन्हें 2019 विश्व चैंपियनशिप के साथ-साथ टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में भी हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन उन्होंने स्विरिडोव के अदम्य साहस की सराहना करने में सहजता दिखाई।

शाहिद अफरीदी की मोहसिन नकवी को सलाह, पीसीबी या पाकिस्तान मंत्रालय छोड़ें

स्पोर्ट्स डेस्क। एशिया कप ट्रॉफी लेकर चले जाने और उसे विजेता टीम भारत को नहीं देने देने के बाद विवादों में घिरे मोहसिन नकवी को एक पद चुनने को कहा गया है। ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने मोहसिन नकवी से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का अध्यक्ष या गृह मंत्री में से किसी एक पद को छोड़ने के लिए कहा है। उनका कहना है कि नकवी दोनों मोर्चों पर ठीक से काम नहीं कर पा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार रविवार को एशिया कप में हुई गड़बड़ी के बाद, ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने मोहसिन नक़वी से यह मांग की है। उनकी मुश्किलें और भी बढ़ गईं, क्योंकि नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (ACC) के अध्यक्ष भी हैं, जिन्होंने भारत के जय शाह के ICC में जाने के बाद यह पद संभाला है। पाकिस्तान एशिया कप में उपविजेता रहा, लेकिन एशिया कप में भारत के हाथों तीन बार मिली हार के कारण आलोचकों ने टीम की खराब बल्लेबाजी और PCB की दूरदर्शिता की कमी की आलोचना की है। टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की मंगलवार की एक रिपोर्ट के अनुसार, नकवी अब बोर्ड के संचालन को लेकर जांच का सामना कर रहे हैं। एक सवाल के जवाब में अफरीदी ने कहा, 'नकवी साहब से मेरा अनुरोध या सलाह यह है कि आपके पास दो बहुत महत्वपूर्ण पद हैं और ये बड़े काम हैं और इन्हें पूरा करने में समय लगता है। PCB गृह मंत्रालय से बिल्कुल अलग है, इसलिए इसे अलग रखा जाना चाहिए।' रिपोर्ट के अनुसार, 'अफरीदी ने कहा कि इस पर जल्द ही फैसला होना चाहिए। अफरीदी ने कहा, 'यह एक बड़ा फैसला होगा और इसे जल्द से जल्द लिया जाना चाहिए। पाकिस्तान क्रिकेट को विशेष ध्यान और समय की आवश्यकता है।' अफरीदी ने कहा कि नकवी के सलाहकार विश्वसनीय नहीं हैं। नकवी पूरी तरह सलाहकारों पर निर्भर नहीं रह सकते। ये सलाहकार उन्हें कहीं नहीं ले जा रहे हैं, और वह खुद कहते हैं कि उन्हें क्रिकेट के बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं है। अफरीदी ने कहा कि नकवी को अच्छे सलाहकारों की जरूरत है जो खेल के बारे में जानते हों। अफरीदी ने कहा, 'उन्हें (नकवी को) अच्छे और सक्षम सलाहकार नियुक्त करने चाहिए जो खेल के बारे में जानते हों।'

अर्जुन प्रसाद ने दूसरे राउंड के बाद बढ़त हासिल की

कोयंबटूर। दिल्ली के अर्जुन प्रसाद ने कोयंबटूर गोल्फ क्लब में खेले जा रहे 1 करोड़ रुपए के तमिलनाडु ओपन 2025 प्रेजेंटेड बाय सिपकोट एंड टैनसेम में लगातार दो अंडर 70 का स्कोर बनाकर हाफ-वे लीड हासिल कर ली। अर्जुन (70-70), जो कल तीसरे स्थान पर थे और लीड से एक शॉट पीछे थे, दूसरे राउंड के बाद एक शॉट से आगे हो गए और उनका कुल स्कोर चार अंडर 140 रहा। बंगलादेश के जमाल हुसैन (69-72), जो कल संयुक्त रूप से आगे चल रहे थे, बुधवार को इवन-पार 72 के अपने राउंड के परिणामस्वरूप तीन अंडर 141 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए। स्कोरिंग के लिए एक और मुश्किल दिन, जहां तेज हवाओं ने कहर बरपाया, पुणे के प्रणव मार्डीकर ने 69 का न्यूनतम स्कोर बनाया और 11 स्थान ऊपर चढ़कर अहमदाबाद के अंशुल पटेल (71) के साथ दो अंडर 142 के स्कोर के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर पहुंच गए। दिल्ली के अंशुल कथियाल ने भी दिन के न्यूनतम स्कोर 69 की बराबरी की और एक अंडर 143 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहे। जमाल के साथ रात भर संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे गौरव प्रताप सिंह ने बुधवार को 79 का स्कोर बनाया और चार ओवर 148 के स्कोर के साथ संयुक्त 20वें स्थान पर खिसक गए।

एशिया कप ट्रॉफी विवाद: नकवी का नया बयान आया सामने, मैंने बीसीसीआई से कभी माफी नहीं मांगी और ना ही कभी मांगूंगा

स्पोर्ट्स डेस्क। एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत की जीत के बाद ट्रॉफी न मिलने का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। अब एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी ने एक नया बयान देकर इस विवाद को और हवा दे दी है जिसमें उन्होंने कहा कि मैंने BCCI से कभी माफी नहीं मांगी और ना ही कभी मांगूंगा।

ट्रॉफी लेने का स्वागत है

नकवी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'एसीसी अध्यक्ष के तौर पर मैं उसी दिन ट्रॉफी सौंपने को तैयार था और अब भी तैयार हूं। अगर भारतीय टीम सच में इसे चाहती है तो दुबई स्थित एसीसी कार्यालय आने के लिए उनका स्वागत है और वे इसे मुझसे ले सकते हैं।' उनका यह बयान साफ़ करता है कि एसीसी और बीसीसीआई के बीच खींचतान अभी ख़त्म नहीं हुई है।

माफी नहीं मांगी और ना ही मांगूंगा

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि नकवी ने एसीसी की वार्षिक आम बैठक (AGM) में भारतीय अधिकारियों से माफी मांगी थी। नकवी ने इन खबरों को ग़लत और भ्रामक बताते हुए कहा, 'मैंने कुछ गलत नहीं किया और मैंने बीसीसीआई से कभी माफी नहीं मांगी और ना ही कभी मांगूंगा।'

बीसीसीआई की कड़ी आपत्ति

बीसीसीआई की ओर से राजीव शुक्ला और आशीष शेलार ने AGM में हिस्सा लिया था। दोनों ने भारतीय टीम को ट्रॉफी न देने के मामले में कड़ी आपत्ति जताई। AGM में नकवी ने कहा कि वह ट्रॉफी देने के लिए तैयार हैं, लेकिन इस मुद्दे पर कोई औपचारिक निर्णय नहीं हुआ। इससे भारतीय बोर्ड और नाराज हो गया। सूत्रों के अनुसार, बीसीसीआई अब इस मामले को आईसीसी की बैठक (नवंबर 2025) में उठाएगा।

फाइनल और बढ़ती तनातनी

भारत ने फाइनल सहित पाकिस्तान को टूर्नामेंट में खेले गए सभी तीन मैचों में हराया। मैचों के दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से भी परहेज किया। इस रवैये से पीसीबी खासा नाराज़ हुआ।

राजनीतिक पृष्ठभूमि भी हावी

यह विवाद सिर्फ क्रिकेट तक सीमित नहीं रहा। हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले में

26 भारतीय पर्यटकों की हत्या ने दोनों देशों के बीच तनाव को और बढ़ा दिया। इसके जवाब में भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सीमा पार आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई शुरू की।

स्पष्ट है कि एशिया कप ट्रॉफी विवाद खेल भावना से कहीं ज़्यादा राजनीति और द्विपक्षीय रिश्तों से जुड़ा हुआ है। अब सबकी नजरें इस बात पर होंगी कि आईसीसी की बैठक में इस मुद्दे पर क्या रुख अपनाया जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आश्विन शुक्ल दशमी को विजयदशमी का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। रामलीला में जगह-जगह रावण वध का प्रदर्शन होता है। क्षत्रियों के यहाँ शस्त्र की पूजा होती है। इस दिन नीलकंठ का दर्शन बहुत शुभ माना जाता है। यह त्योहार क्षत्रियों का माना जाता है। इसमें अपराजिता देवी की पूजा होती है। यह पूजन भी सर्वसुख देने वाला है। दशहरा या विजया दशमी नवरात्रि के बाद दसवें दिन मनाया जाता है। इस दिन राम ने रावण का वध किया था ।

बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व दशहरा

दशहरा (विजयदशमी या आयुध-पूजा) हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को इसका आयोजन होता है। भगवान राम ने इसी दिन रावण का वध किया था। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसीलिये इस दशमी को विजयादशमी के नाम से जाना जाता है। दशहरा वर्ष की तीन अत्यन्त शुभ तिथियों में से एक है, अन्य दो हैं चैत्र शुक्ल की एवं कार्तिक शुक्ल की प्रतिपदा। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारम्भ करते हैं, शस्त्र-पूजा की जाती है। प्राचीन काल में राजा लोग इस दिन विजय की प्रार्थना कर रण-यात्रा के लिए प्रस्थान करते थे। इस दिन जगह-जगह मेले लगते हैं। रामलीला का आयोजन होता है। रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है। दशहरा अथवा विजयदशमी भगवान राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में, दोनों ही रूपों में यह शक्ति-पूजा का पर्व है, शस्त्र पूजन की तिथि है। हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है। भारतीय संस्कृति वीरता की पूजक है, शौर्य की उपासक है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है। दशहरा का पर्व दस प्रकार के पापों- काम, क्रोध, लोभ, मोह मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी के परित्याग की सद्प्रेरणा प्रदान करता है।

रामलीला मंचन

दशहरा अथवा विजयदशमी राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में, दोनों ही रूपों में यह शक्ति पूजा का पर्व है, शस्त्र पूजन की तिथि है। हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है। देश के कोने-कोने में यह विभिन्न रूपों से मनाया जाता है, बल्कि यह उतने ही जोश और उल्लास से दूसरे देशों में भी मनाया जाता जहां प्रवासी भारतीय रहते हैं।

हिमाचल प्रदेश में कुल्लू का दशहरा बहुत प्रसिद्ध है। अन्य स्थानों की ही भाँति यहाँ भी दस दिन अथवा एक सप्ताह पूर्व इस पर्व की तैयारी आरंभ हो जाती है। स्त्रियाँ और पुरुष सभी सुंदर वस्त्रों से सज्जित होकर तुरही, बिगुल, ढोल, नगाड़े,

बाँसुरी आदि-आदि जिसके पास जो वाद्य होता है, उसे लेकर बाहर निकलते हैं। पहाड़ी लोग अपने ग्रामीण देवता का धूम धाम से जुलूस निकाल कर पूजन करते हैं। देवताओं की मूर्तियों को बहुत ही आकर्षक पालकी में सुंदर ढंग से सजाया जाता है। साथ ही वे अपने मुख्य देवता रघुनाथ जी की भी पूजा करते हैं। इस जुलूस में प्रशिक्षित नर्तक नटी नृत्य करते हैं। इस प्रकार जुलूस बनाकर नगर के मुख्य भागों से होते हुए नगर परिक्रमा करते हैं और कुल्लू नगर में देवता रघुनाथजी की वंदना से दशहरे के उत्सव का आरंभ करते हैं। दशमी के दिन इस उत्सव की शोभा निराली होती है। पंजाब में दशहरा नवरात्रि के नौ दिन का उपवास रखकर मनाते हैं। इस दौरान यहां आगंतुकों का स्वागत पारंपरिक मिठाई और उपहारों से किया जाता है। यहां भी रावण-दहन के आयोजन होते हैं, व मैदानों में मेले लगते हैं।

बस्तर में दशहरे के मुख्य कारण को राम की रावण पर विजय ना मानकर, लोग इसे मां दंतेश्वरी की आराधना को समर्पित एक पर्व मानते हैं। दंतेश्वरी माता बस्तर अंचल के निवासियों की आराध्य देवी हैं, जो दुर्गा का ही रूप हैं। यहां यह पर्व पूरे 75 दिन चलता है। यहां दशहरा श्रावण मास की अमावस से आश्विन मास की शुक्ल त्रयोदशी तक चलता है। प्रथम दिन जिसे काछिन गादि कहते हैं, देवी से समारोहारंभ की अनुमति ली जाती है। देवी एक कांटों की सेज पर विरजमान होती हैं, जिसे काछिन गादि कहते हैं। यह कन्या एक अनुसूचित जाति की है, जिससे बस्तर के राजपरिवार के व्यक्ति अनुमति लेते हैं। यह समारोह लगभग 15वीं शताब्दी से शुरु हुआ था। इसके बाद जोगी-बिठाई होती है, इसके बाद भीतर रैनी (विजयदशमी) और बाहर रैनी (रथ-यात्रा) और अंत में मुरिया दरबार होता है। इसका समापन अश्विन शुक्ल त्रयोदशी को ओहाड़ी पर्व से होता है। बंगाल, ओडिशा और असम में यह पर्व दुर्गा पूजा के रूप में ही मनाया जाता है। यह बंगालियों,ओडिआ,और आसाम के लोगों का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। पूरे बंगाल में पांच दिनों के लिए मनाया जाता है।ओडिशा और असम मे 4 दिन तक त्योहार चलता है। यहां देवी दुर्गा को भव्य सुशोभित पंडालों विराजमान करते हैं। देश के नामी कलाकारों को बुलवा कर दुर्गा की मूर्ति तैयार करवाई जाती हैं। इसके साथ अन्य देवी द्वेवताओं की भी कई मूर्तियां बनाई जाती हैं। त्योहार के दौरान शहर में छोटे मोटे स्टाल भी मिठाईयों से भरे रहते हैं। यहां षष्ठी के दिन दुर्गा देवी का बोधन, आमंत्रण एवं प्राण प्रतिष्ठा आदि का आयोजन किया जाता है। उसके उपरांत सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी के दिन प्रातः और सायंकाल दुर्गा की पूजा में व्यतीत होते हैं।अष्टमी के दिन महापूजा और बलि भि दि जाति है। दशमी के दिन विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। प्रसाद चढ़ाया जाता है और प्रसाद वितरण किया जाता है। पुरुष आपस में आलिंगन करते हैं, जिसे कोलाकुली कहते हैं। स्त्रियां देवी के माथे पर सिंदूर चढ़ाती हैं, व देवी को अश्रुपूरित विदाई देती हैं। इसके साथ ही वे आपस में भी सिंदूर लगाती हैं, व सिंदूर से खेलते हैं। इस दिन यहां नीलकंठ पक्षी को देखना बहुत ही शुभ माना जाता है। तदनंतर देवी प्रतिमाओं को बड़े-बड़े ट्रकों में भर कर विसर्जन के लिए ले जाया जाता है। विसर्जन की यह यात्रा भी बड़ी शोभनीय और दर्शनीय होती है।

कर्नाटक में मैसूर का दशहरा विशेष उल्लेखनीय है। मैसूर में दशहरे के समय पूरे शहर की गलियों को रोशनी से सज्जित किया जाता है और हाथियों का श्रंगार कर पूरे शहर में एक भव्य जुलूस निकाला जाता है। इस समय प्रसिद्ध मैसूर महल को दीपमालिकाओं से दुलहन की तरह सजाया जाता है। इसके साथ शहर में लोग टार्च लाइट के संग नृत्य और संगीत की शोभा यात्रा का आनंद लेते हैं। इन द्रविड़ प्रदेशों में रावण-दहन का आयोजन नहीं किया जाता है।

गुजरात में मिट्टी सुशोभित रंगीन घड़ा देवी का प्रतीक माना जाता है और इसको कुंवारी लड़कियां सिर पर रखकर एक लोकप्रिय नृत्य करती हैं जिसे गरबा कहा जाता है। गरबा नृत्य इस पर्व की शान है। पुरुष एवं स्त्रियां दो छोटे रंगीन डंडों को संगीत की लय पर आपस में बजाते हुए घूम घूम कर नृत्य करते हैं। इस अवसर पर भक्ति, फिल्म तथा पारंपरिक लोक-संगीत सभी का समायोजन होता है। पूजा और आरती के बाद डांडिया रास का आयोजन पूरी रात होता रहता है। नवरात्रि में सोने और गहनों की खरीद को शुभ माना जाता है। महाराष्ट्र में नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा को समर्पित रहते हैं, जबकि दसवें दिन ज्ञान की देवी सरस्वती की वंदना की जाती है। इस दिन विद्यालय जाने वाले बच्चे अपनी पढ़ाई में आशीर्वाद पाने के लिए मां सरस्वती के तांत्रिक चिह्नों की पूजा करते हैं। किसी भी चीज को प्रारंभ करने के लिए खासकर विद्या आरंभ करने के लिए यह दिन काफी शुभ माना जाता है। महाराष्ट्र के लोग इस दिन विवाह, गृह-प्रवेश एवं नये घर खरीदने का शुभ मुहूर्त समझते हैं।

विजय पर्व

दशहरे का उत्सव शक्ति और शक्ति का समन्वय बताने वाला उत्सव है। नवरात्रि के नौ दिन जगदम्बा की उपासना करके शक्तिशाली बना हुआ मनुष्य विजय प्राप्ति के लिए तत्पर रहता है। इस दृष्टि से दशहरे अर्थात विजय के लिए प्रस्थान का उत्सव का उत्सव आवश्यक भी है। भारतीय संस्कृति सदा से ही वीरता व शौर्य की समर्थक रही है। प्रत्येक व्यक्ति और समाज के रुधिर में वीरता का प्रादुर्भाव हो कारण से ही दशहरे का उत्सव मनाया जाता है। यदि कभी युद्ध अनिवार्य ही हो तब शत्रु के आक्रमण की प्रतीक्षा ना कर उस पर हमला कर उसका पराभव करना ही कुशल राजनीति है। भगवान राम के समय से यह दिन विजय प्रस्थान का प्रतीक निश्चित है। भगवान राम ने रावण से युद्ध हेतु इसी दिन प्रस्थान किया था। मराठा रत्न शिवाजी ने भी औरंगजेब के विरुद्ध इसी दिन प्रस्थान करके हिन्दू धर्म का रक्षण किया था। भारतीय इतिहास में अनेक उदाहरण हैं जब हिन्दू राजा इस दिन विजय-प्रस्थान करते थे। इस पर्व को भगवती के विजया नाम पर भी विजयादशमी कहते हैं। इस दिन भगवान रामचंद्र चौदह वर्ष का वनवास भोगकर तथा रावण का वध कर अयोध्या पहुँचे थे। इसलिए भी इस पर्व को विजयादशमी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि आश्विन शुक्ल दशमी को तारा उदय होने के समय विजय नामक मुहूर्त होता है। यह काल सर्वकार्य सिद्धिदायक होता है। इसलिए भी इसे विजयादशमी कहते हैं। ऐसा माना गया है कि शत्रु पर विजय पाने के लिए इसी समय प्रस्थान करना चाहिए। इस दिन श्रवण नक्षत्र का योग और भी अधिक शुभ माना गया है। युद्ध करने का प्रसंग न होने पर भी इस काल में राजाओं (महत्त्वपूर्ण पदों पर पदासीन लोग) को सीमा का उल्लंघन करना चाहिए। दुर्योधन ने पांडवों को जुए में पराजित करके बारह वर्ष के वनवास के साथ तेरहवें वर्ष में अज्ञातवास की शर्त दी थी। तेरहवें वर्ष यदि उनका पता लग जाता तो उन्हें पुनः बारह वर्ष का वनवास भोगना पड़ता। इसी अज्ञातवास में अर्जुन ने अपना धनुष एक शमी वृक्ष पर रखा था तथा स्वयं वृहन्नला वेश में राजा विराट के यहँ नौकरी कर ली थी। जब गोरक्षा के लिए विराट के पुत्र धृष्टद्युम्न ने अर्जुन को अपने साथ लिया, तब अर्जुन ने शमी वृक्ष पर से अपने हथियार उठाकर शत्रुओं पर विजय प्राप्त की थी। विजयादशमी के दिन भगवान रामचंद्रजी के लंका पर चढ़ाई करने के लिए प्रस्थान करते समय शमी वृक्ष ने भगवान की विजय का उद्घोष किया था। विजयकाल में शमी पूजन इसीलिए होता है।

विजयदशमी पर पूजें शमी वृक्ष

भारत में प्रत्येक चेतन व अचेतन को सम्मान देते हुए उनका पूजन भी किया जाता है। इनमें वृक्ष-वनस्पतियाँ भी सम्मिलित हैं। जिस तरह चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर नीम, ज्येष्ठ पूर्णिमा वट सावित्री व्रत पर वट वृक्ष, सोमवती अमावस्या पर तुलसी, पीपल का, भाद्रमास की कुशग्रहिणी अमावस्या पर कुशा का और कार्तिक की आँवला नवमी पर आँवले के वृक्ष के पूजन का महत्व है, उसी प्रकार आश्विन शुक्ल दशमी (विजयदशमी) पर दो विशेष प्रकार की वनस्पतियों के पूजन का महत्व है। इनमें से एक है शमी वृक्ष, जिसका पूजन रावण दहन के बाद करके इसकी पत्तियों को स्वर्ण पत्तियों के रूप में एक-दूसरे को ससम्मान प्रदान किया जाता है। इस परंपरा में विजय उल्लास पर्व की कामना के साथ समृद्धि की कामना का रहस्य छुपा हुआ है। दूसरी वनस्पति है अपराजिता (विष्णु-क्रांता)। यह पौधा अपने नाम के अनुरूप ही पहचान देता है। यह विष्णु को प्रिय है और प्रत्येक परिस्थिति में सहायक बनकर विजय प्रदान करने वाला है। नीले रंग के पुष्प का यह पौधा भारत में सुलभता से उपलब्ध है। घरों में समृद्धि के लिए तुलसी की भाँति इसकी नियमित सेवा की जाती है। आयुर्वेद के अनुसार यह पौधा कफ विकारों को दूर करते हुए मासिक धर्म संबंधी समस्याओं के अलावा प्रसव पीड़ा निवारण में भी महत्व रखता है। तंत्र शास्त्र में युद्ध अथवा मुकदमेबाजी के मामले में यह उपयोगी है। विजयदशमी को दुर्गा पूजन, अपराजिता पूजन, विजय प्रयाण, शमी पूजन तथा नवरात्र पारण के महान कर्म हैं। क्लाइटोरिसाटरनेटिया डालकुलम प्रजाति का यह पौधा भगवान राम युग के पहले से ही व्यवहार में स्थापित है और विद्वानों ने इसका बहुत महत्व बताया है। विजयदशमी को प्रात:काल अपराजिता लता का पूजन, अतिविशिष्ट पूजा-प्रार्थना के बाद विसर्जन और धारण आदि से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होते हैं। ऐसी पुराणों में मान्यता हैं।

विजयदशमी अर्थात् अपराजिता पूजन

विजयदशमी का पर्व उत्तर भारत में आश्विन शुक्ल पक्ष के नवरात्र संपन्न होने के उपरांत मनाया जाता है। शास्त्रों में दशहरे का असली नाम विजयदशमी है, जिसे अपराजिता पूजा भी कहते हैं। नवदुर्गाओं की माता अपराजिता संपूर्ण ब्रह्मांड की शक्तिदायिनी और ऊर्जा उत्सर्जन करने वाली हैं। महर्षि वेद व्यास ने अपराजिता देवी को आदिकाल की श्रेष्ठ फल देने वाली, देवताओं द्वारा पूजित और त्रिदेव (ब्रह्मा, विष्णु और महेश) द्वारा नित्य ध्यान में लाई जाने वाली देवी कहा है। गायत्री स्वरूप अपराजिता को निम्नलिखित मंत्र से भी पूजा जाता है -

ओम् महादेव्यै च विह्माहे दुर्गायै
धीमहि तन्नो देवी प्रचोदयात।।
ओम् नमः सर्व हिताथौयै जगदाधार दायिके।
साष्टांगोष्प्रणामस्ते प्रयत्नेन मया कृतः।
नमस्ते देवी देवेशि नमस्ते ईप्सित प्रदे।
नमस्ते जगतां धातित्र नमस्ते शंकरप्रिये।।
ओम् सर्वरूपमयी देवी सर्वं देवीमयं जगत।
अतोष्हं विश्वरूपां तां नमामि परमेश्वरीम।।

चारों युगों के आरंभ होने के समय से ही देवी अपराजिता के पूजन का भी आरंभ हुआ। कथा के अनुसार, देव-दानव युद्ध का काफी लंबा अंतराल बीत चुका था। नवदुर्गाओं ने दानवों के संपूर्ण वंश का नाश कर दिया। इसके बाद माता दुर्गा अपनी आदिशक्ति अपराजिता का पूजन करने के लिए शमी की घास लेकर हिमालय में अंर्तध्यान हो गईं और आर्य व्रत के राजाओं ने इस विजय को उत्सव के रूप में मनाते हुए विजयदशमी पर्व का आरंभ किया। उल्लेखनीय है कि उस वक्त विजयदशमी देवताओं द्वारा दानवों पर विजय प्राप्त करने के उपलक्ष्य में मनाई गई थी। इस युद्ध में देवताओं के साथ धरती के राजा दशरथ, जनक और शोणक ऋषि जैसे राजाओं ने भी अपना युद्ध कौशल दिखाया था। बाद में रामायण काल में राम का राज्याभिषेक हुआ, लेकिन इसी दौरान रावण एवं अन्य दानवों के अत्याचारों से धरती फिर अशांत हो गई। धरती के जीवों को उनसे बचाने के लिए राम को वनवास पर जाना पड़ा। वैसे, राम ने अपने बाल्यकाल से ही आर्याव्रत पर घिरे हुए राक्षसों को एक-एक करके मारा। सबसे बड़े राक्षस रावण को मारने के लिए उन्हें जो श्रम करना पड़ा, उसका उल्लेख रामायण में मिलता है। राम-रावण युद्ध नवरात्रों में हुआ। रावण की मृत्यु अष्टमी-नवमी के संधिकाल में और दाह संस्कार दशमी तिथि को हुआ। इसके बाद विजयदशमी मनाने का उद्देश्य रावण पर राम की जीत यानी असत्य पर सत्य की जीत हो गया। आज भी संपूर्ण रामायण की रामलीला नवरात्रों में ही खेली जाती है और दसवें दिन सायंकाल में रावण का पुतला जलाया जाता है। इस दौरान यह ध्यान रखा जाता है कि दाह के समय भदा न हो। रामायण काल के बाद दशहरा मूलत- राजाओं यानि क्षत्रिय राजाओं का त्योहार माना गया। इसे राजाओं के विजय उत्सव के रूप में देखा जाने लगा। वे युद्ध में विजयी होकर उत्सव के रूप में अपनी प्रजा के बीच पहुंचते थे। मैसूर में वहां के राजा की सवारी काफी प्रसिद्ध रही है। वह इस दिन हाथी पर बैठकर अपने महल से बाहर आते थे और दशहरा मैदान में मां अपराजिता की पूजा करते थे। राजाओं की परिपाटी समाप्त होने के बाद आज वहां के राज्यपाल इस परंपरा का निर्वहन करते हैं। इसी तरह, हिमाचल प्रदेश स्थित कुल्लू का दशहरा भी बहुत प्रसिद्ध है। यहां दशमी से अगले 15 दिन तक रोज वहां के भूतपूर्व राजा या उनके वंश को कोई व्यक्ति जनसभा में रावण दाह करके विजयदशमी का पूजन करता है। ऐसे ही सार्वजनिक उत्सव बनारस और इलाहाबाद में भी होते हैं। बंगाल में यह पूजन दुर्गा पूजा से ही जोड़ा जाता है। दुर्गा पूजा की महानवमी के बाद विजय दशमी के दिन कोलकाता समेत सारे बंगाल में मंदिरों में पंडाल सजते हैं और उत्सव मनाया जाता है। इसी दिन आदिशक्ति दुर्गा सहित काली पूजन और अपराजिता पूजन की रस्म भी निभाई जाती है। कुल मिलाकर, विजयदशमी बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। इस विजय के लिए देवी मां अपराजिता अपनी अपार शक्ति समय-समय पर शूरवीर राजाओं को प्रदान करती रहती हैं।

विजयदशमी का पर्व हमारी संस्कृति से जुड़ा है। अपार भीड़ खींचने वाली यह सांस्कृतिक परंपरा असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। इस दिन लोग अपने घर और बाहर उस विजयपर्व का आनंद उठाते हैं, जिसका आरंभ हजारों साल पहले हुआ था।

राजनाथ सिंह बोले- पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पूरा हिसाब-किताब बराबर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर को खत्म हुए करीब चार महीने का वक्त बीत चुका है। भारतीय सेना और वायुसेना द्वारा संयुक्त रूप से प्रदर्शित की गई वीरता और साहस ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादियों के 9 ठिकानों को नेस्तनाबूद कर पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पूरा हिसाब-किताब बराबर कर लिया है। इन बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राजधानी में वायुसेना द्वारा आयोजित की गई एक संगोष्ठी में भारत के इस सैन्य अभियान को तीनों सेनाओं के बीच तालमेल का बेहतरीन उदाहरण बताते हुए कहा कि मौजूदा सुरक्षा परिवेश में दुनिया में तेजी से बदल रही है, खतरे कहीं अधिक जटिल हो गए हैं। ऐसे में हमें ये स्वीकार करना होगा कि कोई भी सेना अलग-थलग होकर काम नहीं कर सकती है। किसी भी संघर्ष में कामयाबी के लिए अब अंतर संचालन और एकजुटता आवश्यक है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार का उद्देश्य सेना, वायुसेना और नौसेना के बीच एकजुटता और एकीकरण को बढ़ावा देना है। ये केवल एक नीतिगत मामला नहीं है। बल्कि तेजी से बदलते हुए सुरक्षा परिदृश्य के बीच अस्तित्व का भी एक प्रश्न है। एकजुटता का मार्ग संवाद, समझ और परंपराओं के सम्मान में शामिल है। तीनों सेनाओं को नई प्रणालियों का निर्माण करते समय एक-दूसरे की चुनौतियों का सम्मान करना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर से एकीकृत संचालन की तस्वीर, समय पर निर्णय लेने में सक्षमता, स्थिति आधारित जागरूकता में वृद्धि और अपने नुकसान के जोखिम को घटाना जैसे बिंदु हमारे सामने आए हैं। उन्होंने वायुसेना की एकीकृत वायु कमान-नियंत्रण प्रणाली (आईएसीसीएस) की मिसाल देते हुए कहा कि इसने भारतीय सेना के आकाशतीर और नौसेना के त्रिगुण के साथ मिलकर काम किया। जो अभियान के समय पर एक संयुक्त संचालन का आधार बन रही है।

राजनाथ ने बताया कि युद्ध का विकसित होता स्वरूप, पारंपरिक-गैर पारंपरिक खतरों के जटिल अंतर्संबंध के साथ संयुक्तता को एक विकल्प की जगह पर संचालन से जुड़ी हुई एक बड़ी आवश्यकता बनाता है। वर्तमान समय में ये हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा और संचालन की प्रभावशीलता के लिए एक मूलभूत आवश्यकता बन गई है। जहां हमारी तीनों सेनाओं स्वतंत्र रूप से कार्रवाई करने में दक्ष हैं। वहीं, जमीन, समुद्र, वायु, अंतरिक्ष और साइबर स्पेस की संबद्ध प्रकृति सहयोगात्मक शक्ति को विजय की सच्ची गारंटी बनाती है। उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि विमानन सुरक्षा, साइबर युद्ध जैसे अहम क्षेत्रों में मानकों में भिन्नता विनाशकारी साबित हो सकती है। निरीक्षण में छोटी सी भी गलती व्यापक असर पैदा कर सकती है। अगर हमारी साइबर रक्षा प्रणालियां सभी सेनाओं में अलग-अलग हैं तो विरोधी इस अंतर का फायदा उठा सकते हैं। हमें अपने मानकों में सामंजस्य स्थापित करके इन कमजोरियों को दूर करना पड़ेगा। उन्होंने पीएम मोदी के हाल ही में कोलकाता में तीनों सेनाओं के संयुक्त कमांडर सम्मेलन को

संबोधित करते वक्त संयुक्तता व एकीकरण के महत्व पर दिए गए जोर वाली टिप्पणी को भी प्रमुखता से रेखांकित किया। साथ ही कहा कि इससे सरकार की मामले पर स्पष्ट प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। जिसमें ये ध्यान दिया जा रहा है कि सशस्त्र बल न केवल मूल्यों और परंपराओं के मामले में दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हों। बल्कि वो भविष्य के लिए तैयार प्रणालियों के अग्रदूत भी हों।

केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी का बड़ा बयान, लाशों से वोट डलवा रहे केरल की सत्ता में काबिज लोग

-कांग्रेस और वाम दलों पर मतदाता सूची में हेरफेर के आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण और विपक्ष के वोट चोरी के आरोपों के बीच केंद्रीय मंत्री और मलयालम अभिनेता सुरेश गोपी ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को लाशों ने चुना है, वे सालों से केरल में सरकार चला रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वे थ्रिसूर में हुए विवाद पर चर्चा कर रहे थे। यहां कांग्रेस और वाम दलों पर मतदाता सूची में हेरफेर के आरोप लगे थे। गोपी का दावा था कि केरल की मतदाता सूची में कई मरे हुए लोगों को भी सक्रिय वोटर दिखाकर शामिल किया गया था। केंद्रीय मंत्री गोपी पर भी आरोप लगे थे कि उन्होंने मतदाता सूची से छेड़छाड़ की थी। इस पर गोपी ने कहा, जो लोग जीतने के लिए लाशों से वोट डलवा रहे हैं, ये वहीं लोग हैं जो इतने समय से केरल में सत्ता में हैं। 25 साल पहले दफन हुई लाशों से वोट डलवाए गए। आप सभी ने इसके बारे में बताया था। उन्होंने थ्रिसूर से जीत को लेकर कहा कि वह भाजपा के प्रभाव वाले पलक्कड़ या तिरुवनंतपुरम से नहीं जीते हैं। उन्होंने कहा, मैं थ्रिसूर से जीता था, जहां भाजपा का ऐसा वर्चस्व भविष्य में भी नहीं हो सकता। मेरा मानना है कि ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि ईश्वर मेरे साथ थे। उन्होंने केरल की राजनीति में बदलाव की भी बात कही है।

क्रॉसिंग बंद तो शख्स बना शक्तिमान, कंधे पर बाइक रख पार की रेलवे लाइन

-वीडियो वायरल होते ही पुलिस ने लिया संज्ञान, अब आरपीएफ करेगी कार्रवाई

झांसी (एजेंसी)। यूपी के झांसी में एक शख्स बंद रेलवे क्रॉसिंग को पार करने के लिए शक्तिमान बन गया उसने अपनी बाइक को कंधे पर उठाकर रेलवे लाइन पार कर ली। यह वीडियो झांसी-कानपुर रेलवे लाइन के पास मोंठ का बताया जा रहा है। बता दें झांसी-कानपुर रेलवे लाइन की क्रॉसिंग पर एक शख्स ने बंद रेलवे क्रॉसिंग को पार करने के लिए अपनी बाइक को कंधे पर उठा लिया। इस वीडियो को किसी ने रिकॉर्ड करके वायरल कर दिया। यह वीडियो दो-तीन दिन पहले का बताया जा रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। मोंठ थाना प्रभारी ने बताया कि बाइक को कंधे पर उठाकर ले जाने वाले शख्स का नाम प्रदीप है। वह समथर थाना क्षेत्र के कडूरा गांव का रहने वाला है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि रेलवे क्रॉसिंग पर वाहनों की लंबी कतार लगी थी और उसी समय इस शख्स ने ऐसा कदम उठाया। पुलिस ने बताया कि मामला रेलवे क्रॉसिंग पार करने से जुड़ा है, इसलिए इस पर आगे की कार्रवाई आरपीएफ करेगी। पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लिया और तुरंत इसकी जांच शुरू की। पुलिस ने बताया कि यह घटना रेलवे सुरक्षा नियमों के उल्लंघन का मामला है। शख्स के खिलाफ अभी तक किसी तरह की कार्रवाई की जानकारी नहीं दी गई है। बता दें इस तरह के वीडियो अक्सर लोगों को लापरवाही बरतने और अपनी जान जोखिम में डालने के लिए उकसाते है।

त्रिपुरा में जेल से छह कैदी फरार

त्रिपुरा (एजेंसी)। उत्तर त्रिपुरा के धर्मनगर उप-जेल से बुधवार को छह कैदी फरार हो गए। इनमें से एक कैदी आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। उत्तर त्रिपुरा के एसपी अविनाश कुमार राय ने पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर फरार कैदियों को पकडने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट देबजानी चौधरी ने बताया कि आज सुबह करीब 6 बजे कैदियों को रोजमर्रा के कार्य और नाश्ते के लिए सेल से छोड़ा गया था। तभी अचानक छह कैदियों ने जेल गार्ड गेडू मिया पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया और जेल के मुख्य द्वार से फरार हो गए। फरार कैदियों में सुनील देबबर्मा उम्रकैद की सजा काट रहा था। घटना के बाद जिले के सभी पुलिस थानों को अलर्ट कर दिया गया है और सभी निकासी बिंदुओं को सील कर दिया गया है।

ड्राइवर ने खोया नियंत्रण, कार हाईवे पर खड़े ट्रक से टकराई, 6 की मौत

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। यूपी के मुजफ्फरनगर में एक कार की ट्रक से 6 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कार की रफ्तार तेज होने से ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और वह हाईवे किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे राहगीरों ने घायलों को बाहर निकाला। यह हादसा बुधवार का है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। वहां डॉक्टरों ने 5 लोगों को मृत घोषित कर दिया। दो घायलों को मेरठ रेफर किया गया, जहां एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस हादसे में कुल 6 लोगों की मौत हो चुकी है। हादसे में मरने वालों में तीन महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। यह पहली बार नहीं है जब यूपी में इस तरह का भीषण सड़क हादसा सामने आया है। बता दें इससे पहले 27 सितंबर को उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे वे पर हुए भीषण हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई थी।

जम्मू-कश्मीर में अलगाववादियों पर फिर प्रहार... तहरीक-ए-हुर्रियत के मुख्यालय को कुर्क किया

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने तहरीक-ए-हुर्रियत के मुख्यालय को कुर्क किया है, जिसकी स्थापना अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी ने 2004 में की थी। बीते साल बडगाम पुलिस स्टेशन में दर्ज एक प्राथमिकी में गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत आफिस को कुर्क किया गया है। पुलिस ने कहा कि अलगाववादी और आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, हैदरपुरा के रहमताबाद स्थित प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-हुर्रियत के मुख्यालय को कुर्क कर लिया है। कुर्क की गई संपत्ति में एक तीन मंजिला इमारत शामिल है, जिसका इस्तेमाल प्रतिबंधित संगठन के कार्यालय के रूप में किया जाता था। तहरीक-ए-हुर्रियत की स्थापना गिलानी ने अपने मूल संगठन जमात-ए-इस्लामी से अलग होने के बाद की थी। 2023 में, केंद्र ने तहरीक-ए-हुर्रियत को एक गैरकानूनी संगठन घोषित कर प्रतिबंधित कर दिया था। संगठन का मुख्यालय हैदरपुरा के रहमताबाद स्थित गिलानी के आवास परिसर में स्थित था। गिलानी और तहरीक-ए-हुर्रियत प्रमुख मोहम्मद अशरफ सेहराई (जिनकी 2022 में जम्मू की एक जेल में मृत्यु हो गई) के निधन और 2023 में इस पर प्रतिबंध लगने के बाद, यह अलगाववादी संगठन लगभग निष्क्रिय हो गया था। संगठन का अधिकांश शीर्ष और दूसरी पंक्ति का नेतृत्व जेल में है। पूर्व निर्वाचित विधायक गिलानी (92) अपने निधन के समय एक दशक से भी अधिक समय से नजरबंद थे। पुलिस ने कहा, एकत्रित साक्ष्यों के आधार पर और सक्षम प्राधिकारी से उचित अनुमोदन प्राप्त करके, कानूनी प्रावधानों के अनुसार संपत्ति कुर्क की गई।

चिदंबरम के बयान से कांग्रेस में बवाल, राशिद अल्वी ने कहा, इससे बीजेपी को फायदा होगा

-बीजेपी का तंज सोनिया और राहुल गांधी जबाव दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम के दावे पर कांग्रेस के अंदर बवाल मच गया है। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने इस बयान को पार्टी को कमजोर करने वाला बताया। अल्वी ने कहा, क्या इसका मतलब है कि वे अमेरिकी दबाव में काम कर रहे थे? उनका यह बयान सिर्फ बीजेपी को फायदा देगा।

दरअसल, चिंदबरम ने दावा किया था कि 26/11 हमले के बाद भारत अमेरिका के दबाव में पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई नहीं कर सका। साल 2008 में मुंबई में हमला हुआ, तब कांग्रेस नेता चिदंबरम केंद्रीय गृह मंत्री थे। उन्होंने इस बात का खुलासा किया कि तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस उनसे और प्रधानमंत्री मनमोहन से मिलने भारत आई थीं और उनसे स्थिति पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देने का अनुरोध किया था।

चिदंबरम का कहना था कि मेरे मन में बदला लेने का विचार आया था, लेकिन मनमोहन सरकार ने सैन्य कार्रवाई नहीं करने का फैसला किया। चिदंबरम ने कहा, पूरी दुनिया दिल्ली में यह कहने आई थी कि युद्ध मत शुरू कीजिए। उन्होंने आतंकी हमले के कुछ दिन बाद ही गृह मंत्री की जिम्मेदारी संभाली थी। मुंबई हमले में 175 लोगों की जान गई थी।

अब चिदंबरम के बयान पर कांग्रेस नेता अल्वी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। अल्वी ने कहा, क्या इसका मतलब है कि वे अमेरिकी दबाव में काम कर रहे थे? ऐसा बयान केवल बीजेपी को फायदा देगा। चिदंबरम अब 16 साल बाद यह दावा क्यों कर रहे हैं? अगर उस समय वे असहमत थे, तब उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए था। कांग्रेस के अंदर ही कई लोग हैं जो पार्टी को कमजोर करना चाहते हैं।

इसके पहले बीजेपी ने चिदंबरम के बयान पर तंज कसा था। बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने मनमोहन सिंह सरकार को कमजोर करार देकर राहुल गांधी पर सवाल दागे थे। प्रसाद ने कहा, मनमोहन सिंह सरकार में गृह मंत्री रहे चिदंबरम ने अब खुद माना है कि मुंबई हमलों के बाद वे पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई के पक्ष में थे, लेकिन उस समय विदेश मंत्रालय ने उन्हें रोक दिया और पूर्व पीएम सिंह चुप रहे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, यह कितनी कमजोर सरकार थी, जब निर्दोष भारतीय मारे जा रहे थे।

संघ संस्थापक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग

-बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के शताब्दी वर्ष में बीजेपी के सबसे बड़े मुस्लिम चेहरे ने संघ संस्थापक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग कर दी है। बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने इस बारे में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चिट्ठी लिखी है। अपनी चिट्ठी में सिद्दीकी ने डॉ हेडगेवार को स्वतंत्रता सेनानी और राष्ट्र-निर्माता बताया है। उन्होंने देश की सेवा और युवा पीढी में देशभक्ति की भावना भरने में उनके योगदान का हवाला दिया है। संघ के शताब्दी समारोह के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया है।

बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्दीकी ने कहा है, हेडगेवार के योगदानों-स्वतंत्रता संघर्ष में उनकी सक्रिय भागीदारी, राष्ट्र-निर्माण में उनके संगठनात्मक कौशल और एकजुट भारतीय समाज को लेकर उनके दृष्टिकोण को देखकर उन्हें भारत रत्न मिलना चाहिए। यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत बलिदानों को मान्यता देगा, बल्कि सभी स्वयंसेवकों को राष्ट्र के लिए अथक कार्य करने के लिए भी प्रेरित करेगा।

बात दें कि डॉ हेडगेवार का जन्म 1 अप्रैल, 1889 को नागपुर में हुआ था। उन्होंने 1925 में विजयादशमी के दिन नागपुर में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। गुरुवार यानी 2 अक्टूबर, 2025 को इसकी स्थापना के 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं। संघ इन दिनों पूरे देश में अपनी स्थापना का शताब्दी वर्ष मना रहा है। डॉ हेडगेवार संघ के संस्थापक सर संघचालक थे। मोहन भागवत आरएसएस के छठे सर संघचालक हैं।

आरएसएस के शताब्दी समारोह के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया है। इस मौके पर उन्होंने कहा है कि संघ के हर संगठन का भाव एक है-राष्ट्र प्रथम। उनका कहना है कि संघ का उद्देश्य व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण है। उन्होंने कहा कि संघ खुद भी तपता है और दूसरों को भी तपाता है।... संघ का एकमात्र लक्ष्य है.......एक भारत, श्रेष्ठ भारत। इस मौके पर पीएम मोदी ने आरएसएस के शताब्दी वर्ष के मौके पर एक विशेष डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया।

सांस्कृतिक-सामाजिक संगठन है आरएसएस

पीएम मोदी ने कहा कि परम पूज्य हेडगेवारजी ने 1925 में विजयादशमी के मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। हेडगेवार के देहांत के बाद गुरुजी ने राष्ट्र सेवा के महान अभियान को आगे बढ़ाया। बता दें कि आरएसएस खुद को एक सांस्कृतिक-

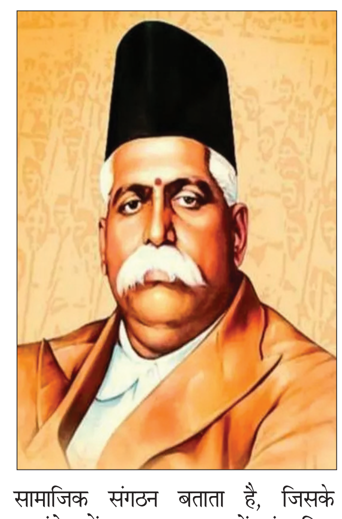

सामाजिक संगठन बताता है, जिसके स्वयंसेवकों का लक्ष्य समाज में सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ाना और नागरिकों में अनुशासन, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना जगाना है।

एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट में खुलासा, ओडिशा में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बढ़ोत्तरी हुई

भुवनेश्वर (एजेंसी)। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताजा रिपोर्ट, क्राइम इन इंडिया 2023 ने ओडिशा में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की बिगड़ती प्रवृत्ति का खुलासा हुआ है। 2023 में विभिन्न पुलिस थानों में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 25,914 मामले दर्ज हुए हैं, जो देश में छठा सबसे अधिक है। एनसीआरबी 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, ओडिशा में महिलाओं के खिलाफ साइबर अपराध के 761 मामले दर्ज हुए, जो सबसे ज्यादा हैं। इसमें अश्लील कंटेंट भेजना, ब्लैकमेलिंग, मानहानि, फोटो के साथ छेड़छाड़ और फर्जी प्रोफाइल बनाना शामिल है। एनसीआरबी की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है कि 1195 मामलों के साथ, ओडिशा उन शीर्ष 10 राज्यों में शामिल है (सातवें स्थान पर) है। 2023 में ओडिशा और कर्नाटक में पोर्नोग्राफी के लिए बच्चों के इस्तेमाल और बाल पोर्नोग्राफी सामग्री के भंडारण से संबंधित 30 मामले दर्ज किए गए, जो देश में चौथे सबसे अधिक मामले हैं। ओडिशा में महिलाओं की इज्जत को ठेस पहुंचाने के इरादे से हमले के 9,367 मामले दर्ज हुए, जो देश में चौथा सबसे बड़ा आंकड़ा है। इस श्रेणी में ओडिशा की अपराध दर (40.6) देश में सबसे अधिक है। इसके अलावा, ओडिशा में 2023 में महिलाओं के अपहरण और अगवा करने के 5,611 मामले दर्ज किए गए। इस श्रेणी में ओडिशा देश में सातवें स्थान पर है, लेकिन अपराध दर (24.3) के मामले में दिल्ली (39.5) के बाद दूसरा सबसे ऊंचा है।

अनुसूचित जनजाति के लोगों के खिलाफ 29 प्रतिशत बढ़े अपराध, देश में दूसरे नंबर पर मध्य प्रदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुसूचित जनजाति के कल्याण और उनके हक के लिए ताल ठोंककर दावा करने वाली सरकारों के लिए ये चौंकाने वाली रिपोर्ट है। अनुसूचित जनजाति के खिलाफ पूरे देश में करीब 29 प्रतिशत अपराध बढ़े हैं। जिन राज्यों में सर्वाधिक जुल्म और अत्याचार हुए हैं उसमें मणिपुर पहले और मध्य प्रदेश दूसरे नंबर पर है।

एनसीआरबी की रिपोर्ट में कहा गया है कि मणिपुर इस मामले में सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है, जहां मई 2023 से मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय हिंसा की आग अभी भी सुलग रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, वहां एसटी समुदाय के खिलाफ 3,399 मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि 2022 में ऐसे मामलों की संख्या सिर्फ एक थी और 2021 में कोई मामला दर्ज नहीं किया गया था। राज्यवार आंकड़ों की बात करें तो मणिपुर के बाद मध्य प्रदेश का स्थान दूसरे नंबर

पर है। जहां एसटी समुदाय के खिलाफ अपराध के 2,858 मामले दर्ज किए गए हैं।

आजादी के 78 सालों बाद भी देश के सबसे दबे-कुचले समुदाय के लोगों के खिलाफ अपराध के मामले कम होने का नाम नहीं ले रहे बल्कि उसकी संख्या में और इजाफा हो रहा है। इस बात की तस्दीक राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने की है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, देशभर में अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों के खिलाफ अपराध के मामलों में करीब 29 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2023 की तुलना में 2024 में अनुसूचित जनजातियों के खिलाफ अपराध के मामलों में 28.8 फीसदी की वृद्धि हुई है। 2024 में एसटी समुदाय के खिलाफ देश भर में कुल 12,960 मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि 2022 में यह संख्या 10,064 थी। राज्यवार आंकड़ों की बात करें तो मणिपुर के बाद मध्य प्रदेश का स्थान दूसरे नंबर पर है। जहां एसटी समुदाय के खिलाफ अपराध के 2,858 मामले दर्ज किए गए हैं। 2022 में यह संख्या 2,979 और 2021 में 2,627 थी। इसके बाद तीसरे स्थान पर राजस्थान है, जहाँ 2023 में ऐसे 2,453 मामले दर्ज किए गए, जो 2022 के 2,521 मामलों से कम है, लेकिन 2021 में दर्ज 2,121 मामलों से अधिक है।

महबूबा मुफ्ती ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना, बोलीं- कश्मीरियों को बंदूक की नोक पर राष्ट्रगान पर खड़े होने को किया जा रहा मजबूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार कश्मीर में लोगों को जबरन राष्ट्रगान के लिए खड़ा करवा रही है। उन्होंने दावा किया कि श्रीनगर में राष्ट्रगान के दौरान खड़े न होने पर 15 युवकों को हिरासत में लिया गया है।

महबूबा ने कहा, कि कश्मीर में लोगों को बंदूक की नोक पर राष्ट्रगान के लिए मजबूर किया जा रहा है। जब मैं छात्रा थी, तो हम अपनी इच्छा से राष्ट्रगान के सम्मान में खड़े होते थे। लेकिन अब यह दबाव डालकर करवाया जा रहा है। यह सरकार की विफलता है। दरअसल, 30 सितंबर की शाम श्रीनगर के टीआरसी फुटबॉल मैदान में राष्ट्रगान का आयोजन हुआ था। इस दौरान 15 युवक खड़े नहीं हुए, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें

हिरासत में लिया। इस कार्रवाई की महबूबा मुफ्ती ने कड़ी आलोचना की है।

खेल मैदानों को लेकर भी जताई नाराजगी

महबूबा ने बुधवार को मुस्लिम एजुकेशनल ट्रस्ट स्कूल के मैदान का दौरा किया और आरोप लगाया कि पुलिस इस मैदान पर शहीद स्मारक बनाने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, यह कदम युवाओं से खेल का मैदान छीनने जैसा है। हमारे खेल के मैदान धीरे-धीरे गायब किए जा रहे हैं। मैं डीजीपी से अपील करती हूं कि इस मैदान को बचाया जाए। इसके अलावा उन्होंने चट्टाबल इलाके के डेयरी फार्म मैदान का भी दौरा किया। यहां उन्होंने कहा कि यह मैदान दशकों से खेलों के लिए इस्तेमाल होता रहा है और स्थानीय लोग इसे बचाने की मांग कर रहे हैं। मुफ्ती ने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पुलवामा की नाइट क्रिकेट प्रतियोगिता की सराहना की थी, ऐसे में सेना को भी चाहिए कि यह मैदान युवाओं से न छीना जाए।

महबूबा मुफ्ती ने चेतावनी दी कि अगर युवाओं से खेल और सार्वजनिक स्थान छीने गए, तो असंतोष और बढ़ेगा। उन्होंने कहा, पुलिस हमारी रक्षक है। शहीदों का स्मारक कहीं और भी बनाया जा सकता है। जम्मू-कश्मीर में ऐसी जगहों की कोई कमी नहीं है।

मानसून विदाई को गलत साबित कर रही दिल्ली और राजस्थान की भारी बारिश

-जयपुर में रावण के पुतले बहे, दिल्ली में जलभराव और जाम से लोग होते रहे परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कहने को देशभर में मंगलवार को ही आधिकारिक रूप से मानसून का समापन हो गया, लेकिन बारिश का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। जयपुर और आसपास के इलाकों में मंगलवार को महज दो घंटे की तेज बारिश ने हालात बिगाड़ के रख दिए। कई इलाकों में 2 से 3 फीट तक पानी भर गया और दशहरा उत्सव के लिए तैयार रावण के पुतले बहते नजर आए। आज भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इस मानसून देशभर में सामान्य से 8 प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है।

यहां दिल्ली में भी मौसम विभाग का पूर्वानुमान गलत साबित होता हुआ दिखा। दरअसल मंगलवार को दिल्ली में मौसम ने अचानक करबट ली और दिनभर तेज वर्षा हुई, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। जलभराव और जगह-जगह जाम से लोग परेशान होते रहे। इस बारिश ने गर्मी से राहत तो दिलाई लेकिन लोगों को परेशानी भी खूब हुई। यहां बुधवार और गुरुवार को भी वर्षा का अनुमान है। वहीं मानसून विदाई के बावजूद राजस्थान में हो रही बारिश सभी को हैरान कर रही है। यहां कोटा में 221 फीट ऊंचा रावण का पुतला बारिश में भीग गया। दावा है कि यह दुनिया का सबसे ऊंचा रावण का पुतला है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि दशहरे के दिन यानी 2 अक्टूबर को भी राजस्थान में तेज बारिश हो सकती है।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, इस बार जून से सितंबर तक के मानसून सीजन में देशभर में सामान्य से 8प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई। औसतन 868.6 मिमी वर्षा होती है, जबकि इस साल 937.2 मिमी दर्ज की गई। इस मानसूनी बारिश ने हालांकि खुशहाली के साथ-साथ तबाही लाने का भी काम किया है। आंकड़ों के अनुसार, इस मानसून में मौसम से जुड़ी घटनाओं से करीब 1520 लोगों की जान चली गई। इनमें से 935 मौतें बाढ़ और भारी बारिश से हुईं, जबकि 570 लोगों की मौत बिजली गिरने और आंधी-तूफान की वजह से हुईं। आईएमडी ने यह भी बताया कि अक्टूबर से दिसंबर तक बारिश का दौर जारी रहेगा। अक्टूबर में सामान्य से 15 प्रतिशत ज्यादा वर्षा होने का अनुमान है। दक्षिणी राज्यों तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल और कर्नाटक में भी मानसून के बाद सामान्य से अधिक बारिश की संभावना है।

दिल्ली में बादल और हल्की बारिश की संभावना

राजधानी दिल्ली में बुधवार को न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से थोड़ा कम है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में 38 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि आज दिनभर बादल छाए रहेंगे और कहीं-कहीं हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है।

उत्तर प्रदेश में बारिश और हादसे

उत्तर प्रदेश के वाराणसी, जौनपुर और कानपुर सहित 36 जिलों में बुधवार को बारिश का अलर्ट है। वाराणसी में मंगलवार शाम से शुरू हुई बारिश रातभर जारी रही और बुधवार सुबह तक करीब 60 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। लगातार बारिश से लोटा टीला

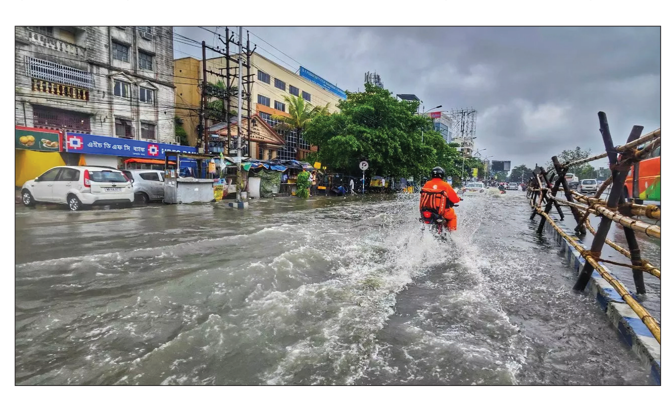

मठ की दीवार गिर गई। जालौन में आकाशीय बिजली गिरने से 100 साल पुराना शिव मंदिर ढह गया। वहीं फतेहपुर में बिजली गिरने से छह लोगों की मौत हो गई।

इस तरह से भले ही मानसून का आधिकारिक समापन हो गया, लेकिन देश के कई हिस्सों में बारिश का सिलसिला अभी थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसे में प्रशासन और आम जनता दोनों को सतर्क रहने की जरूरत है ताकि मौसम से होने वाले हादसों की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

संक्षिप्त समाचार

अफगानिस्तान में तालिबान की सख्ती, इंटरनेट सेवाएं ठप

काबुल, एजेंसी। सोमवार को अफगानिस्तान में अचानक इंटरनेट ब्लैकआउट की स्थिति पैदा हो गई, जिससे देशभर में फाइबर-ऑप्टिक इंटरनेट सेवाएं ठप हो गईं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कदम तालिबान सरकार द्वारा अनैतिकता रोकने के प्रयास के तहत उठाया गया है। मामले में नेटब्लॉक्स नामक इंटरनेट निगरानी संस्था ने बताया कि सोमवार को अफगानिस्तान में इंटरनेट कनेक्टिविटी सिर्फ 14% रह गई, जो लगभग पूरे देश में टेलिकॉम सेवाओं के ठप होने का संकेत है। संस्था ने कहा कि इससे लोगों का बाहरी दुनिया से संपर्क लगभग कट गया है। यह पहला मौका है जब अगस्त 2021 में सत्ता में आने के बाद तालिबान सरकार ने इतनी बड़ी इंटरनेट बंदी की है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कुछ हफ्ते पहले तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्ला अखुंदजादा ने फाइबर-ऑप्टिक इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था, ताकि समाज में बढ़ती卐अनैतिकता卐 को रोका जा सके। तब से कई प्रांतों में इंटरनेट सेवाएं बाधित हो चुकी थीं।

कोयला उद्योग को फिर से खड़ा करने में जुटे ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश में कोयला उद्योग को दोबारा ज़िंदा करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। ट्रंप प्रशासन ने सोमवार को घोषणा की कि 13 मिलियन (1.3 करोड़) एकड़ संघीय जमीन को कोयला खनन के लिए खोला जाएगा और 625 मिलियन डॉलर की मदद से देश के पुराने कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को फिर से चालू या आधुनिक बनाया जाएगा। यह फैसला ऊर्जा विभाग, आंतरिक मंत्रालय और पर्यावरण संरक्षण एजेंसी द्वारा लिया गया है। यह कदम ट्रंप द्वारा अप्रैल में जारी कार्यकारी आदेशों का हिस्सा है, जिसमें उन्होंने कोयला उद्योग को फिर से मजबूत बनाने की बात कही थी। अमेरिका में कोयला, एक भरोसेमंद लेकिन प्रदूषणकारी ऊर्जा स्रोत रहा है, जो पिछले कुछ वर्षों में सख्त पर्यावरण नियमों और सस्ती प्राकृतिक गैस के कारण घटता जा रहा था।

टेक्सास में कसीनो पार्किंग में शख्स ने की गोलीबारी, दो लोगों की मौत-कई घायल; जांच में जुटे अधिकारी

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास के एक सीमा शहर में साप्ताहांत के दौरान एक शख्स ने कसीनो की पार्किंग में गोलीबारी की। इसमें दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि आखिर उस व्यक्ति ने गोलीबारी क्यों की। आरोपी केरयान रशान जोन्स (34 वर्षीय) को शनिवार रात गोलीबारी के कुछ घंटों बाद एक ट्रैफिक स्टॉप पर गिरफ्तार किया गया। घटना किकाफू लकी ईगल कसीनों की पार्किंग में हुई थी, जो ईगल पास के नजदीक है। पीछा करने के बाद पुलिस ने जोन्स को रविवार को सुबह स्कॉटडेल के पास पकड़ा गया। स्कॉटडेल, ईगल पास से करीब 290 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। विल्सन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने यह जानकारी दी। मैवरिक काउंटी के शेरिफ टॉम श्मरबेर के मुताबिक, दो लोगों की हत्या करने और पांच लोगों को घातक हथियार से नुकसान पहुंचाने के आरोप में जोन्स के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामले दर्ज किए गए हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि जोन्स को कहां रखा गया है और क्या उसकी ओर से कोई वकील पैरवी कर रहा है या नहीं। टेक्सास के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के लेफ्टिनेंट क्रिस्टोफर ओलिवारेज ने कहा कि गोलीबारी किस वजह से हुई, इसकी अभी जांच चल रही है। टेक्सास पुलिस डिपार्टमेंट इस पूरे मामले की जांच कर रही है और उसने बताया कि जांच पूरी होने तक कसीनो बंद रहेगा।

गाजा युद्ध पर विरोध जताना पड़ा भारी, अमेरिका ने कोलंबिया के राष्ट्रपति का वीजा रद्द किया

वाशिंगटन, एजेंसी। कोलंबिया और अमेरिका के बीच रिश्तों में नया तनाव देखने को मिला है। सोमवार को कोलंबिया सरकार ने बताया कि देश की विदेश मंत्री रोसा विलाविसेंसियो ने अपने अमेरिकी वीज़ा को त्याग दिया है, यह कदम उन्होंने राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो का वीज़ा रद्द किए जाने के विरोध में उठाया। राष्ट्रपति पेट्रो ने हाल ही में न्यूयॉर्क में गाजा युद्ध के खिलाफ एक प्रदर्शन में हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने फिलिस्तीन को आज़ाद कराने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय सेना बनाने की मांग की थी और अमेरिकी सैनिकों से ट्रंप के आदेश न मानने की अपील भी की थी। वह फिलिस्तीनी पारंपरिक स्कार्फ कुफिया पहनकर प्रदर्शन में शामिल हुए थे। इसके कुछ ही घंटों बाद अमेरिकी विदेश विभाग ने घोषणा की कि पेट्रो के भड़काऊ और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार के चलते उनका वीज़ा रद्द किया जा रहा है। उस वक्त राष्ट्रपति पेट्रो यूएन महासभा में शामिल होने के बाद कोलंबिया लौट चुके थे।

इंडोनेशिया में इस्लामिक स्कूल की इमारत ढही, एक छात्र की मौत और 65 मलबे के नीचे दबे

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया में इस्लामिक स्कूल की इमारत मंगलवार को अचानक ढह गई। इसकी चपेट में आने से एक छात्र की मौत हो गई। मलबे के नीचे अभी 65 छात्रों के दबे होने की आशंका है। राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सिदोअर्जो के ईस्ट जावा कस्बे में अल खोजिनी इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल स्थित है। इसकी इमारत ढहने की सूचना मिलने के बाद बचावकर्मी, पुलिस और सैन्यकर्मी पूरी रात राहत व बचावकार्य में जुटे रहे। रिपोर्ट के मुताबिक, स्कूल की इमारत जर्जर हालत में थी। घटना के 12 घंटे से भी अधिक समय बाद मंगलवार सुबह छात्रों को बाहर निकालने के प्रयास जारी रहे। उन्होंने बताया कि घटना में एक छात्र की मौत हो गई। कई अन्य घायल हो गए। कम से कम 65 छात्रों के मलबे में दबे होने की आशंका है। इन छात्रों की उम्र 12 से 17 वर्ष के बीच है।

इमारत का किया जा रहा था विस्तार : घटना के 8 घंटे से अधिक समय बाद पुलिस, सैन्यकर्मी और बचावकर्मी आठ घायलों को बाहर निकालने में सफल रहे। बचावकर्मियों को इस दौरान और शव भी दिखे, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। प्रांतीय पुलिस के प्रवक्ता जूल्स अब्राहम अबास्ट ने बताया कि छात्र उस इमारत में दोपहर की नमाज अदा कर रहे थे। इमारत का अनधिकृत विस्तार किया जा रहा था, तभी अचानक वह गिर गई। इस निर्माण कार्य को लेकर जांच की जाएगी और उसके आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

मलबे में कई शव देखे गए : घटना इंडोनेशिया के पूर्वी जावा के सिदोअर्जो शहर के अल खोजिनी इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल में हुई। कई घंटों के बचाव कार्य के बाद मलबे से आठ छात्रों को निकाला गया और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। बचावकर्मियों ने मलबे में कई शव देखने का दावा किया है, जिससे आशंका है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। फिलहाल बचावकर्मी जीवित लोगों को जल्द से जल्द मलबे से निकालने की कोशिश कर रहे हैं। छात्रों के परिजन मौके पर मौजूद हैं और अपने बच्चों की खबर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कई परिजन रोते-बिलखते देखे गए। लापता 65 छात्रों में से अधिकतर सातवीं से 11वीं कक्षा के छात्र हैं, जिनकी उम्र 12 साल से लेकर 17 साल के बीच है। खोज और बचाव अभियान का नेतृत्व कर रहे एक अधिकारी ने बताया कि कंक्रीट के भारी स्लैब और अन्य मलबे के चलते बचाव कार्य बाधित हो रहा है। उन्होंने बताया कि बचाव कार्य के लिए भारी उपकरणों का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है क्योंकि भारी उपकरणों से ढहा हुआ मलबा और ढह सकता है। यही वजह है कि बचाव कार्य में देरी हो रही है।

पुलिस ने बताया- इमारत के अवैध विस्तार से हुआ हादसा : प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि छात्र एक इमारत में दोपहर की प्रार्थना कर रहे थे, उसी दौरान इमारत गिर गई। उन्होंने बताया कि स्कूल इमारत का अनधिकृत विस्तार किया जा रहा था। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में एक 13 वर्षीय छात्र की मौत हो गई और 99 अन्य छात्र घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। अधिकारी इमारत के ढहने के कारणों की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि पुराना प्रार्थना कक्ष दो मंजिला था, लेकिन बिना अनुमति के दो और मंजिलें बनाई जा रही थीं। पुरानी इमारत की नींव कंक्रीट की दो मंजिलों का वजन नहीं संभाल पाई और ढह गई।

अदन की खाड़ी में कार्गो शिप पर हमला, जहाज छोड़कर भागा चालक दल; हूती विद्रोहियों पर लगा आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। हॉलैंड का झंडा लगे एक कार्गो जहाज पर सोमवार को अदन की खाड़ी में मिसाइल हमला हुआ। इस हमले में जहाज बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ है और चालक दल के दो सदस्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हमले के बाद चालक दल के सदस्य जहाज को छोड़कर भाग गया। अदन की खाड़ी में किसी जहाज पर हुआ यह हाल के समय में सबसे गंभीर हमला है। जिस जगह हमला हुआ, वह लाल सागर से कुछ दूरी पर है। हमले का आरोप ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोहियों पर लगा है। हालांकि अभी तक हूती विद्रोहियों ने आधिकारिक तौर पर हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। फ्रांसीसी सेना के मेरीटाइम सेंटर ने दावा किया है कि कार्गो शिप पर हमला हूती विद्रोहियों द्वारा ही किया गया है। जिस कार्गो शिप पर हमला हुआ, उस पर बीती 23 सितंबर को भी हमले की असफल कोशिश हुई थी। वह हमला भी अदन की खाड़ी में किया गया था। अदन की खाड़ी, बाब अल मंदेब जलडमरूमध्य को लाल सागर से जोड़ती है। बाब अल मंदेब जलडमरूमध्य पूर्वी अफ्रीका को अरब प्रायद्वीप से अलग करता है। जिस जगह जहाज पर हमला हुआ, वह दुनिया के सबसे खास समुद्री रास्तों में से एक है। खासकर कच्चे तेल के व्यापार के लिए यह रूट बेहद अहम है।

शहबाज शरीफ और असीम मुनीर हमेशा हमारे साथ रहे, गाजा प्लान पर पाकिस्तान का समर्थन मिलने पर बोले ट्रंप

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गाजा युद्ध खत्म करने की शांति योजना का पाकिस्तान ने समर्थन किया है। ट्रंप ने इसको लेकर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की तारीफ की। व्हाइट हाउस की ओर से से 20 बिंदुओं की शांति योजना की घोषणा की गई, जिसके बाद ट्रंप ने प्रेस वार्ता की। उन्होंने बताया कि यह योजना इस्राइल और हमास के बीच जारी संघर्ष को खत्म करने के मकसद से तैयार की गई है। इस प्रेस वार्ता में ट्रंप ने सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे कई अरब और इस्लामी देशों के नेताओं का आभार जताया, जिन्होंने इस योजना के लिए सुझाव दिए हैं। उन्होंने इस योजना को नए गाजा के पुनर्निर्माण के लिए एक साझा प्रयास बताया। ट्रंप ने पाकिस्तानी नेतृत्व की चर्चा करते हुए कहा, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल (जनरल असीम मुनीर) शुरुआत से ही हमारे साथ थे। उन्होंने अभी एक बयान जारी किया है कि वे इस प्रस्ताव पर पूरी तरह विश्वास रखते हैं। ट्रंप ने आगे कहा, अभी मैं घूम रहा था तभी अधिकारियों ने मुझे बताया- सर, आपके लिए एक बड़ा संदेश है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल इस योजना का सौ फीसदी समर्थनक कर रहे हैं। शहबाज शरीफ ने एक्स पर ट्रंप की इस योजना का स्वागत किया और कहा कि फलस्तीनियों और इस्राइलियों के बीच स्थायी शांति इस क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक विकास के लिए जरूरी है। अगर इस्राइल और हमास दोनों ट्रंप की इस योजना पर सहमत होते हैं, तो युद्ध तत्काल खत्म हो जाएगा। योजना के मुताबिक, दोनों पक्ष बंधकों को रिहा करेंगे और हमास को पूरी तरह निरस्त्र किया जाएगा। इसके बाद इस्राइली सेना गाजा से पीछे हटेगी और सभी सैन्य अभियान रोक दिए जाएंगे। इस योजना के स्वीकार करने के बाद इस्राइल 72 घंटों के भीतर सभी बंधकों को वापस लेगा, चाहे वे जीवित हों या मृत। इसके बदले में इस्राइल उम्रकैद की सजा पा चुके 250 फलस्तीनी कैदियों और सात अक्तूबर 2023 के बाद गिरफ्तार किए गए 1700 गाजावासियों को रिहा करेगा, जिनमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। ट्रंप ने इससे पहले भी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख असीम मुनीर की तारीफ की थी और उन्हें शानदार इंसान बताया था। यह बयान उन्होंने व्हाइट हाउस में एक तय मुलाकात से पहले दिया था। ट्रंप ने कहा था।

भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवर ने खुद को बताया निर्दोष

फ्लोरिडा , एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा के हाईवे पर बीते दिनों हुए दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत के मामले में आरोपी भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवर हरजिंदर सिंह ने खुद को निर्दोष बताया है। 28 वर्षीय हरजिंदर सिंह ने सोमवार को अदालत में अपनी पहली पेशी छोड़ दी और गुनाह कबूल नहीं है की दलील दी। बता दें कि 12 अगस्त को फ्लोरिडा के टर्नपाइक हाईवे पर हरजिंदर सिंह ने अपने बड़े ट्रक से अचानक गैरकानूनी यू-टर्न लेने की कोशिश की। तभी पीछे से आ रही एक मिनीवैन ट्रक से टकरा गई। हादसे में वैन के ड्राइवर और दो यात्रियों की मौके पर मौत हो गई। सिंह और उनके साथ ट्रक में मौजूद व्यक्ति को कोई चोट नहीं आई।

हरजिंदर सिंह पर विहिकलर होमिसाइड (यानि लापरवाही से गाड़ी चलाकर मौत की वजह बनना) के तीन मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा उन पर अमेरिका में अवैध रूप से रहने और इमिग्रेशन नियमों के उल्लंघन के आरोप भी हैं। उन्हें फ्लोरिडा की सेंट लूसी काउंटी जेल में रखा गया है और कोर्ट ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया है। इतना ही नहीं जांच में सामने आया कि सिंह को पहले वॉशिंगटन में और फिर कैलिफोर्निया में कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस दिया गया था, जबकि उनके इमिग्रेशन स्टेटस के चलते उन्हें यह लाइसेंस मिलना ही नहीं चाहिए था। इस मामले के बाद ट्रंप प्रशासन और कैलिफोर्निया के गवर्नर के बीच बयानबाज़ी भी शुरू हो गई।

मामले में अमेरिका के परिवहन मंत्री शॉन डफी ने हादसे के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कई राज्यों में गैर-कानूनी तरीके से सीडीएल (कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस) जारी किए जा रहे थे। कैलिफोर्निया में सबसे ज्यादा लापरवाही मिली, जिसके चलते अमेरिकी सरकार अब राज्य से 160 मिलियन डालर (करीब 1300 करोड़ रुपये) की फंडिंग रोकने की चेतावनी दे रही है। अब इस मामले में अगली सुनवाई शुक्रवार को प्री-ट्रायल डॉकेट कॉल के रूप में होगी।

ट्रंप ने बदल दिया गाजा का नक्शा, खींची नीली-पीली और लाल रंग से सीमा

गाजा , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में युद्ध विराम की योजना पर सहमति जताई है। इसके साथ ही ट्रंप ने युद्धग्रस्त फिलिस्तीन क्षेत्र में युद्ध के बाद शासन स्थापित करने के लिए एक 20-सूत्रीय योजना की पेशकश की है। ट्रंप की इस योजना के तहत गाजा में एक अस्थायी शासी बोर्ड की स्थापना की जाएगी, जिसके अध्यक्ष ट्रंप होंगे, जबकि पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर भी उस बोर्ड में शामिल होंगे। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि हमास ने उन शर्तों पर हामी भर दी है या उसे 20 सूत्री प्रस्ताव पर ऐतराज है।

वाइट हाउस में ट्रंप ने 20 सूत्री प्रस्ताव का ऐलान करते हुए कहा कि इससे बेंजामिन सहमत हैं। उन्होंने इस मौके पर गाजा का एक नक्शा भी जारी किया, जिस पर लाल, नीली और पीली रंग से रेखाएं खींची गई हैं। इस नक्शे के अनुसार गाजा और इजरायल के बीच हमेशा के लिए एक बफर जोन होगा। ट्रंप के प्रस्ताव के मुताबिक उस बफर जोन की रेखा के इस पार या उस पार इजरायली और फिलिस्तीनी सैनिकों और आम जनों के आने-जाने पर पूर्ण पाबंदी होगी। यानी न तो सैनिक और न ही आमजन इस रेखा को पार कर सकेंगे।

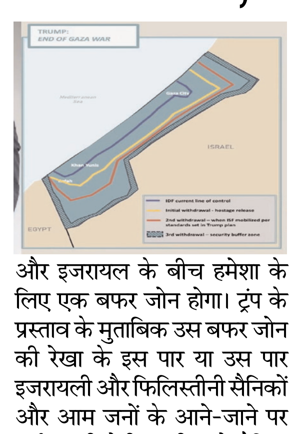

नीली-पीली और लाल रेखा का क्या मतलब : राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा स्वीकृत गाजा प्लान के तहत जो नक्शा जारी किया गया है, उस पर तीन रंग (नीली, पीली और लाल) की लाइनें हैं। उसके बाद इजरायल सीमा से सटा एक बफर जोन भी है। गाजा पट्टी के नक्शे पर जो नीली रेखा खींची गई है, वहां तक अभी इजरायली रक्षा बलों का कंट्रोल है। यह रेखा खान सूनुस के करीब है। इसके बाद राफा से होकर पीली रेखा खींची गई है। इसे विदड्रावल लाइव कहा गया है। इसका मतलब यह हुआ कि जैसे ही हमास बंधकों की रिहाई करेगा, 72 घंटे के अंदर इजरायली फौज इस पीली रेखा तक वापस आ जाएगी।

बफर जोन के आर-पार जाने की इजाजत नहीं : इस रेखा के बाद सेकंड विदड्रावल लाइन भी खींची गई है, जो लाल रंग से अंकित है। यानी पीछे हटती हुई इजरायली सेना इस लाइन तक आकर रुक जाएगी। इसके बाद एक और रेखा खींची गई है जो इजरायल की सीमा से सटी हुई है। इसे बफर जोन कहा गया है। थर्ड विदड्रावल के बाद इजरायली सैनिक इसी रेखा के पास आकर रुक जाएंगे। प्रस्ताव में कहा गया है कि इस बफर जोन के आर-पार जाने की किसी को भी इजाजत नहीं होगी। ट्रंप ने अपने प्लान को बताते हुए कहा कि इजरायल और अन्य देशों ने भी गाजा के इस नए नक्शे और प्लान की रूपरेखा को स्वीकार कर लिया है। प्लान में कहा गया है कि यदि योजना दोनों पक्षों द्वारा स्वीकार कर ली जाती है, तो युद्ध तुरंत समाप्त हो जाएगा। इसके अलावा गाजा में बंद सभी जीवित और मृत बंधकों को 72 घंटों के भीतर वापस लौटा दिया जाएगा और बदले में फिलिस्तीनी कैदियों को भी रिहा कर दिया जाएगा।

नेतन्याहू जो करना चाहेंगे, उसे पूरा समर्थन- ट्रंप : प्लान के मुताबिक गाजा पट्टी पर अस्थायी रूप से एक फ़िलिस्तीनी तकनीकी सरकार का शासन होगा, जिसमें हमास की कोई भूमिका नहीं होगी और इजरायल गाजा पर कब्ज़ा नहीं करेगा। ट्रंप ने उम्मीद जताई है कि हमास भी इस योजना को स्वीकार कर लेगा। उन्होंने हमास को धमकी देते हुए दो टूक कहा है कि अगर हमास इस योजना को नहीं मानता है तो वह इजरायली प्रधानमंत्री को खुली छूट देंगे और नेतन्याहू जो करना चाहेंगे, उसे उनका पूरा समर्थन होगा।

पीओजेके में प्रदर्शन के दौरान हिंसा में तीन की मौत; प्रदर्शनकारियों को मिला पुलिस का साथ

मुजफ्फराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में सोमवार को हालात उस वक्त बिगड़ गए जब क्षेत्र की पुलिस भी पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ सड़कों पर उत्तर आई। अवामी एक्शन कमेटी पहले से क्षेत्रीय समस्याओं के खिलाफ शहबाज सरकार के विरोध में धरने-प्रदर्शन करती आ रही है। सोमवार को स्थानीय पुलिसकर्मियों में भी पाकिस्तान की सरकार के प्रति नाराजगी देखने को मिली। हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई और 22 लोग घायल हो गए।

स्थानीय पुलिसकर्मियों ने मांगे पूरी न होने पर पूरे पीओजेके में बंद किया। हालात नियंत्रित करने के लिए सरकार ने भारी संख्या में सुरक्षा बल को प्रांत में तैनात कर दिया। इनमें 7,000 सुरक्षाबल और फ्रंटियर फोर्स के सैनिकों को तैनाती मिली। स्थानीय पुलिसकर्मियों ने पाकिस्तानी सरकार के सामने 11 सूत्रीय मांगें रखीं थीं, जिनमें वेतन वृद्धि से लेकर जोखिम भत्ता, आवास और सरकारी योजनाओं का लाभ देने के प्रावधान शामिल थे।

कई घंटे की बैठक के बाद वार्ता हुई नाकाम : अवामी एक्शन कमेटी के नेता शौकत नवाज मीर ने कहा, हमारा अभियान किसी संस्था के खिलाफ नहीं है। लेकिन, पिछले 70 वर्षों से पीओजेके के लोगों को मौलिक अधिकार नहीं मिले हैं। बस अब बहुत हो गया। या तो हमें हमारे अधिकार दो और या फिर लोगों के गुस्से का सामना करें। पाकिस्तान सरकार कमेटी से बातचीत भी कर रही है। हालांकि 13 घंटे तक चली बैठक के बाद यह बार्ता नाकाम हो गई।

जनजीवन ठप : पीओजेके में सोमवार को पूर्ण हड़ताल हुई। बाजार, दुकानें और व्यावसायिक केंद्र बंद रहे। कश्मीरी आबादी द्वारा सभी व्यावसायिक गतिविधियों को रोककर संयुक्त कार्रवाई समिति के प्रति मजबूत समर्थन जताने के कारण पूरे क्षेत्र को सड़कें और गलियां वीरान रहीं। सोमवार को पीओजेके में जनजीवन ठप रहा।

इंटरनेट ब्लैकआउट पर अंतरराष्ट्रीय दखल का आग्रह : यूनाइटेड कश्मीर पोपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने पीओजेके में इंटरनेट व फोन सेवाएं बंद करने के बाद अंतरराष्ट्रीय अपील जारी की है। संगठन ने कहा, यह संचार ब्लैकआउट पाकिस्तानी अफसरों के शांतिपूर्ण असहमति को दबाने और बढ़ती अशांति में क्षेत्र को वैश्विक समुदाय से अलग-थलग करने की जानबूझकर की गई एक चाल है। प्रदर्शनकारी यहां बुनियादी अधिकारों व आर्थिक न्याय की मांग कर रहे हैं। पीओजेके में पाकिस्तान पर दशकों से लोगों के राजनीतिक दमन के आरोप लगे हैं, जिनके विरोध में प्रदर्शन चल रहे हैं। यूकेपीएनपी ने चेताया कि पाकिस्तान ने पूरे क्षेत्र में अर्धसैनिक रेंजर्स और अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया है, जिससे हिंसा संभव है।

फरवरी 2026 से एच-1बी वीजा में बड़े बदलाव करने जा रहा अमेरिका, भारतीय पेशेवरों पर पड़ेगा असर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने कहा कि फरवरी 2026 से पहले एच-1बी वीजा प्रक्रिया में काफी बदलाव होंगे। गौरतलब है कि ट्रंप सरकार ने एच-1बी वीजा की फीस कई गुना बढ़ाकर 100,000 अमेरिकी डॉलर कर दिया है और नया शुल्क भी फरवरी 2026 से ही लागू होगा। लुटनिक ने एच-1बी वीजा पर सस्ते तकनीकी सलाहकारों के देश में आने और अपने परिवारों को लाने के विचार को बिल्कुल गलत बताया।

लॉटरी सिस्टम को खत्म कर सकती है अमेरिकी सरकार : लुटनिक ने एक हालिया इंटरव्यू में बताया कि फरवरी 2026 में जब एच1बी वीजा की बढ़ी हुई फीस लागू होगी, तब इसमें कई बड़े बदलाव होंगे। लुटनिक ने संकेत दिए कि अमेरिकी सरकार एच1बी वीजा के तहत लॉटरी सिस्टम को खत्म कर सकती है। लुटनिक ने लॉटरी सिस्टम की आलोचना की और सवाल किया कि क्या किसी देश को लॉटरी के जरिए कुशल श्रमिकों को अपने देश में लाना चाहिए? अमेरिका के वाणिज्य मंत्री लुटनिक ने कहा कि एच-1बी लॉटरी को ठीक किया जाना चाहिए और अमेरिका को उच्च-कुशल नौकरियां केवल सबसे कुशल लोगों को ही देनी चाहिए।

उच्च प्रशिक्षित पेशेवरों को ही मिलेगी वरीयता : लुटनिक ने कहा कि कंपनियों को ऐसे तकनीकी सलाहकारों और प्रशिक्षुओं को रखने का विचार समाप्त कर देना चाहिए जो सस्ते हों। इस बारे में मेरी राय पक्की है। मुझे लगता है कि राष्ट्रपति इन मुद्दों पर मेरे साथ हैं। मेरा मानना है कि सस्ते तकनीकी सलाहकार इस देश में आएं और अपने परिवारों को भी लाएं, ये मुझे बिल्कुल गलत लगता है, और मैं इसे सही नहीं मानता हूं। माना जा रहा है कि भविष्य में अमेरिकी सरकार एच1बी वीजा के तहत सिर्फ उच्च प्रशिक्षित पेशेवरों को ही वरीयता दे सकती है। एच-1बी वाजी की बढ़ी हुई फीस से अमेरिका में काम करने के इच्छुक भारतीय पेशेवरों पर गंभीर असर होगा। गौरतलब है कि एक लाख अमेरिकी डॉलर एच1बी वीजा के लिए एकमुश्त शुल्क होगा। हालांकि नई दरें मौजूदा वीजा धारकों पर लागू नहीं होंगी और केवल नए आवेदकों को ही बढ़ी हुई फीस का भुगतान करना होगा। एच1बी वीजा प्रक्रिया को 1990 में शुरू किया गया था और दुनियाभर के पेशेवरों के लिए, जो अमेरिका में अपना करियर बनाना चाहते हैं, यह एच-1बी वीजा खासा लोकप्रिय है। अब जब अमेरिका सरकार इसके नियम कड़े करने जा रही है तो इसका असर भारतीय पेशेवरों पर भी पड़ेगा क्योंकि बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर एच-1बी वीजा के दम पर ही अमेरिका में काम कर पाते हैं। इस महीने अमेरिकी श्रम विभाग ने प्रोजेक्ट फायरवॉल की शुरुआत की घोषणा की है।

नोबेल की दौड़ में इस बार 338 दावेदार; लेकिन ट्रंप को नहीं मिलेगा

ओस्लो, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार पाने के लिए खासे बेकरार हैं, लेकिन ट्रंप पुरस्कार की दौड़ से पहले ही बाहर हो गए हैं। दरअसल नोबेल के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति का नाम समयसीमा के बाद प्रस्तावित किया गया। ओस्लो में 10 अक्तूबर को होने वाले पुरस्कारों के एलान के लिए इस बार दौड़ में 338 दावेदार हैं।

नॉर्वेजियन नोबेल समिति में नॉर्वेजियन संसद के नियुक्त पांच व्यक्ति होते हैं। ये सदस्य अक्सर सेवानिवृत्त राजनेता होते हैं, लेकिन हमेशा नहीं। वर्तमान समिति का नेतृत्व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करने वाले समूह पीईएन इंटरनेशनल की नॉर्वेजियन शाखा के प्रमुख करते हैं। एक अन्य सदस्य एक शिक्षाविद हैं। इन सभी सदस्यों को नॉर्वेजियन राजनीतिक दल नामित करते हैं और इनकी नियुक्तियां नॉर्वे की संसद में शक्ति संतुलन को उजागर करती हैं। कौन जीत सकता है : ऐसा कोई भी शख्स जो स्वीडिश उद्योगपति अल्फ्रेड नोबेल की 1895 की वसीयत में दिए गए विवरण पर खरा उतरे। वह नोबेल पुरस्कार का हकदार होता है। इसके मुताबिक, पुरस्कार ऐसे शख्स को दिया जाना चाहिए जिसने राष्ट्रों के बीच भाईचारे को बढ़ावा देने,स्थायी सेनाओं को खत्म करने या कम करने और शांति सम्मेलनों की स्थापना और संवर्धन के लिए सबसे अधिक या सर्वोत्तम काम किया हो। पुरस्कार की तैयारी का काम देखने वाले नोबेल शांति पुरस्कार समिति के सचिव क्रिस्टियन बर्ग हार्पविकेन के मुताबिक, विजेता चुनना आसान नहीं होता। उनके अनुसार यह पुरस्कार मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर समझना चाहिए। समिति दुनिया में हो रही घटनाओं,अंतरराष्ट्रीय रुझानों, बड़ी चिंताओं और सबसे आशाजनक प्रक्रियाएं मसलन, फिर चाहे वह शांति प्रक्रिया हो या नया अंतरराष्ट्रीय समझौता तक हो सकती हैं। हार्पविकेन चर्चाओं में शामिल हो सकते हैं,लेकिन मतदान नहीं कर सकते।

कौन नामांकित कर सकता है : हजारों लोग नामों का प्रस्ताव कर सकते हैं। इनमें सरकारों और संसदों के सदस्य,वर्तमान राष्ट्राध्यक्ष,इतिहास, सामाजिक विज्ञान, कानून और दर्शनशास्त्र के विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और पूर्व नोबेल शांति पुरस्कार विजेता या अन्य शामिल होते है। इस साल पुरस्कार के लिए 338 नामांकित शख्स हैं। इन नामों की पूरी सूची 50 साल तक गुप्त रहती है, हालांकि कुछ लोग अपने नामांकन खुद जाहिर कर देते हैं। हार्पविकेन बताते हैं कि नामांकन 31 जनवरी को बंद हो जाते हैं। समिति सदस्य अपनी पहली बैठक (फरवरी) तक नाम जोड़ सकते हैं। उसके बाद सभी नामों की समीक्षा कर एक शॉर्टलिस्ट बनाई जाती है। हर उम्मीदवार का मूल्यांकन स्थायी सलाहकार और विशेषज्ञों करते हैं। समिति लगभग महीने में एक बार मिलती है और आमतौर पर निर्णय अगस्त या सितंबर में लेती है। समिति सहमति से फैसला चाहती है, लेकिन जरूरत पड़ने पर मतदान होता है। आखिरी बार समिति सदस्य का विरोध में इस्तीफा 1994 में हुआ था, तब फलस्तीनी नेता यासिर अराफात के इस्राइल के शिमोन पेरेज और यित्जाक राबिन को संयुक्त तौर पर नोबेल पुरस्कार मिला था। पूरी सूची 50 साल तक गुप्त रहती है, हालांकि नामांकन करने वाले चाहें तो नाम सार्वजनिक कर सकते हैं। इस साल जिनके नाम सामने आए उनमें अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय,नाटो, जेल में बंद हांगकांग कार्यकर्ता चाउ हैंग तुंग और कनाडाई मानवाधिकार वकील इरविन कोटलर शामिल हैं। कंबोडिया,इस्राइल और पाकिस्तान के नेताओं के मुताबिक, उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नामित किया था,लेकिन ये नामांकन 31 जनवरी की समय सीमा के बाद वसंत और गर्मियों में किए गए थे,इसलिए वे 2025 के पुरस्कार के लिए मान्य नहीं हैं।विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ तभी जब वह अपनी नीतियां बदलें,क्योंकि फिलहाल उन्हें उस वैश्विक व्यवस्था को कमजोर करने वाला माना जाता है जिसे समिति महत्व देती है। इसके बजाय,समिति पुरस्कार के लिए किसी मानवीय संगठन, पत्रकारों या संयुक्त राष्ट्र संस्था को चुन सकती है या चौंकाने वाला नाम का एलान कर सकती है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

24 घंटे 'इमरजेंसी' सेवा देने वाला 'मुन्नाभाई MBBS' गिरफ्तार

न्यू लाइफ हॉस्पिटल के नाम पर 5 साल से चल रही थी मौत की दुकान,मरीजों को लुभाने के लिए लगाया था बोर्ड

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

व्यावसायिक शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के नियमों का खुलेआम उल्लंघन करता एक चौंकाने वाला मामला सूरत के उधना क्षेत्र से सामने आया है। पिछले पाँच साल से बिना किसी योग्यता के एक फर्जी डॉक्टर 10 से अधिक बेड वाली अस्पताल चला रहा था। इतना ही नहीं, गंभीर बीमारियों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी सेवा का बोर्ड लगाकर मरीजों की जान जोखिम में डाल रहा था। सूरत की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) और जिला स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने छापा मारकर इस 'मुन्नाभाई MBBS' को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान तौफीक अहमद सफीक अहमद (उम्र 33, निवासी तिरुपति नगर, उधना पाटिया, भेस्तान) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जौनपुर का

रहने वाला है। तौफीक अहमद के पास MBBS या MD जैसी किसी भी प्रकार की मान्यता प्राप्त डिग्री नहीं थी, इसके बावजूद उसने उधना क्षेत्र में 'न्यू लाइफ हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम' के नाम से पूरी अस्पताल शुरू कर दी थी। जब SOG अधिकारियों ने इस रेसिडेंशियल इलाके में स्थित अस्पताल पर छापा मारा तो वे भी इस फर्जी डॉक्टर के ऑपरेशन का पैमाना देखकर हैरान रह गए। अस्पताल में 10 से ज्यादा बेड लगे थे और छापे के समय भी कुछ मरीज भर्ती थे। फर्जी डॉक्टर की सबसे बड़ी और खतरनाक हरकत थी 24 घंटे इमरजेंसी सेवा का बोर्ड। बिना किसी मेडिकल लाइसेंस या विशेषज्ञ डॉक्टर की मौजूदगी के उसने गंभीर मरीजों को आकर्षित करने के लिए यह बोर्ड लगाया था। इमरजेंसी में आने वाले मरीजों की जान बचाने के लिए जहां सही इलाज की ज़रूरत होती है,

गरबा ग्राउंड है या होटल का कमरा?

सूरत में सोफ़े पर बैठे कपल की अश्लील हरकत

बगल में लोग बैठे थे और युवक-युवती रोमांस में मशगूल

सूरत में कपल का अश्लील वीडियो वायरल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात में नवरात्रि की धूमधाम के बीच एक के बाद एक विवाद सामने आ रहे हैं। कुछ दिन पहले वडोदरा के गरबा ग्राउंड में एक कपल द्वारा किस करने का वीडियो वायरल हुआ था। अब सूरत में डुमस रोड पर आयोजित एक नवरात्रि कार्यक्रम में, सोफ़े पर बैठे कपल की अश्लील हरकत का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। इसी के साथ, उसी आयोजन में हुई एक और घटना का वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें झगड़े के दौरान एक युवक की शर्ट फाड़ दी गई और वह अर्धनग्न हालत में नज़र आया।

जानकारी के मुताबिक, सूरत में 6 से अधिक बड़े गरबा ग्राउंड हैं, जहां बड़ी संख्या में लोग गरबा खेलने आते हैं। वडोदरा विवाद के बाद अब सूरत में भी यह मामला गरमा गया है। वीडियो में साफ दिखता है कि गरबा मैदान में खिलाड़ियों के लिए रखे गए सोफ़े पर एक कपल बैठा है। युवती युवक की गोद में बैठी है और दोनों आपस में रोमांटिक हरकतें कर रहे हैं। यह सब तब हो रहा है जब चारों ओर भारी भीड़ मौजूद है। इसी कार्यक्रम का दूसरा वीडियो भी वायरल हुआ है। इसमें किसी विवाद के चलते एक युवक को भीड़ ने पीट दिया और उसकी शर्ट फाड़ दी। युवक अर्धनग्न होकर मैदान में घूम रहा था और मौके पर सुरक्षा गार्ड भी मौजूद थे, लेकिन वे स्थिति को नियंत्रित नहीं कर सके।

सूरत के सणिया-हेमाद तालाब में लगातार दूसरे दिन भी मृत मछलियां मिलने का सिलसिला जारी

तालाब में सैकड़ों मछलियों की मौत,जीपीसीबी की निष्क्रियता उजागर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के तहत आने वाले सणिया-हेमाद तालाब में बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां मिलने से लोगों में डर का माहौल है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह घटना औद्योगिक इकाइयों की वजह से हो रही है और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा रही है। औद्योगिक नगरी माने जाने वाले सूरत जिले के सणियागाम में मानवता और पर्यावरण को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। गांव के तालाब में एक साथ अनेक मछलियां मृत अवस्था में मिलने से पूरे क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश फैल गया है। इस दुखद घटना के पीछे मुख्य रूप से गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (GPCB) की ज़ोन कार्यालय की निष्क्रियता को ग्रामीण और स्थानीय लोग जिम्मेदार मान रहे हैं।

नगर निगम की सीमा विस्तार के बाद वराछा ज़ोन में शामिल सणिया-हेमाद में अवैध औद्योगिक निर्माण को लेकर विवाद चल रहा है। इस विवाद के बीच मंगलवार को सणिया-हेमाद तालाब से बड़ी मात्रा में मरी हुई मछलियां मिली थीं, जिसके बाद लोगों ने नगर निगम और जीपीसीबी (गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) से शिकायत की थी। इसके बाद बुधवार को भी लगातार दूसरे दिन तालाब से बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां बाहर आई, जिससे लोग एकत्र हो गए। लगातार मृत मछलियां मिलने से लोगों ने नगर निगम और जीपीसीबी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। लोगों का आरोप है कि कई शिकायतों के बावजूद सणिया-हेमाद क्षेत्र में खुलेआम अवैध औद्योगिक इकाइयां चल रही हैं। साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि तालाब से थोड़ी दूर पर गुजरने वाली नहर में औद्योगिक इकाइयां रसायनयुक्त पानी छोड़ रही हैं, जिससे तालाब का पानी प्रदूषित हो रहा है और मछलियां मर रही हैं। लोगों ने नगर निगम और जीपीसीबी से जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

केमिकल युक्त पानी बना मौत का कारण

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सणियागाम के इस तालाब में आसपास के उद्योगों और डाइंग यूनिट्स का रसायनयुक्त दूषित पानी छोड़ा जाता है। इसके अलावा खाड़ी का दूषित पानी भी तालाब में मिल जाता है। इस जहरीले पानी के कारण तालाब के पानी में ऑक्सीजन की मात्रा घट गई और सैकड़ों मछलियां तड़पकर मर गईं।

पूर्व सरपंच ने बनाया वीडियो

इस गंभीर स्थिति के चलते लोगों में गुस्सा फूट पड़ा है। सणियागाम के पूर्व सरपंच ने पूरी घटना का वीडियो बनाकर स्थिति की गंभीरता को उजागर किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब इस मामले को लेकर संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, तब उन्होंने फोन तक नहीं उठाया, जो उनकी लापरवाही और उदासीनता को साबित करता है।

'वोट चोरी' के मुद्दे पर कांग्रेस की योजना

3 अक्टूबर से डोर-टू-डोर 'सिग्नेचर कैंपेन' शुरू, भाजपा के साथ AAP के गढ़ पर भी नज़र

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

लोकसभा चुनाव और हाल ही में हुई अन्य चुनावों में 'वोट चोरीज़' और 'मतदाता सूची में गड़बड़ीज़' के आरोपों को अब कांग्रेस सूरत में एक बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने जा रही है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान के बाद इस मुद्दे पर पूरे देश में चर्चा चल रही है। इसी कड़ी में, सूरत शहर और जिले में कांग्रेस ने 3 अक्टूबर, गुरुवार से राज्यभर में एक बड़े 'डोर-टू-डोर सिग्नेचर अभियान' शुरू करने का निर्णय लिया है। कांग्रेस सत्ताधारी दल को इस मुद्दे पर घेरकर आने वाले चुनावों में मजबूत जनसमर्थन हासिल करने की आक्रामक रणनीति पर काम कर रही है। सूरत की विधानसभा में कांग्रेस ने पहले भी 'वोट चोरी' के आरोप लगाए थे। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मतदाताओं में 'वोट चोरी' को लेकर जागरूकता लाना और इस मुद्दे पर उनका स्पष्ट अभिप्राय हस्ताक्षर के रूप में हासिल करना है।

कांग्रेस कार्यकर्ता सूरत समेत पूरे गुजरात में घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करेंगे। मतदाताओं से 'वोट चोरी नहीं होनी चाहिए' और 'मतदाता सूची साफ होनी चाहिए' जैसे मुद्दों पर सहमति हेतु हस्ताक्षर लिए जाएंगे। इस अभियान के लिए कांग्रेस ने एक विशेष पंपलेट तैयार किया है, जिसमें मतदाताओं के लिए चार महत्वपूर्ण प्रश्न रखे गए हैं। हर व्यक्ति को इन प्रश्नों पर टिक लगाकर जवाब देना होगा और इसके बाद हस्ताक्षर करके इस अभियान से जुड़ना होगा। कांग्रेस का यह प्रयास 'वोट चोरी' के आरोपों को जनता की राय से जोड़कर एक मजबूत आधार तैयार करने का है।

सूरत कांग्रेस ने इस सिग्नेचर अभियान को गति देने के लिए खास क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है। खासतौर पर सूरत का वराछा इलाका, जहां स्थानीय निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी ने सबसे ज्यादा सीटें जीती थीं। कांग्रेस इस अभियान को वहां अधिक तेज़ी से चलाने की योजना बना रही है। इससे साफ है कि कांग्रेस 'वोट चोरी' के मुद्दे पर न सिर्फ भाजपा को घेरना चाहती है, बल्कि स्थानीय स्तर पर AAP समर्थक इलाकों में भी अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है।

'वोट चोरी' का मुद्दा तब चर्चा में आया जब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कुछ दिन पहले लोकसभा चुनाव, महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव में 'मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी' किए जाने का आरोप लगाया था। राहुल गांधी के इस राष्ट्रीय स्तर के आरोप को अब कांग्रेस गुजरात में जनता के बीच ले जाकर भाजपा को घेरने का प्रयास कर रही है। इस अभियान के जरिए कांग्रेस आने वाले चुनावों में इस मुद्दे को मुख्य एजेंडा बनाने की कोशिश कर रही है।

गांधीनगर में महिला कॉन्स्टेबल की हत्या, विवाहित प्रेमी ने की वारदात

शादी का दबाव डालने पर गला दबाकर की हत्या, दरवाजा बाहर से बंद कर अमरेली भागा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गांधीनगर के सेक्टर-24 स्थित मंडल स्टाफ क्वार्टर में अहमदाबाद के शाहिबाग मुख्यालय में तैनात एक महिला कॉन्स्टेबल का शव निर्वस्त्र अवस्था में मिला। इस मामले में पुलिस ने मोहन नागजीभाई पारधी को गिरफ्तार किया है। मृतका और आरोपी लंबे समय से प्रेम संबंध में थे।

महिला कॉन्स्टेबल घर पर अकेली थी। आरोपी मोहन, जो अमरेली का रहने वाला है, पहले अहमदाबाद और फिर गांधीनगर आया था। दोनों कमरे में अकेले समय बिता रहे थे, तभी महिला कॉन्स्टेबल ने शादी के लिए दबाव डाला। लेकिन मोहन पहले से शादीशुदा था, उसने शादी करने से मना कर दिया। इस बात पर झगड़ा हुआ और मोहन ने कमरे में रखे कपड़े से महिला कॉन्स्टेबल का मुँह दबाकर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी ने दरवाजा बाहर से बंद किया और एस.टी. बस से अमरेली भाग गया।

जिला पुलिस प्रमुख रवि तेजा वासम शेट्टी ने बताया कि घटना के बाद LCB PI डी.बी. वाला, एच.पी. परमार और जे.जे. गढ़वी की अगुवाई में टीमें सक्रिय की गईं। तकनीकी विश्लेषण से आरोपी मोहन नागजीभाई पारधी (उम्र 33, निवासी अमरेली) की पहचान हुई। अमरेली LCB की मदद से उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में मोहन ने कबूल किया कि वह और महिला कॉन्स्टेबल वर्ष 2011-12 में अमरेली में साथ पढ़ते थे। वहीं से दोनों के बीच प्रेम संबंध बने। मोहन ने उस समय शादी का वादा

किया था। दोनों मूल रूप से भावनगर जिले के रहने वाले थे, जिससे महिला को उम्मीद थी कि वह उससे शादी करेगा। लेकिन 2015 में मोहन की शादी किसी और लड़की से हो गई और अब उसका एक चार साल का बच्चा भी है। शादी के बाद उनके संबंध कम हो गए थे, लेकिन संपर्क बना रहा।

29 सितंबर 2025 को महिला कॉन्स्टेबल के भाई-भाभी गारीयाधार (भावनगर) में माताजी के नैवेद्य के लिए गए थे। उसी दिन दोपहर को मोहन अमरेली से बस द्वारा अहमदाबाद और फिर रात करीब 9 बजे निजी वाहन से गांधीनगर पहुँचा। दोनों कमरे में अकेले थे, तभी शादी को लेकर विवाद हुआ और मोहन ने कपड़े से उसका मुँह दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद वह बाहर से दरवाजा बंद करके भाग गया।

आरोपी वर्तमान में एक सिरेमिक कंपनी में मैनेजर की नौकरी करता है। फिलहाल उसकी गिरफ्तारी हो चुकी है और पुलिस रिमांड की तैयारी कर रही है। घटना की रात दोनों के बीच शारीरिक संबंध बने थे या नहीं, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा।

30 सितंबर को जब मृतका के भाई-भाभी ने उसे फोन किया और उसने रिसीव नहीं किया, तो उन्होंने पड़ोसी को सूचित किया। पड़ोसी ने जाकर देखा तो दरवाजा बाहर से कुंडी लगा हुआ था। दरवाजा खोलने पर महिला कॉन्स्टेबल का शव निर्वस्त्र हालत में मिला। तत्काल 112 इमरजेंसी सेवा को बुलाया गया, जहाँ डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही SP रवि तेजा वासम शेट्टी समेत पुलिस दल मौके पर पहुँचा। अलग-अलग टीमें सक्रिय की गईं और महिला कॉन्स्टेबल के मोबाइल का CDR निकाला गया। मोबाइल में मिले एक संदिग्ध नंबर से आरोपी तक पहुँच बनाई गई। पुलिस प्रेम प्रसंग के एंगल पर गहन जांच कर रही है।

कंपनियों को नोटिस जारी

वापी में 6 वाणिज्यिक संस्थान-23 स्कूलों को कर नोटिस

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी नगर निगम क्षेत्र में व्यापार का पंजीकरण न कर और व्यापार कर जमा किए बिना कार्यरत कंपनियों और स्कूलों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। उप आयुक्त अश्विन पाठक के नेतृत्व में गृहकर विभाग द्वारा आज वटार की औद्योगिक कंपनियों में अचानक जांच की गई और व्यापार कर न चुकाने वाली कंपनियों को नोटिस दिया गया।

व्यवसाय कर के 6 नए करदाताओं की पहचान कर पंजीकरण प्रक्रिया पूरी की गई है। गुजरात राज्य व्यवसाय, व्यापार, धंधा और रोजगार कर अधिनियम 1976 के नियम के तहत, जिनका नाम पंजीकृत नहीं है, उन्हें सुनवाई की नोटिस दी जा रही है। गृहकर विभाग द्वारा व्यापार कर के नए करदाताओं की खोज और बकाया राशि की वसूली के विशेष अभियान के अंतर्गत 23 निजी स्कूलों को नोटिस दिया गया है।

इनमें चणोद के 7, सालवाव के 1, छरवाड़ के 2, छीरी के 2 तथा वापी के 11 स्कूल शामिल हैं। नियम के अनुसार प्रत्येक व्यवसायी को वापी नगर निगम में अपने व्यापार/व्यवसाय का पंजीकरण कराना अनिवार्य है। साथ ही, 12 हजार रुपए से अधिक वेतन पाने वाले कर्मचारियों के वेतन से हर माह 200 रुपए की कटौती कर व्यापार कर जमा कराना होता है। प्रत्येक व्यवसायी, कंपनी या संस्था के मालिक और संचालकों को अपना ऋष्ट और श्वष्ट नंबर तुरंत प्राप्त कर लेने की हिदायत दी गई है।

इस प्रकार का व्यापार कर न चुकाने वालों के खिलाफ आगामी समय में कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। अक्टूबर माह से व्यापार कर पर 12 प्रतिशत ब्याज लागू होने वाला है, इसलिए समय पर व्यापार कर भरने की अपील की गई है।

वित्तीय धोखाधड़ी करने वाले गैंग का पर्दाफाश

साइबर क्राइम ने वलसाड जिले के वापी से चार आरोपियों को पकड़ा

नकली RTO चलान APK फाइल भेजकर ठगी करते थे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी साइबर क्राइम पुलिस ने व्हाट्सएप पर RTO Challan.APK नामक नकली फाइल भेजकर मोबाइल हैक कर वित्तीय धोखाधड़ी करने वाले एक गैंग का पर्दाफाश किया है। इस मामले में वापी से

चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह गैंग लोगों को व्हाट्सएप पर "RTO Challan.APK" नाम की फाइल भेजकर निशाना बनाता था। जैसे ही कोई व्यक्ति इस फाइल को इंस्टॉल करता, आरोपी उसका मोबाइल फोन हैक कर लेते थे। यह ठगी तब सामने आई जब गणदेवी के एक निवासी ने शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित ने बताया कि उनके मोबाइल पर आई एक अज्ञात APK फाइल इंस्टॉल करने के बाद उनका फोन हैक हो गया था और उनके बैंक खाते से किस्तों में कुल 1,50,000 निकाल लिए गए। इस शिकायत के आधार पर नवसारी साइबर क्राइम पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 और आईटी एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर तत्काल जांच शुरू की।

सूरत रेंज के पुलिस महानिरीक्षक प्रेम वीर सिंह और नवसारी के पुलिस अधीक्षक राहुल पटेल के मार्गदर्शन में, पुलिस इंस्पेक्टर यू. एल. मोदी और उनकी टीम ने तकनीकी खुफिया जानकारी और मानव स्रोतों की मदद से जांच शुरू की। इस जांच के परिणामस्वरूप, 30 सितंबर 2025 को वापी से चार आरोपियों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया गया। इस सफल कार्रवाई के लिए पुलिस इंस्पेक्टर यू. एल. मोदी, वायरलेस PSI एम. एम. शेख और उनकी टीम की सराहना की जा रही है। साइबर क्राइम पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अज्ञात स्रोत से आई संदिग्ध लिंक या फाइल पर क्लिक न करें और सतर्क रहें।

पकड़े गए आरोपियों में शामिल हैं:

1- प्रकाश शंकरप्रसाद तिवारी
(उम्र 27, मूल निवासी रीवा, मध्यप्रदेश)
2 -सचिन महेंद्र सिंह (उम्र 23)
3- सोमोकुमार करुण शर्मा
(उम्र 24, मूल निवासी पटना, बिहार)
4- रमेश बसुदेव मंडल
(उम्र 31, मूल निवासी साहेबगंज, बिहार)